नई दिल्ली
रविवार, 21 दिसंबर, 2025
पौष मास शुक्ल पक्ष, प्रतिपदा वर्ष : 29, अंक : 248
पृष्ठ 12 मूल्य 2.00

मौसम
अधि. 21
न्यून. 12

हरिभूमि
दिल्ली, हरियाणा, छत्तीसगढ़ व मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
समाचार ही नहीं, विचार भी
haribhoomi.com

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155
airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

टी-20 टीम का ऐलान, सूर्यकुमार होंगे कप्तान

नई दिल्ली। टी-20 विश्व कप अगले साल फरवरी और मार्च में खेला जाना है। 7 फरवरी से इस टूर्नामेंट का आगाज होना है। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने इस वैश्विक टूर्नामेंट के लिए भारत की 15 सदस्यीय क्रिकेट टीम का ऐलान कर दिया है। सूर्यकुमार यादव टीम इंडिया के कप्तान होंगे। अक्षर पटेल उपकप्तान होंगे। शुभमन गिल और जितेश शर्मा को टीम में जगह नहीं मिली है।

असम में ट्रेन से टकराए 7 हाथियों की मौत

गुवाहाटी। असम के होजाई जिले में शनिवार सुबह हाथियों का एक झुंड सैरंग-नई दिल्ली राजधानी एक्सप्रेस की चपेट में आ गया। हादसे में सात हाथियों की मौत हो गई और एक हाथी का बच्चा घायल हो गया। हादसे में ट्रेन का इंजन और पांच कोच भी पटरी से उतर गए। यह हादसा सुबह 2:17 बजे चांगजुराई गांव के पास हुआ।

प्रधानमंत्री बोले, भाजपा पश्चिम बंगाल में टीएमसी के 'महाजंगल राज' का अंत करेगी

घुसपैठियों को बचाने के लिए एसआईआर का विरोध कर रही ममता सरकार: मोदी

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार घुसपैठियों को बचाने के लिए मतदाता सूची के विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) का विरोध कर रही है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा राज्य में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और तुष्टीकरण वाले टीएमसी के 'महाजंगल राज' का अंत करेगी। प्रधानमंत्री ने लोगों से भाजपा को मौका देने की अपील की।

इससे पहले शनिवार सुबह प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल के नादिया जिले के राणाघाट में कई विकास कार्यों का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें लगभग 3,200 करोड़ रुपये की लागत वाली दो राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाएं शामिल हैं। इन परियोजनाओं में से एक एनएच-34 के 66.7 किलोमीटर लंबे बरजागुली-कृष्णानगर खंड का चार लेन का निर्माण है। उन्होंने एनएच-34 के 17.6 किलोमीटर लंबे बारासात-बरजागुली खंड के चार लेन के निर्माण का भी शिलान्यास किया। प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) के अनुसार, इन परियोजनाओं से कोलकाता और सिलीगुड़ी के बीच संपर्क बेहतर होगा और लोगों का यात्रा समय लगभग दो घंटे कम हो जाएगा। पीएमओ ने यह भी कहा कि इनसे क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों में सुधार होगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।

पश्चिम बंगाल की जनता से निवेदन, भाजपा को एक मौका दें

पीएम मोदी ने कहा कि टीएमसी भाजपा का विरोध करना चाहती है। उन्हें पूरी ताकत से, बार-बार हमारा विरोध करने दीजिए। मुझे समझ नहीं आता कि पश्चिम बंगाल के विकास में बाधा क्यों डाली जा रही है। आप मोदी का विरोध कर सकते हैं, लेकिन बंगाल की जनता को दुखी मत कीजिए। उनके अधिकारों का हनन मत कीजिए। उनके सपनों को चकनाचूर करने का पाप मत कीजिए। मैं पश्चिम बंगाल की जनता से हाथ जोड़कर विनम्रतापूर्वक निवेदन करता हूं कि भाजपा को एक मौका दें।

मोदी का विरोध करो, जनता का नहीं

इसके बाद पीएम मोदी ने ताहेरपुर में फोन पर एक रैली को संबोधित करते हुए कहा कि बंगाल में घुसपैठियों को टीएमसी का संरक्षण प्राप्त है। उन्होंने कहा कि टीएमसी भाजपा का विरोध कर सकती है, लेकिन बिहार चुनाव परिणामों ने राज्य में भगवा पार्टी के लिए दरवाजे खोल दिए हैं। मोदी ने कहा कि वे चाहे जितनी ज़ोर-शोर से, बार-बार, अपनी पूरी ताकत से हमारा विरोध करें। मुझे समझ नहीं आता कि पश्चिम बंगाल के विकास में बाधा क्यों डाली जा रही है। उन्होंने कहा कि आप मोदी का विरोध कर सकते हैं, लेकिन बंगाल की जनता को नाराज़ न करें। उनके अधिकारों से उन्हें वंचित न करें। उनके सपनों को चकनाचूर करने का पाप न करें। मैं पश्चिम बंगाल की जनता से हाथ जोड़कर विनम्रतापूर्वक निवेदन करता हूं कि वे भाजपा को एक मौका दें।

जयशंकर ने नाम लिए बगैर अमेरिका को दिया बड़ा संदेश...

'कोई भी देश कितना ताकतवर क्यों न हो, हमेशा अपनी मर्जी बाकी पर नहीं थोप सकता'

» *महाराष्ट्र के पुणे में सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड विश्वविद्यालय) के 22वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए बोले विदेश मंत्री*

» *पुणे लिट फेस्ट में कई सवालों के भी दिए दो टूक जवाब, पीएम मोदी को बताया भारत का 'हनुमान'*

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टैरिफ आदेश की वजह से दुनियाभर में मची हुई आर्थिक उथल-पुथल के बीच विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने नाम लिए बिना अमेरिका को एक बड़ा और सख्त संदेश दिया है। मौका था महाराष्ट्र के पुणे में सिम्बायोसिस इंटरनेशनल (डीम्ड विश्वविद्यालय) के 22वें दीक्षांत समारोह का। जिसे संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्टता के साथ कहा कि वैश्विक व्यवस्था एक ऐसे बिंदु पर ▶▶ शेष पेज 5

अमेरिका संग जटिल हुआ संबंध बनाना

उन्होंने ये भी कहा, आज अमेरिका के साथ संबंध बनाना पहले के मुकाबले अधिक जटिल हो गया है। जिसके पीछे का कारण सर्वविदित है। चीन को संभालना भी जटिल हो गया है। रूस की बात करें तो यूक्रेन युद्ध और ▶▶ शेष पेज 5 पर

देश की मदद करना ही सिद्धांत

जयशंकर ने कहा कि आज के दौर में दुनिया गठबंधन की राजनीति के युग समान है। कोई एक देश या गठबंधन नहीं है, जिसके पास बहुमत हो। यही कारण रहा है, जिसके चलते लगातार गठबंधन बनते और बिगड़ते रहते हैं। सौदे होते हैं, कोई ऊपर जाता है, कोई नीचे आता है। जिस बहुध्रुवीय दुनिया की जिक्र मैंने किया वो कई दलों वाली दुनिया की तरह है। ▶▶ शेष पेज 5 पर

कट्टरपंथी हादी की मौत पर राजकीय शोक में डूबा बांग्लादेश, आधा झुका राष्ट्रीय ध्वज

» *लेकिन हिंदू युवक दीपू चंद्र दास के परिजनों के पास जाकर सांत्वना देने की फुर्सत में नहीं यूनुस सरकार*

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

बांग्लादेश के भारत विरोधी कट्टरपंथी छात्र नेता शरीफ उस्मान हादी को शनिवार को अंतिम विदाई दी गई। अंतरिम सरकार ने हिंसा भड़कने की आशंका के बीच परिवार की इच्छा के मुताबिक ढाका विश्वविद्यालय के परिसर में राष्ट्रीय कवि काजी नजरुल इस्लाम की कब्र के पास उसे दफनाया गया।

पड़ोसी देश की मोहम्मद यूनुस की अगुवाई वाली अंतरिम सरकार ने हादी की मौत पर राजकीय शोक मनाया, बांग्लादेश का राष्ट्रीय ध्वज आधा झुका ▶▶ शेष पेज 5 पर

एएसआई की फर्जी वेबसाइट से ठगी करने वाले दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट ने सरकारी नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण की एक फर्जी वेबसाइट बनाकर देशभर के बेरोजगार युवाओं को चपत लगाने की साजिश रची थी।

पुलिस के मुताबिक गिरफ्तार आरोपियों में जयपुर निवासी कुलदीप (30) और पीयूष (25) शामिल हैं। कुलदीप बी. कॉम के बाद एलएलबी की पढ़ाई कर रहा है, जबकि पीयूष बी टेक (कंप्यूटर साइंस) डिग्री होल्डर है। उसने ही यह फर्जी वेबसाइट बनाई थी। डीसीपी विनीत कुमार के अनुसार आरोपियों ने एएसआई का एक फर्जी भर्ती पोर्टल बनाया और उस पर गैर-मौजूद सरकारी पदों का विज्ञापन दिया। इस गिरोह का भंडाफोड़ तब हुआ जब अभ्यर्थी साक्षात्कार के चरण तक पहुंचने वाले थे, जहां कथित तौर पर उम्मीदवारों से चयन के बदले रिश्वत मांगी जानी थी। ठगों ने संस्कृति मंत्रालय के तहत एएसआई में 'क्यूरेटर' के सात और 'जूनियर असिस्टेंट' के 84 पदों के लिए रिक्तियां निकाली थी। डीसीपी ने बताया कि जांच में सामने आया कि फर्जी पोर्टल के लिंक कॉलेज समूहों, सोशल मीडिया और मैसेजिंग ऐप पर फैलाए गए थे, जिससे सैकड़ों छात्रों ने आवेदन किया। वेबसाइट को आधिकारिक एएसआई और मंत्रालय के पोर्टल की तरह डिजाइन किया गया था, जिसमें समान लोगो और कलर स्कीम का उपयोग किया गया था ताकि धोखाधड़ी का पता न चलें। करीब 150 उम्मीदवारों को लिखित परीक्षा के लिए शॉर्टलिस्ट किया था। विश्वसनीयता बढ़ाने के लिए आरोपियों ने जयपुर में एक प्रतिष्ठित परीक्षा केंद्र बुक किया और पेशेवर तरीके से परीक्षा भी आयोजित की। उनकी योजना करीब आधे उम्मीदवारों को सफल घोषित कर साक्षात्कार के लिए बुलाने और फिर 'गारंटीशुदा चयन' व नियुक्ति पत्र के नाम पर पैसे वसूलने की थी। हालांकि, दिल्ली पुलिस की आईएफएसओ यूनिट ने तकनीकी निगरानी के आधार पर छापेमारी कर आरोपियों को समय रहते दबोच लिया। जालसाजों के पास से मोबाइल, लैपटॉप, कंप्यूटर और पासबुक आदि सामान जब्त किया गया है। मामले में अन्य सहयोगियों की पहचान और पैसे के लेनदेन की जांच जारी है।

पायलट पर यात्री ने लगाया मारपीट का आरोप

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

एयरपोर्ट पर एक यात्री द्वारा पायलट पर मारपीट का आरोप लगाया है। हालांकि दिल्ली पुलिस ने शनिवार को कहा कि एअर इंडिया के पायलट द्वारा एक यात्री पर कथित तौर पर हमला किए जाने के संबंध में उसे अभी तक कोई औपचारिक शिकायत नहीं मिली है। घटना के वक्त पायलट ड्यूटी पर नहीं था। पुलिस को शिकायत का इंतजार है। शिकायत मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस का कहना है कि कथित हमला दिल्ली हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान कुछ कर्मचारियों के कतार में धक्का देकर आगे निकलने को लेकर हुई झड़प से जुड़ा बताया जा रहा है। पुलिस ने साफ किया कि पायलट द्वारा हमला किए जाने के आरोप से संबंधित अंकित दीवान के सोशल मीडिया पोस्ट के जरिये मामला उजागर किया है। इस संदर्भ में न तो शिकायतकर्ता ने और न ही विमानन कंपनी ने किसी प्रकार का मामला थाने में दर्ज कराया है। पुलिस ने एक बयान में कहा कि उसे कथित घटना की जानकारी सोशल मीडिया पोस्ट के सामने आने के बाद ही मिली। लिखित शिकायत मिलने के बाद उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी। गौरतलब है कि अंकित दीवान नामक एक यात्री ने शुक्रवार को सोशल मीडिया पर पोस्ट में आरोप लगाया कि टर्मिनल-1 के सुरक्षा क्षेत्र के पास एअर इंडिया

■ पुलिस को शिकायत का इंतजार

एक्सप्रेस के कैप्टन वीरेंद्र सेजवाल ने उन पर हमला किया। उन्होंने कहा कि इस घटना में वह चोटिल हो गए और उनकी सात वर्षीय बेटी मानसिक रूप से आहत हुई है, जिसने यह झड़प देखी। दीवान के अनुसार विवाद तब शुरू हुआ जब उन्होंने सुरक्षा बिंदु पर कुछ कर्मचारियों द्वारा कथित रूप से कतार तोड़े जाने का विरोध किया। उन्होंने दावा किया कि पायलट ने पहले अपशब्द कहे और फिर मारपीट की। एअर इंडिया एक्सप्रेस ने पहले कहा था कि उसे अपने एक कर्मचारी से संबंधित इस घटना की जानकारी है, जो किसी अन्य एयरलाइन की उड़ान में यात्रा कर रहा था। उधर सूत्रों से पता चला कि कंपनी ने पायलट को आंतरिक जांच पूरी होने तक तत्काल प्रभाव से ड्यूटी से हटा दिया है।

एनएफसी में पार्क से लौट रहे प्रॉपर्टी डीलर पर हमला

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

न्यू फ्रेंड्स कालोनी थाना अंतर्गत शनिवार सुबह एक प्रॉपटी डीलर पर हमले का मामला सामने आया। शुरुआत में गोली लगने से घायल होने की सूचना पुलिस को मिली। घायल को एम्स ट्रामा सेंटर में भर्ती करवाया गया। डॉक्टरों ने गोली के जख्म से इंकार किया है। वहीं पुलिस को भी मौके पर की गई तफ्तीश में गोली चलने के सबूत नहीं मिले। बहरहाल मामले की छानबीन की जा रही हैं। आसपास के इलाके में लगे कैमरों के फुटेज भी खंगाले जा रहे हैं।

पुलिस के अनुसार शनिवार सुबह करीब 8.50 बजे न्यू फ्रेंड्स कॉलोनी थाने में कथित फायरिंग की घटना के बारे में एक पीसीआर कॉल मिली। एसएचओ के नेतृत्व में एक टीम तुरंत विवरण की पुष्टि करने के लिए अशोका पार्क में घटनास्थल पर पहुंची। शिकायतकर्ता नसरुद्दीन (48) जाकिर नगर का रहने वाला है और पेशे से प्रॉपर्टी

■ पुलिस को नहीं मिले गोली चलने के सबूत

डीलर है। उसने बताया कि सुबह करीब 8:30 बजे वह सुबह की सैर से लौट रहा था। उसी समय चार नकाबपोश लोगों ने उसे रोका। नसरुद्दीन के अनुसार उन्होंने कथित तौर पर बिना किसी उकसावे के उसके पैरों पर हमला किया। पीड़ित को तुरंत एक पीसीआर वैन से एम्स ट्रॉमा सेंटर ले जाया गया। मेडिकल अधिकारियों ने पुष्टि की है कि कोई गोली नहीं लगी है और उम्मीद है कि पीड़ित को जल्द ही छुट्टी दे दी जाएगी। घटनास्थल का क्राइम व एफएसएल विशेषज्ञों द्वारा अच्छी तरह से निरीक्षण किया गया। कई गहन तलाशी के बावजूद घटनास्थल से कोई खाली कारतूस बरामद नहीं हुआ। पुलिस का दावा है कि इस घटना में हथियार के इस्तेमाल की पुष्टि नहीं हो पाई है। संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जा रहा है। हमलावरों को ट्रैक करने के लिए स्पेशल टीम का गठन किया गया है।

शाहदरा नॉर्थ जोन प्रदूषण फैलाने वाली चार इकाइयां की सील

नई दिल्ली। दिल्ली में बढ़ते प्रदूषण के खिलाफ नगर निगम दिल्ली (एमसीडी) ने अपनी ज़ीरो टॉलरेंस नीति को और सख्ती से लागू करते हुए शाहदरा नॉर्थ जोन में विशेष प्रवर्तन अभियान चलाया। इस अभियान के तहत दयालपुर, नेहरू विहार और करावल नगर वार्डों में संचालित चार प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों को सील किया गया, जिनमें एक आयरन वेल्डिंग यूनिट और तीन ई-वेस्ट यूनिट शामिल हैं। एमसीडी अधिकारियों के अनुसार, दिसंबर माह में अब तक कुल 34 प्रदूषण फैलाने वाली इकाइयों को सील किया जा चुका है, जो पर्यावरण संरक्षण को लेकर निगम की गंभीरता को दर्शाता है। निगम प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि पर्यावरण नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ ऐसी कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी, ताकि राजधानी में वायु प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण किया जा सके और आम नागरिकों के स्वास्थ्य की रक्षा हो सके।

40 लाख रुपये की चोरी के आरोप में घरेलू सहायक किया अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

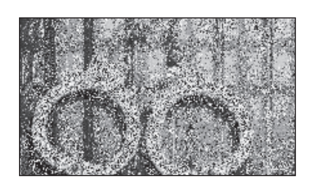

पंजाबी बाग इलाके में एक घर से 40 लाख रुपये नकद चोरी करने के आरोप में एक घरेलू सहायक को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी को उसके नियोक्ता ने अपने पिता की देखभाल के लिए रखा था और उसने चोरी से मात्र 15 दिन पहले ही काम करना शुरू किया था।

पुलिस के अनुसार चोरी के संबंध में 29 नवंबर को शिकायत मिली थी, जिसके बाद 30 नवंबर को प्राथमिकी दर्ज की गई। जांच के दौरान घर और आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज खंगाले गए। शुरुआती फुटेज में मुख्य आरोपी ध्रुव घर से खाली हाथ निकलते हुए दिखा। हालांकि पास के इलाकों के सीसीटीवी कैमरों की बारीकी से जांच करने पर वह अपने सहयोगियों जतिन और शिवम के साथ घूमता हुआ पाया गया और एक फुटेज में शिवम काले रंग का बैग ले जाता दिखाई दिया। घटना के तुरंत बाद तीनों आरोपियों के मोबाइल फोन बंद हो गए थे। उनके संभावित ठिकानों पर छापेमारी की गई, लेकिन वे नहीं मिले। तकनीकी निगरानी और 'कॉल डिटेल रिकॉर्ड' के विश्लेषण से पता चला कि आरोपी दिल्ली से बाहर चले गए थे। बाद में उनके जम्मू-कश्मीर में होने का पता चला। निरंतर प्रयासों के परिणामस्वरूप ध्रुव और जतिन ने अदालत के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पूछताछ में पता चला कि तीनों ने अंतरराज्यीय यात्रा के लिए अक्सर एक ही ट्रैवल एजेंसी का इस्तेमाल किया था। जांच में सामने आया कि शिवम ने हिमाचल प्रदेश के लिए एक कैब बुक की थी। इस सुराग पर काम करते हुए पुलिस ने कैब चालक का पता लगाया जिसने शिवम के ठिकाने की जानकारी दी। पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर हिमाचल प्रदेश के एक होटल से शिवम को पकड़ लिया।

आईपीयू के मेडिकल प्रोग्राम में दाखिले के लिए अवसर कल तक

नई दिल्ली। आईपी यूनिवर्सिटी के मेडिकल प्रोग्राम- एमबीबीएस (कोड 103) में दाखिले के लिए स्पेशल स्ट्रे राउंड की काउंसलिंग के लिए कल 22 दिसंबर तक ऑनलाइन पंजीकरण किया सकता है। आईपीयू प्रशासन ने शनिवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि इस प्रोग्राम में दाखिले के लिए जिन उम्मीदवारों ने 2500 रुपये आवेदन शुल्क के रूप में जमा कर पंजीकरण कर रखा है, वे इस प्रोग्राम के लिए भरे हुए फॉर्म में रीजन, कैटेगरी, रैंक आदि से संबंधित संशोधन भी 22 दिसंबर तक कर सकते हैं। नीट यूजी का रैंक कार्ड, शैक्षणिक प्रमाण पत्र, आरक्षण से संबंधित प्रमाण पत्र, आदि भी भरे हुए फॉर्म के साथ 22 दिसंबर तक अपलोड किए जा सकते हैं। 23 दिसंबर तक इस प्रोग्राम के लिए विकल्प चयन किया जा सकता है।

सीएम रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने शुरू की श्रमिक सुरक्षा और स्वच्छ हवा की दोहरी पहल

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण से निपटने के साथ-साथ श्रमिकों के हितों की रक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। ग्रेप (GRAP) के तहत निर्माण गतिविधियों पर रोक से प्रभावित दिहाड़ी श्रमिकों की आय की क्षतिपूर्ति हेतु सरकार ने पंजीकृत एवं सत्यापित निर्माण मजदूरों को 10,000 की आर्थिक सहायता देने का निर्णय लिया है। यह कदम सरकार की मानवीय संवेदनशीलता और समावेशी शासन का स्पष्ट उदाहरण है।

श्रम एवं रोजगार मंत्री कपिल मिश्रा ने मुख्यमंत्री द्वारा लिए गए इन अहम निर्णयों की जानकारी देते हुए बताया कि श्रमिकों के पंजीकरण व सत्यापन की प्रक्रिया दो चरणों में सतत रूप से जारी है और जैसे-जैसे सत्यापन पूर्ण होगा, सहायता राशि सीधे लाभार्थियों के बैंक खातों में स्थानांतरित की जाएगी। इससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी और वास्तविक जरूरतमंदों तक लाभ पहुंचेगा।

वायु गुणवत्ता में सुधार के उद्देश्य से सरकार ने सभी सरकारी एवं निजी प्रतिष्ठानों में कर्मचारियों की फिजिकल उपस्थिति अधिकतम 50 प्रतिशत तक सीमित करने और शेष के लिए वर्क-फ्रॉम-होम अनिवार्य करने के निर्देश जारी किए हैं। आवश्यक सेवाओं को इससे अलग रखते हुए, ट्रैफिक दबाव कम करने, कार-पूलिंग को बढ़ावा देने और निजी वाहनों के उपयोग में कमी लाने पर भी जोर दिया गया है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार का स्पष्ट संदेश है—स्वास्थ्य, रोजगार और पर्यावरण में संतुलन ही सस्टेनेबल विकास का आधार है। योजनाबद्ध, नियमबद्ध और संवेदनशील फैसलों के माध्यम से दिल्ली को स्वच्छ, सुरक्षित और श्रमिक-हितैषी राजधानी बनाने की दिशा में सरकार निरंतर आगे बढ़ रही है।

1.) प्रति पंजीकृत व सत्यापित निर्माण श्रमिक को 10,000 रुपए की आर्थिक सहायता
2.) 2-चरणीय प्रक्रिया: श्रमिकों के पंजीकरण के बाद अनिवार्य सत्यापन प्रक्रिया
3.) सरकारी-निजी कार्यालयों में 50% उपस्थिति, बाकी के लिए अनिवार्य वर्क फ्रॉम होम
4.) कानूनी प्रावधान: उल्लंघन पर पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के तहत कार्रवाई

स्वच्छ दिल्ली का संकल्प: इलेक्ट्रिक मोबिलिटी को बढ़ावा देने की ओर सरकार का हर कदम

1.) अबतक ईवी बसों का कुल बेड़ा 3,500 के पार, नवंबर 2026 तक 7,500 ईवी बसे देने का लक्ष्य
2.) मेट्रो कनेक्टिविटी: मेट्रो स्टेशनों पर 1,823 ई-ऑटो तैनात, 51 मेट्रो स्टेशनों पर ई-बाइक उपलब्ध

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

स्वच्छ हवा, सुरक्षित भविष्य और आधुनिक परिवहन—इसी स्पष्ट दृष्टि के साथ मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार राजधानी को क्लीन मोबिलिटी हब के रूप में विकसित कर रही है। मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में इलेक्ट्रिक व्हीकल (EV) को केवल एक विकल्प नहीं, बल्कि दिल्ली की मुख्य परिवहन धारा बनाया जा रहा है।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की पहल पर सार्वजनिक परिवहन में बड़े पैमाने पर ई-बसों को शामिल किया गया है, जिससे प्रदूषण में कमी के साथ यात्रियों को आरामदायक और भरोसेमंद सेवा मिल रही है। मेट्रो स्टेशनों पर ई-ऑटो, ई-रिक्शा और ई-बाइक जैसी सुविधाओं को बढ़ावा देकर 'लास्ट माइल कनेक्टिविटी' को मजबूत किया गया है।

चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विस्तार, निजी ईवी अपनाने को प्रोत्साहन और स्वच्छ परिवहन प्रति जन-जागरूकता—ये सभी कदम मुख्यमंत्री के ग्रीन दिल्ली विज़न का हिस्सा हैं। उनका स्पष्ट संदेश है कि दिल्ली का विकास पर्यावरण की कीमत पर नहीं, बल्कि उसके संरक्षण के साथ होगा।

स्वच्छ गतिशीलता से न केवल प्रदूषण घटेगा, बल्कि ईंधन आयात पर निर्भरता कम होगी, रोजगार के नए अवसर बनेंगे और दिल्ली एक स्मार्ट, सस्टेनेबल राजधानी के रूप में उभरेगी।

'नो पीयूसी, नो फ्यूल' से लेकर सीमा पर सख्ती तक, प्रदूषण के खिलाफ दिल्ली सरकार ने तैयार की बहु-स्तरीय रणनीति

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली सरकार ने वायु प्रदूषण के खिलाफ निर्णायक और बहु-स्तरीय कार्रवाई शुरू की हुई है। मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता के नेतृत्व में, पर्यावरण मंत्री श्री मनजिंदर सिंह सिरसा के सख्त निर्देशों के तहत राजधानी में 'नो पीयूसी, नो फ्यूल' नियम को सख्ती से लागू किया जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य केवल नियम लागू करना नहीं, बल्कि हर दिल्लीवासी के स्वास्थ्य और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की रक्षा करना है।

इस अभियान के तहत बिना वैध प्रदूषण नियंत्रण प्रमाणपत्र (पीयूसी) वाले वाहनों को ईंधन नहीं दिया जाएगा। साथ ही, गैर-बीएस-6 बाहरी राज्यों के वाहनों की दिल्ली में एंट्री पर भी सख्त प्रतिबंध लगाया गया है। मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देशों के अनुरूप, शहरभर में व्यापक निगरानी व्यवस्था लागू की गई है, ताकि नियमों का समान और प्रभावी पालन हो। साथ ही पेट्रोल पंपों, बॉर्डर प्वाइंट्स और प्रमुख चेकपॉइंट्स पर इन्फोर्समेंट टीमों की भी पूरी मुस्तैदी से तैनात रहेंगी।

- 126 चेकपॉइंट्स पर सघन निगरानी
- 580 पुलिसकर्मी और 37 प्रवर्तन वैन तैनात
- गैर-बीएस-6 बाहरी वाहनों की दिल्ली में एंट्री पर रोक
- पेट्रोल पंपों पर एएनपीआर कैमरे और वॉइस अलर्ट सिस्टम
- 100 नए ट्रैफिक हॉटस्पॉट्स की पहचान की योजना

मुख्यमंत्री श्रीमती रेखा गुप्ता ने स्पष्ट किया है कि दिल्ली सरकार प्रदूषण के खिलाफ चार प्रमुख मोर्चों वाहन प्रदूषण, धूल नियंत्रण, औद्योगिक उत्सर्जन और ठोस कचरा प्रबंधन पर एक साथ कार्रवाई कर रही है। उन्होंने कहा कि यह अभियान किसी को असुविधा देने के लिए नहीं, बल्कि दिल्ली की हवा को सुरक्षित बनाने के लिए है। सरकार का संदेश साफ है—नियमों का पालन करें और इस अभियान में सहयोग दें।

दिल्ली पुलिस, परिवहन विभाग और अन्य एजेंसियों के समन्वय से राजधानी के 126 चेकपॉइंट्स पर निगरानी व्यवस्था सख्त की गई है। पेट्रोल पंपों पर एएनपीआर कैमरे, वॉइस अलर्ट सिस्टम और इन्फोर्समेंट टीमें सुनिश्चित करेंगी कि बिना पीयूसी किसी भी वाहन को ईंधन न मिले।

साथ ही, ट्रैफिक और उत्सर्जन को कम करने के लिए दिल्ली सरकार तकनीक का भी सहारा ले रही है। गूगल मैप्स के माध्यम से ट्रैफिक हॉटस्पॉट्स की पहचान, सिग्नल मैनेजमेंट और जाम की समस्या से निपटने के लिए संरचित समाधान तैयार किए जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में सरकार का संदेश स्पष्ट है—स्वच्छ हवा हर नागरिक का अधिकार है और इसके लिए सरकार तथा जनता, दोनों की साझी भागीदारी आवश्यक है। नियमों का पालन, सार्वजनिक परिवहन का अधिक उपयोग और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार व्यवहार ही दिल्ली को स्वच्छ, स्वस्थ और भविष्य के लिए तैयार राजधानी बना सकता है।

DIP/Shabdarth/Advertorial/0101/25-26

एक्यूआई बहुत खराब श्रेणी में 387 दर्ज

राजधानी में प्रदूषण का कहर नहीं ले रहा थमने का नाम

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली वालों को इस समय सर्दी, कोहरे और प्रदूषण की ट्रिपल मार झेलनी पड़ रही है। प्रदूषण की हालत इतनी खराब है कि बाहर निकलना मजबूरी बन चुका है। सांस लेने से लेकर आंखों में जलन सबसे ज्यादा परेशान कर रही है। वहीं सर्दी और कोहरे ने इस परेशानी को कई गुणा बढ़ा दिया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के अनुसार शनिवार को दिल्ली का औसत वायु प्रदूषण लेवल (एक्यूआई) 387 पर पहुंच गया। हालांकि सुबह सात बजे एक्यूआई 376 दर्ज हुआ था। लेकिन उसके

अगले दो घंटों में प्रति घंटे इसमें बढ़त देखने को मिली। सीपीसीबी के आंकड़ों के अनुसार कई जगहों पर एक्यूआई आंकड़ा 400 पार दर्ज हुआ। इनमें आनंद विहार का एक्यूआई 437, अशोक विहार का 421, चांदनी चौक का 422. द्वारका सेक्टर का 421, आईटीओ का 441, जहांगीरपुरी का 434, मुंडका का 421, नेहरू नगर का 425, पंजाबी काग का 421, रोहिणी का 426, विवेक विहार का 439 और वजीरपुर का एक्यूआई 430 दर्ज किया गया। सीरीफोर्ट का 415, आरके पुरम का 414, पंजाबी बाग का 407, पटपड़गंज का 405, ओखला फेज-2 का 403, नेहरू नगर का 414, आईटीओ का 417, डॉ कर्ण सिंह शूटिंग रेंज का 402 और आनंद विहार का 426 रहा। पूर्वानुमान के अनुसार, 20 दिसंबर को प्रदूषण का स्तर बेहद खराब रहेगा। जबकि 21 और 22 दिसंबर को प्रदूषण का स्तर गंभीर रह सकता है। इसके बाद अगले छह दिनों तक यह गंभीर से बेहद खराब बना रहेगा।

वायु प्रदूषण से निपटने के लिए समयबद्ध कार्रवाई और कठोर जवाबदेही आवश्यक : विजेंद्र

- विजेंद्र गुप्ता ने रोहिणी में वायु प्रदूषण हॉटस्पॉट्स का किया निरीक्षण

नई दिल्ली। सड़क की धूल और अधूरे नागरिक कार्यों से उत्पन्न वायु प्रदूषण कोई अपरिहार्य वास्तविकता नहीं, बल्कि एक रोके जा सकने वाली प्रशासनिक चुनौती है। इसके लिए समयबद्ध कार्रवाई, समन्वित प्रशासन और कठोर जवाबदेही आवश्यक है। यह बात दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष एवं स्थानीय विधायक विजेन्द्र गुप्ता ने शनिवार को रोहिणी सेक्टर-8 स्थित मधुबन चौक पर निरीक्षण के दौरान कही। गुप्ता ने कहा कि हालिया आकलनों में रोहिणी के कई क्षेत्रों को धूल-प्रदूषण हॉटस्पॉट के रूप में चिह्नित किया गया है, जहां सड़कें खुदी हुई, बिना तारकोल की या ढीली मिट्टी से ढकी हुई हैं। इन खुले हिस्सों पर वाहनों की आवाजाही से बार-बार धूल उड़ती है। साथ ही, प्रदूषण-नियंत्रण उपायों के अंतर्गत ड्रेनेज सहित विभिन्न अवसंरचना कार्यों के स्थगन के कारण सड़क सतहों का लंबे समय तक पुनर्स्थापन नहीं हो पाया है। स्थानीय निवासियों ने कई महीनों से धूल के निरंतर संपर्क की शिकायत की है, जिससे जनस्वास्थ्य संबंधी गंभीर चिंताएं उत्पन्न हुई हैं।गुप्ता ने कहा कि वैज्ञानिक अध्ययनों के अनुसार सड़क की धूल दिल्ली में कणीय प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों में से एक है, जो पीएम10 का बड़ा हिस्सा और पीएम2.5 का भी महत्वपूर्ण योगदान करती है, विशेषकर शीतकाल में, जब स्थिर वायुमंडलीय परिस्थितियां प्रदूषण को और गंभीर बना देती हैं।

खुद को लोकल गार्जियन कहने वाले एलजी दिल्ली को गैस चेंबर में छोड़ अहमदाबाद में देख रहे मैच : भारद्वाज

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के दिल्ली प्रदेश संयोजक सौरभ भारद्वाज ने शनिवार को कहा कि खुद को लोकल गार्जियन कहने वाले उपराज्यपाल वीके सक्सेना दमघोंटू हवा में दिल्ली की जनता को छोड़कर खुद अहमदाबाद में मैच का आनंद ले रहे हैं। सौरभ भारद्वाज के साथ विधायक संजीव झा ने पिछली सरकार के दौरान का उनका एक वीडियो सोशल मीडिया एक्स पर साझा किया है, जिसमें वे खुद को दिल्ली का लोकल गार्जियन बताते हुए प्रदूषण को लेकर पिछली सरकार पर उंगली उठाते दिख रहे हैं। सौरभ भारद्वाज ने कटाक्ष करते हुए कहा कि पहले अपनी अफसरों की फौज को मास्क लगाकर रोज टीवी इंटरव्यू देते थे, अब टीवी पर आना बंद है। उन्होंने कहा कि दिल्ली में इस समय प्रदूषण का स्तर पिछले सभी रिकॉर्ड तोड़ चुका है। प्रदूषण की वजह से अस्पतालों में मरीजों की लाइन लगी हुई हैं। लेकिन दिल्ली की भाजपा सरकार ग्रैप-4 के नियमों का पालन तक नहीं करवा पा रही है। सरेआम ग्रैप 4 के नियमों का उल्लंघन हो रहा है। भारद्वाज ने संसद भवन और इंडिया गेट के सामने चल रहे काम का जिक्र करते हुए कहा कि शुक्रवार को मैंने अपने दौरे में पाया था कि जेसीबी मशीनों द्वारा खुदाई की जा रही थी और धूल उड़ने के कारण बच्चे मुंह पर रुमाल रखकर जाने को मजबूर थे। राजेंद्र प्रसाद रोड पर पूरे जोर-शोर से काम चल रहा था, यहां ट्रकों की कतारें लगी हुई हैं और मजदूर काम में लगे हुए थे। निर्माण और विध्वंस, तोड़फोड़ और खुदाई का काम बिना रुके चल रहा था। संभव है कि कुछ लोग इसे बहुत जरूरी काम बताएं, लेकिन क्या एक महीने के लिए इन कामों को नहीं रोका जा सकता? क्या यह काम उन छोटे-छोटे बच्चों की सेहत से भी ज्यादा जरूरी है जो नेब्युलाइजर लगाकर घूमने को मजबूर हैं।भारद्वाज ने कहा कि यहां खानापूर्ति और औपचारिकता के लिए पानी के छिड़काव के लिए एक मशीन खड़ी कर दी गई है, लेकिन उस पर जमी धूल और मकड़ियों के जाले बता रहे थे कि वह महीनों से खड़ी है और उसका इस्तेमाल नहीं होता है।

अगले वित्त वर्ष में लागू कर दी जाएगी नई ईवी पॉलिसी : रेखा

- पुराने वाहन स्क्रैप करने पर मिलेगी सब्सिडी, आवासीय कॉलोनियों में भी लगेंगे चार्जिंग प्वाइंट
- दिल्ली बनेगी भारत की ईवी राजधानी, प्रदूषण रोकने के लिए प्रभावी भूमिका निभाएगी ईवी पॉलिसी

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने दिल्ली में प्रदूषण के स्तर को कम करने और परिवहन व्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए 'इलेक्ट्रिक वाहन नीति' का व्यापक खाका तैयार कर लिया है। इस पॉलिसी को अगले वित्तीय वर्ष से लागू कर कर दिया जाएगा। यह बात मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कही। उन्होंने कहा कि सरकार का मुख्य उद्देश्य इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) को अपनाना इतना आसान बनाना है कि यह हर दिल्लीवासी की पहली पसंद बन जाए। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता का कहना है कि वाहनों से होने वाला धुआं भी प्रदूषण का एक बड़ा कारण है। हमारी सरकार की यह नीति केवल आर्थिक लाभ देने के लिए नहीं, बल्कि दिल्ली को एक स्वच्छ भविष्य देने के लिए है। जब दिल्ली का हर नागरिक ईवी अपनाएगा, तो पीएम 2.5 और पीएम 10 के स्तर में सीधी गिरावट आएगी। हमारी सरकार इस पॉलिसी में चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर और सब्सिडी का ऐसा समावेश कर रही है जिससे दिल्ली न केवल देश की, बल्कि दुनिया की 'ईवी राजधानी' बनकर उभरे। मुख्यमंत्री ने कहा कि भविष्य की नीति के अंतर्गत ईवी पॉलिसी में सरकार का प्राथमिक ध्यान वित्तीय प्रोत्साहन पर है। पेट्रोल-डीजल (आईसीई) वाहनों और इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतों के बीच जो बड़ा अंतर है, उसे कम करने के लिए सरकार पर्याप्त सब्सिडी प्रदान करेगी। इसके अलावा दिल्ली सरकार ने ईवी वाहन खरीदने के लिए रोड टैक्स और पंजीकरण शुल्क को पहले से ही समाप्त कर दिया है, जिससे नई गाड़ी खरीदना काफी सस्ता हो जाएगा। मुख्यमंत्री का कहना है कि लोग अपने पुराने वाहनों के निपटान को लेकर चिंता जाहिर करते हैं कि अगर उन्होंने ईवी वाहन खरीद लिया जो उनके पुराने वाहनों का क्या होगा। मुख्यमंत्री के अनुसार इसके लिए हमारी सरकार ने पुराने वाहनों के लिए 'स्क्रैपिंग' प्लान बनाया है। सरकार प्रदूषण फैलाने वाले पुराने वाहनों को सड़कों से हटाने के लिए 'स्क्रैपिंग इंसेंटिव' योजना ला रही है। यदि कोई नागरिक अपना पुराना पेट्रोल या डीजल वाहन कबाड़ (स्क्रैप) करता है, तो उसे नया ईवी वाहन खरीदने पर अतिरिक्त आर्थिक लाभ मिलेगा। यह सिस्टम दिल्लीवासियों को ईवी वाहन खरीदने के लिए प्रोत्साहित करेगा।

10 महीनों में एक लाख से ज्यादा ईवी हुए रजिस्टर्ड : डॉ. पंकज

नई दिल्ली। हमारी सरकार के लगातार पॉलिसी एक्शन और सख्त कार्रवाई से अब जमीनी स्तर पर असर साफ तौर पर दिखाई देने लगा हैं। पिछले साल जहां दिल्ली में लगभग 80 हजार इलेक्ट्रिक वाहन (ईवी)रजिस्टर्ड हुए थे, वहीं हमारी सरकार बनने के बाद फरवरी 2025 से लेकर अब तक 10 महीनों में एक लाख से ज्यादा इलेक्ट्रिक वाहनों के रजिस्टर्ड हो चुके हैं और अभी साल खत्म नहीं हुआ है। इस बात की जानकारी शनिवार को दिल्ली के परिवहन मंत्री डॉ. पंकज कुमार सिंह ने दी है। मंत्री सिंह ने शनिवार को प्रेसवार्ता में कहा कि पिछली सरकार के दौरान ईवी सब्सिडी लागू करने में खामियों के चलते EV अपनाने की गति राजधानी दिल्ली में बेहद धीमी हो गई थी।

निगम ने ग्रैप 4 के दौरान की निर्माण स्थलों पर कार्रवाई

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने कमीशन फॉर एयर क्वालिटी मैनेजमेंट (सीक्यूएम) के निर्देशों और नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) के आदेशों के अनुसार, पूरे दिल्ली में वायु प्रदूषण से निपटने के लिए अपने प्रयासों को तेज कर दिया है। ग्रेडेड रिस्पांस एक्शन प्लान 4 (ग्रैप 4) के उल्लंघन के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करते हुए, निगम ने पिछले एक हफ्ते में निर्माण और तोड़फोड़ प्रतिबंधों के उल्लंघन के लिए करीब 34 लाख रुपये के चालान काटे हैं। बता दें कि ग्रैप 4 अवधि के दौरान दिल्ली में निर्माण और तोड़फोड़ की गतिविधियां सख्ती से प्रतिबंधित हैं।

कड़ाके की सर्दी-कोहरे ने बढ़ाई परेशानी, 100 से ज्यादा उड़ानों पर पड़ा असर, पारा 6 डिग्री दर्ज

नई दिल्ली। कड़ाके की सर्दी और सघन कोहरे ने दिल्ली वालों की परेशानी बढ़ा दी है। न्यूनतम पारा लुढ़ककर 6.1 डिग्री दर्ज हुआ। जबकि घने कोहरे व स्मॉग की चादर में लिपटी दिल्ली में सुबह विजिबिलिटी 200 मीटर तक घटने से 100 से अधिक हवाई उड़ाने बुरी तरह प्रभावित हुई। दर्जनों रूट की रेलगाड़ियां अपने निर्धारित समय से कई कई घंटे दी से आवागमन कर ही है। वहीं कोहरे के कारण दिल्ली का यातायात भी बुरी तरह प्रभावित हुआ। सुबह ड्यूटी टाइम पर स्कूल से लेकर काम धंधे पर जाने वाले लोगों के सामने कोहरा परेशानी की दीवार बनकर खड़ा नजर आया। प्रादेशिक मौसम विज्ञान केंद्र दिल्ली (आईएमडी) के अनुसार पालम क्षेत्र में शुक्रवार व शनिवार की देर रात दो बजे कोहरा छाने लगा। जिसके बाद शनिवार सुबह 8:30 बजे पालम में विजिबिलिटी घटकर 200 मीटर और सफदरजंग में 350 मीटर रही। जबकि आईजीआई एयरपोर्ट पर सुबह 6:30 से 8:30 बजे के बीच विजिविलिटी 400 मीटर रही। हालात यह रहे कि दोपहर के 12 बजे भी राजधानी में कोहरे का साम्राज्य स्थापित रहा। कोहरे के कारण आईजीआई एयरपोर्ट पर विजिबिलिटी बेहद कम होने से प्रक्रिया लागू की गई। क्यों कि हवाई उड़ानों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। खबर है कि आईजीआई एयरपोर्ट पर लगभग 130 या इससे अधिक उड़ाने प्रभावित हुई, यानी इन्हें रदद ही करना पड़ा। वहीं दूसरी तरफ आईएमडी के अनुसार शनिवार को न्यूनतम तापमान महज 6.1 डिग्री दर्ज हुआ जो शुक्रवार को 9 डिग्री की तुलना में एकाएक 3 डिग्री की भारी गिरावट दर्शाता है। इसके अलावा रिज एरिया का न्यूनतम तापमान महज 5.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज हुआ, जो सामान्य से 2.8 डिग्री नीचे है। आईएमडी ने ताजा अनुमान बताते हुए ऑरेंज चेतावनी के रूप में कहा है कि रविवार की सुबह बहुत घना कोहरा होने की प्रबल संभावना बन रही है। कुछ जगहों पर अत्याधिक सर्दी दर्ज हो सकती है।

निर्माण कार्य में लगे लाखों प्रवासी हुए बेरोजगार आर्थिक सहायता देने में सरकार नाकाम: यादव

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने दिल्ली में निर्माण कार्यों पर लगी रोक से बरोजगार हुए मिस्त्री व मजदूरों के सामने बेरोजगारी खड़ी होने का मुददा उठाया है। यादव ने शनिवार को कहा कि प्रदूषण नियंत्रण में पूरी तरह असफल होने के कारण दिल्ली में ग्रेप-4 लागू है। जिसमें अन्य रोक के साथ ही निर्माण कार्यों पर भी लगी रोक के बाद तकरीबन 10 लाख प्रवासी मजदूरों को सरकार की तरफ़ से अभी तक आर्थिक सहायता देने में भी नाकाम साबित हो रही है। आर्थिक सहायता न मिलने से निर्माण कार्यों में लगे लाखों लोगों के सामने आजीविका का संकट गहरा गया है। उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश, बिहार, उत्तराखंड, झारखंड और अन्य राज्यों से दिल्ली में रह रहे निर्माण श्रमिक अब आजीविका के लिए कड़ा संघर्ष कर रहे हैं। वह कड़ाके की ठंड में श्रमिक चौक पर अपने बच्चों को दो वक्त का खाना खिलाने के जुगाड़ में घंटों इंतजार कर रहे हैं। लेकिन प्रदूषण के कारण दिल्ली में ग्रेप 4 लागू है जिसके चलते निर्माण कार्य बंद है। यादव ने कहा कि दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता की सरकार जहां प्रदूषण नियंत्रण में पूरी तरह फेल साबित हो गई। वहीं ग्रेप-4 लागू होने से निर्माण कार्यों पर लगी रोक के चलते मजदूरों के सामने आजीविका का संकट गहरा गया है। जबकि रेखा सरकार आर्थिक सहायता के रूप में 10 हजार रुपये देने की घोषणा करने के बाद भी पैसे नहीं दे रही है। सरकार ने लगभग अनपढ़ मजदूरों को ऑनलाईन पंजीकरण के लिए बोल रही है। उन्होंने कहा कि मैं मुख्यमंत्री से कहना चाहता हूं कि जिन मजदूरों का पंजीकरण सरकार के पास है, उनको भी पंजीकरण करने के लिए क्यों कहा जा रहा है। सरकार उनके खाते में तुरंत 10 हजार रुपये क्यों नहीं डाल रही।

विश्व हिन्दू महासंघ की अहम बैठक के बाद नई जिम्मेदारियों की घोषणा

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

विश्व हिन्दू महासंघ की राष्ट्रीय कोर कमेटी की महत्वपूर्ण बैठक में संगठन के विस्तार और मजबूती को लेकर सर्वसम्मति से बड़े निर्णय लिए गए। अहम बैठक के बाद संगठन की तरफ से योग्य सदस्यों को दी गई नई जिम्मेदारियों की घोषणा की गई। इस अवसर पर विश्व हिन्दू महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष व श्री कालिका पीठाधीश्वर महंत सुरेन्द्र नाथ अवधूत ने मीडिया को जानकारी देते हुए बताया कि राष्ट्रीय कार्यकारिणी अध्यक्ष के रूप में योगी तेजपाल सिंह को अहम जिम्मेदारी दी गई है। जबकि राष्ट्रीय संगठन मंत्री पद की विक्रम गोस्वामी को जिम्मेदारी दी है। इस मौके पर राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महामंडलेश्वर स्वामी जलेश्वरानंद गिरि, महामंडलेश्वर स्वामी सत्यानंद गिरि व शुभेष शरमन सहित प्रभाष चंद्र, सचिन वशिष्ठ, सोमेश शर्मा, सुनील शर्मा, सुरेश दक्ष आदि मौजूद थे। अवधूत ने बताया कि यह नियुक्ति कोर कमेटी के सभी सदस्यों की सहमति और समर्थन से की गई, जिससे संगठन में उत्साह और ऊर्जा का संचार हुआ है। नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य केवल पद देना नहीं, बल्कि सनातन धर्म और हिन्दुत्व के मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाना है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि संगठन में कोई भी पद स्थायी नहीं होता, बल्कि जो कार्यकर्ता संगठन हित में निरंतर समर्पित भाव से कार्य करता है, वही आगे बढ़ता है। विश्व हिन्दू महासंघ राष्ट्र, धर्म और समाज के लिए कार्य करने वाला ऐसा संगठन है, जहाँ सेवा, त्याग और अनुशासन सर्वोपरि हैं।

विपक्ष मुद्दों पर बहस करें : डॉ. पंकज

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य एवं परिवहन मंत्री पंकज कुमार सिंह ने शनिवार को अपनी प्रेसवार्ता में विपक्ष पर तीखा प्रहार करते हुए कहा कि यदि विपक्ष को बहस करनी है, तो उसे व्यक्तिगत आरोप, महिला नेतृत्व पर आपत्तिजनक टिप्पणियों और पोस्टरबाजी के बजाय अपने कार्यकाल के के दौरान किए गए कार्यों पर बात करनी चाहिए। डॉ. पंकज ने कहा कि छोटी राजनीति और निराधार आरोपों से दिल्ली की जनता को गुमराह नहीं किया जा सकता। यदि विपक्ष ने वास्तव में दिल्ली की जनता के हित में काम किया होता, तो आज हालात कहीं बेहतर होते। दुर्भाग्य से, उनके लिए जनता नहीं, बल्कि केवल अपने राजनीतिक हित ही प्राथमिकता में रहे।उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि एक महिला मुख्यमंत्री को निशाना बनाकर की जा रही पोस्टरबाजी और टिप्पणियां न केवल दुर्भाग्यपूर्ण हैं, बल्कि पूरी तरह निंदनीय भी हैं।

पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश वर्मा ने दक्षिण दिल्ली की सड़कों का किया जमीनी निरीक्षण

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

लंबित कार्यों को गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करते हुए शीघ्र पूरा किया जाएगा। विशेष रूप से पैदल यात्रियों की सुरक्षा, सुचारू ट्रैफिक प्रवाह और सड़कों की दीर्घकालिक मजबूती जोर दिया जाए। यह बात शनिवार को गवर्नमेंट ऑन द व्हील्स तीन के तहत लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने अपने निरीक्षण के दौरान अधिकारियों से कही। गौरतलब है कि दिल्ली सरकार की पारदर्शिता, जवाबदेही और गुणवत्तापूर्ण बुनियादी ढांचे के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करते हुए पीडब्ल्यूडी मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शनिवार को गवर्नमेंट ऑन द

व्हील्स-तीन के तहत दक्षिण दिल्ली में सड़कों, चल रहे कार्यों और पूर्ण परियोजनाओं का व्यापक जमीनी निरीक्षण किया।यह निरीक्षण एमएसओ बिल्डिंग से सराय काले खां, आश्रम, लाजपत नगर, मूलचंद, बीआरटी रोड, चिराग दिल्ली, आईआईटी दिल्ली और आर.के. पुरम तक के रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण मार्गों पर किया गया। इस दौरान पीडब्ल्यूडी, दिल्ली जल बोर्ड और सिंचाई विभाग के वरिष्ठ अधिकारी मंत्री के साथ बस में मौजूद रहे, जिससे फाइलों पर आधारित रिपोर्टिंग के बजाय रीयल-टाइम जमीनी आकलन संभव हो सका। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने सड़क रीसर्फेसिंग की गुणवत्ता, चौराहों के सुधार कार्य, फुटपाथ, ड्रेनेज सिस्टम और ट्रैफिक मूवमेंट की गहन समीक्षा की। उन्होंने कई स्थानों पर रुककर पैदल उपमार्गों (पैदल सबवे), रिटेनिंग वॉल और सार्वजनिक सड़क दीवारों पर की गई पेंटिंग का भी निरीक्षण किया, जिससे शहरी बुनियादी ढांचे में कार्यक्षमता के साथ सौंदर्य पर सरकार के फोकस को रेखांकित किया गया।

बेघर लोगों के संरक्षण में दिल्ली सरकार नाकाम: डॉ नरेश

नई दिल्ली। दिल्ली में इन दिनों पड़ रही कड़ाके सर्दी के बीच प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने बेघरों की आवाज उठाई है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता डॉ.नरेश कुमार ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को ज्ञापन देकर कहा है कि राजधानी में बेघरों के लिए पर्याप्त संख्या में ठहरने के लिए रैन बसेरों की भारी कमी है। उन्होंने ज्ञापन की एक प्रति सूचना एवं आवश्यक कार्रवाई हेतु उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना को भी भेजी है। उन्होंने बताया कि ज्ञापन में लिखा है कि दिल्ली में 197 स्थायी और सर्दियों के लिए 204 अस्थाई रैन बसेरे ही उपलब्ध हैं, जो करोड़ों की आबादी वाली राजधानी के लिए बेहद कम है। डॉ नरेश ने कहा कि जो रैन बसेसे चल रहे है उनमें भी बिस्तर, कंबल, स्वच्छ पेयजल, शौचालय, प्रकाश व्यवस्था और चिकित्सा सुविधाओं जैसी बुनियादी जरूरतों का भारी अभाव है जिसके कारण बेघर सड़कों पर रात गुजारने को मजबूर है। उन्होंने इसे मानव गरिमा के खिलाफ बताते हुए मांग की है कि रैन बसेरों की संख्या में तत्काल वृद्धि की जाए। सभी स्थायी एवं अस्थायी रैन बसेरों में बुनियादी सुविधाओं की पूर्ण व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। प्रवक्ता ने कहा कि ठंड कोई अचानक आने वाली आपदा नहीं है, इसके बावजूद समय रहते पर्याप्त तैयारी न करना दिल्ली सरकार की घोर लापरवाही है।

सफाई कार्य केवल कागजों तक सीमित नहीं होना चाहिए : महापौर

हरिभूमि न्यूज ⏭ नई दिल्ली

दिल्ली नगर निगम (एमसीडी) में सफाई कार्य केवल कागजों तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि ज़मीन पर उसका असर दिखना चाहिए। दिल्ली नगर निगम के महापौर सरदार राजा इक़बाल सिंह ने शनिवार को गोकलपुर ड्रेन के निरीक्षण के दौरान अधिकारियों को निर्देश यह निदेश दिए। उन्होंने कहा कि नालों की सफाई में किसी भी प्रकार की लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी और इसके लिए जिम्मेदार अधिकारियों की जवाबदेही तय की जाएगी। प्रत्येक संबंधित विभाग समयबद्ध, नियमित और गुणवत्ता आधारित सफाई सुनिश्चित करे। यदि किसी भी स्तर पर कोताही पाई गई, तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छ वातावरण जनता का अधिकार है और इसे हर हाल में सुनिश्चित किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान विधायक अजय महावर, डेम्स कमेटी के चेयरमैन संदीप कपूर, पार्षद रेखा रानी एवं प्रीति गुप्ता, अतिरिक्त आयुक्त लीलाधर मेघवाल, निगम उपायुक्त अभिषेक मिश्रा सहित नगर निगम एवं दिल्ली सरकार के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

सिविल लाइंस जोन में अवैध मीट दुकानों पर सख्त कार्रवाई

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के मुख्यालय में आयोजित होने वाली बैठकों में सिविल लाइंस जोन में अवैध मीट की दुकानों का कई बार मामला उठाने के बाद निगम का सिविल लाइंस जोन हरकत में आ गया। सिविल लाइन जोन के अध्यक्ष गुलाब सिंह राठौर ने बताया कि जोन के सभी वार्डों में अवैध मीट की दुकानों और अवैध अतिक्रमण पर लगातार एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में हाल ही में निगम के जन स्वास्थ्य विभाग की टीम ने थाना महिंद्रा पार्क क्षेत्र के अंतर्गत सराय पीपल थला और आदर्श नगर सर्विस रोड पर अवैध मीट दुकानों के खिलाफ कार्रवाई की। कार्रवाई के दौरान जहां-जहां अवैध रूप से मीट की दुकानें संचालित पाई गईं, वहां निगम की टीम ने दुकानों को तोड़ते हुए मौके से सामान जब्त किया। मौके पर अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ आगे भी इसी तरह की सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

भाजपा फरीदाबाद महानगर की जिला कार्यकारिणी की बैठक में बोले गुर्जर

कार्यकर्ता संगठनात्मक एवं जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

भारतीय जनता पार्टी फरीदाबाद महानगर की जिला कार्यकारिणी बैठक का आयोजन शनिवार को प्याली चौक स्थित होटल शगुन गार्डन में किया गया।

बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सोहन पाल सिंह ने की। बैठक में केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्ण पाल गुर्जर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उनके साथ जिला प्रभारी कमल यादव, बल्लभगढ़ विधायक पंडित मूलचंद शर्मा, एनआईटी विधायक सतीश फागना, पूर्व मंत्री सीमा त्रिखा, पूर्व विधायक पृथला टेकचंद शर्मा, नगर निगम मेयर श्रीमती प्रवीण बत्रा जोशी, नीरा तोमर, हुकम सिंह भाटी, गोपाल शर्मा, विजय लोहिया, बलदेव अलावलपुर, विजेंद्र नेहरा, जिला महामंत्री अनुराग गर्ग, कविन्द्र चौधरी, जिला मीडिया प्रभारी राजेश कौशिक और जिला सह मीडिया प्रभारी की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक में संगठन की मजबूती, आगामी कार्यक्रमों तथा जनसंपर्क अभियानों को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। मुख्य अतिथि कृष्ण पाल गुर्जर ने कार्यकर्ताओं को संगठनात्मक अनुशासन एवं जनसेवा के कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। बैठक में फरीदाबाद महानगर के सभी पदाधिकारी, जिला कार्यकारिणी, मंडल अध्यक्ष, मोर्चा के पदाधिकारी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

डकैती करने की योजना बनाने वाला गिरफ्तार

गुरुग्राम। पुलिस ने डकैती करने की योजना बनाने के मामले में पिछले पांच साल से फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ झज्जर, दिल्ली, रेवाड़ी व गुरुग्राम में कुल दस केस दर्ज हैं। डीसीपी मानेसर दीपक कुमार के गुर्जर चौकी प्रभारी के नेतृत्व में हेड कांस्टेबल भीम, सिपाही सतेंद्र, नरेंद्र व अमित ने कार्रवाई करते हुए आरोपी रोहित उर्फ लांडा निवासी बोहड़ा खुर्द को काबू कर लिया।

पानी की टोंटी को लेकर विवाद, जमकर मारपीट

फरीदाबाद। गांव गोंछी स्थित जीवन नगर में पानी की टोंटी को लेकर दो पड़ोसी परिवारों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद ने मारपीट का रूप ले लिया, जिसमें एक व्यक्ति के सिर में और एक महिला के हाथ में चोट आई है। दोनों घायल एक ही परिवार से हैं। जीवन नगर के राजेन्द्र ने बताया कि उनकी गली से सरकारी जल आपूर्ति की पाइपलाइन गुजरती है।

अलग-अलग मामलों में दो चोर गिरफ्तार

फरीदाबाद। फरीदाबाद पुलिस ने अलग-अलग मामलों में दो वाहन चोरों को गिरफ्तार कर 2 चोरी की मोटरसाईकिल बरामद की हैं। पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि थाना ओल्ड में एक मोटरसाईकिल चोरी की शिकायत प्राप्त हुई थी। जिस पर कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा एवीटीएस-2 की टीम ने मनीष निवासी ओल्ड फरीदाबाद को चोरी की मोटरसाईकिल सहित खेडी पुल एरिया से गिरफ्तार किया है।

जीडीए की नई हरनंदीपुरम योजना को मिलेगी रफ्तार : उपाध्यक्ष कलाल

आपसी सहमति से लगभग 50 हेक्टेयर जमीन का बैनामा प्राधिकरण के पक्ष में संपन्न

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

जीडीए (गाजियाबाद विकास प्राधिकरण) की नई हरनंदीपुरम योजना लगातार रफ्तार पकड़ रही है। अभी तक जीडीए अधिकारियों की सुलझी हुई नीति के चलते आपसी सहमति से लगभग 50 हेक्टेयर जमीन का बैनामा प्राधिकरण के पक्ष मे संपन्न हो चुका है, जबकि 115 हेक्टेयर क्रय की प्रक्रिया चल रही है। शनिवार को जीडीए उपाध्यक्ष नंद किशोर कलाल ने प्राधिकरण के भू-अर्जन की समीक्षा की।

बैठक के बाद उन्होंने कहा कि गाजियाबाद दिल्ली सीमा से लगा उत्तर प्रदेश का प्रमुख प्रवेश द्वार है। आने वाले समय में सुनियोजित विकास की नई मिसाल बनेगा। उन्होंने बताया कि प्राधिकरण का मुख्य फोकस लैंड बैंक विकसित करने पर है, जिसके तहत नई हरनंदीपुरम योजना को प्राथमिकता के आधार पर आगे बढ़ाया जा रहा है। उपाध्यक्ष ने जानकारी दी कि हरनंदीपुरम योजना के लिए कुल लगभग 501 हेक्टेयर भूमि का क्रय प्रस्तावित है, जिसे दो चरणों में क्रियान्वित किया जाएगा। प्रथम चरण के अंतर्गत अब तक 50 हेक्टेयर भूमि का बैनामा प्राधिकरण के पक्ष में संपन्न हो चुका है, जबकि लगभग 115 हेक्टेयर भूमि का क्रय प्रक्रिया में है। भूमि क्रय की प्रक्रिया

को और तेज करने के लिए अधिकारियों की प्रतिदिन समीक्षा की जा रही हैं। उन्होंने बताया कि किसानों से संवाद को सरल और पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से एक समर्पित वेबसाइट भी लॉन्च की गई है। जिससे भूमि क्रय से जुड़ी समस्त जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है। उपाध्यक्ष ने उम्मीद जताई कि शेष भूमि के बैनामे भी शीघ्र पूरे कर लिए जाएंगे। कलाल ने कहा कि प्रथम चरण के अंतर्गत सेटेलाइट सर्वे (टोपोग्राफिकल सर्वे) सहित योजना का लेआउट अगले तीन महीनों में तैयार कर लिया जाएगा, जिसके पश्चात जमीन पर विकास कार्य प्रारंभ कर दिया जाएगा। हरनंदीपुरम योजना के माध्यम से गाजियाबाद के सुनियोजित शहरी विकास को नई दिशा मिलेगी।

आरडब्ल्यूए सेक्टर 37 ने लोगों को दिया शूटिंग एकेडमी का तोहफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

शनिवार को सेक्टर 37 में एकलव्य 37 शूटिंग स्पोर्ट्स एकेडमी का शुभारंभ कम्युनिटी सेंटर में एसोसिएशन के प्रधान आई डी शर्मा एवं आरडब्ल्यूए की वरिष्ठ उप प्रधान आशा शर्मा तथा समस्त कार्यकारिणी की उपस्थिति में एसीपी सराय ख्वाजा संजीव यादव द्वारा किया गया।

इस उद्घाटन के अवसर पर एस एच ओ सराय ख्वाजा राकेश मलिक, एसोसिएशन के पदाधिकारी प्रवीण चौहान, मीना गर्ग, सुशील यादव, पंकज गोयल, मुकेश मल्होत्रा, मुकेश शर्मा, एस एन मिश्रा, पंकज शर्मा, नंदा शर्मा, गीता शर्मा, संतोष सिंगला, बीबी शर्मा, लाला ब्रह्म प्रकाश, लाला सुरेंद्र गुप्ता, रणबीर बिधूरी, ईश्वर सिंह, एयर वाइस मार्शल के एस मेहता, केदारनाथ , बिरम सिंह समेत सेक्टर के अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। इस एकेडमी में स्पोर्ट्स अथॉरिटी आप इंडिया के कोच विशाल चौधरी शूटिंग की ट्रेनिंग देंगे। आई डी शर्मा एवं श्रीमती आशा शर्मा ने बताया कि आरडब्ल्यूए नें पिछले वर्ष लोगों को लाइब्रेरी का तोहफा दिया था।

बच्चा गंभीर रूप से घायल, डंपर ने बाइक को टक्कर मारी

दिल्ली-वडोदरा-मुंबई एक्सप्रेस-वे पर हादसे में भाई-बहन की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे पर कैली गांव के पास शुक्रवार देर शाम एक सड़क हादसे में तेज रफ्तार डंपर ने बाइक को टक्कर मार दी, जिसमें बाइक सवार भाई और बहन की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि महिला का बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल बच्चे को बेहतर इलाज के लिए दिल्ली के हायर सेंटर रेफर किया गया है।

पुलिस के मुताबिक हादसा कैली गांव के पास एक्सप्रेसवे पर हुआ। गांव चंदावली के रहने वाले नवीन और उसकी बहन नेहा बाइक पर सवार होकर गांव की तरफ आ रहे थे। बाइक पर उनके साथ नेहा का बेटा लव भी था। पिता हरीश कुमार ने बताया कि उनकी बेटी नेहा की शादी गांव कालीका निवासी दीपक के साथ हुई थी। नेहा पिछले दो-तीन दिनों से मायके आई हुई थी। गुरुवार को वह किसी काम से अपने छोटे भाई 22 वर्षीय नवीन के साथ बाइक पर ससुराल गई थी। शुक्रवार शाम नवीन अपनी बहन नेहा और उसके बेटे लव को लेकर चंदावली लौट रहा था। इस हादसे में मौके पर ही नवीन और नेहा की मौत हो गई। जबकि नेहा का बेटा लव घायल हो गया। जिसको इलाज के लिए बीके अस्पताल लेकर जाया गया। जिसको हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया गया। हादसे में जान गंवाने वाली महिला और युवक आपस में भाई-बहन थे और गांव चंदावली के रहने वाले थे। दोनों एक ही बाइक पर सवार होकर घर लौट रहे थे। सेक्टर-58 थाना प्रभारी विनोद कुमार का कहना है कि डंपर चालक को गिरफ्तार कर लिया गया।

फरीदाबाद में ठंड का कहर शुरू, लोगों ने अलाव जलाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

शनिवार को फरीदाबाद में ठंड का कहर शुरू हो गया। जिले में लगातार धुंध पड़ने के कारण आमजन का जीवन बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। धुंध के चलते विजिबिलिटी 10 मीटर तक रही। जिसके चलते रोड़ पर चलने वाले वाहनों की गति भी धीमी रही। शहर के अपेक्षा ग्रामीण इलाकों में धुंध काफी ज्यादा पड़ रही है। पिछले 4 दिनों के मुकाबले आज का न्यूनतम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस सबसे कम रहा है। फरीदाबाद में सुबह से धुंध पड़नी शुरू हो गई। जिसके कारण विजिबिलिटी 10 मीटर दस मीटर तक ही सिमट कर रह गई। शहर में आज का सबसे कम तापमान 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग के द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार इसके 23 डिग्री सेल्सियस तक जाने की उम्मीद लगाई जा रही है। जिले में अभी स्कूलों मे सर्दी की छुट्टी घोषित नहीं की गई है। इसलिए स्कूली बच्चे कड़ाके की ठंड में स्कूल बसों में जाते हुए दिखाई दिए।

गुस्साए व्यापारियों ने किया हंगामा

पुलिस बूथ के नजदीक दुकान पर बैठे व्यापारी की दिन दहाड़े गोली मारकर हत्या

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

मुरादनगर कस्बे के पुलिस बूथ के नजदीक की ओलिंपिक तिराहे पर शनिवार को हथियारबंद बदमाशों ने दिनदहाड़े एक व्यापारी की उस समय गोली मारकर हत्या कर दी जब वह अपनी दुकान पर बैठा हुआ था। घटना स्थल पर दिनदहाड़े गोलियां चलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल शुरू कर दी।

पुलिस अभी तक हत्यारों को पकड़ नहीं सकी है। इस घटना के बाद मुरादनगर के व्यापारियों में दहशत का माहौल है। गुस्साए व्यापारियों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की। मरने वाले व्यापारी का नाम इमरान (49 वर्ष) है। वह शनिवार की दोपहर को करीब ढाई बजे अपनी दुकान पर बैठा हुआ था। तभी हथियारो से लैस बदमाश वहां पहुंचे और इमरान को गोली मार दी। गोली लगने से व्यापारी की मौके पर ही मौत हो गई। गोली मारने के बाद हमलावर हथियार लहराते हुए मौके से फरार हो गया। जिस जगह वारदात हुई उसके कुछ ही दूरी पर पुलिस बूथ स्थित है। दिनदहाड़े हुए हत्या के बाद बाजार के व्यापारियों ने मौके पर जाकर हंगामा किया। गुस्साए व्यापारियों ने पुलिस के खिलाफ नारेबाजी करते हुए दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की।

डीईईओ बसंत कुमार ने संभाला कार्यभार, कहा- बिना मान्यता के स्कूलों पर कार्रवाई की जाएगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

फरीदाबाद जिले में जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी के रूप में बसंत कुमार ने अपना पदभार ग्रहण कर लिया है। पदभार संभालते ही उन्होंने साफ किया कि जिले में बिना मान्यता के चल रहे स्कूलों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी और शिक्षा निदेशालय के आदेशों का पूरी तरह पालन कराया जाएगा। साथ ही उनकी प्राथमिकता सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध कराना होगी। बसंत कुमार ने कहा कि सरकारी स्कूलों में शिक्षा के स्तर को कैसे और अधिक बेहतर बनाया जा सकता है, इस पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। विद्यार्थियों की पढ़ाई, सुविधाओं और शैक्षणिक माहौल को सुधारने के लिए ठोस कदम उठाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि छात्र हित ही विभाग का मुख्य लक्ष्य है और सभी निर्णय विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखकर लिए जाएंगे। जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि स्कूलों में अच्छा और सकारात्मक वातावरण विद्यार्थियों का मनोबल बढ़ाता है। फिलहाल उन्होंने जिले का चार्ज संभाला है और जल्द ही फरीदाबाद के सरकारी स्कूलों का निरीक्षण करेंगे। निरीक्षण के दौरान स्कूलों में मौजूद कमियों, संसाधनों की स्थिति और शिक्षण व्यवस्था की समीक्षा की जाएगी।

अवैध नशा तश्करों पर फरीदाबाद पुलिस का प्रहार

1 दिन में फरीदाबाद पुलिस ने 3.87 किलो गांजा, 4.55 ग्राम स्मैक, बरामद की

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

हरियाणा पुलिस द्वारा 1 दिसंबर से ऑपरेशन हॉटस्पॉट डोमिनेशन चलाया जा रहा है। जिसके अंतर्गत अवैध नशा, अवैध हथियार, शराब, जुआ, सट्टा, संगीन अपराधियों पर पुलिस द्वारा कार्रवाई की जा रही है।

इस ऑपरेशन को सफल बनाने में फरीदाबाद पुलिस की भी सक्रिय भूमिका है, 19 दिसंबर को फरीदाबाद पुलिस ने एक दिन में 3.870 किलोग्राम गांजा, 4.55 ग्राम स्मैक व 112 बोतल शराब बरामद की है।

पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 19 दिसंबर को क्राईम ब्रांच डीएलएफ की टीम ने नगेंद्र मिश्रा निवासी

ओल्ड फरीदाबाद को 2 किलोग्राम गांजा सहित पुरानी सब्जी मंडी ओल्ड फरीदाबाद तथा अखिलेश मिश्रा निवासी सेक्टर 29 फरीदाबाद को 1.870 किलोग्राम गांजा सहित दशहरा ग्राउण्ड सेक्टर 31 एरिया से गिरफ्तार किया है, वहीं क्राईम ब्रांच एनआईटी की टीम ने धर्मेंद्र साहू निवासी एनआईटी-3 को 4.55 ग्राम स्मैक सहित दशहरा ग्राउण्ड से गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार अवैध शराब पर कार्रवाई करते हुए थाना सूरजकुंड की टीम ने एक स्कूटी से 60 बोतल देसी व 12 बोतल अंग्रेजी शराब बरामद की है। वहीं थाना खेड़ीपुल की टीम ने कृष्ण निवासी घोड़ी जिला पलवल हाल भारत कॉलोनी नहर पर को 56 पव्वा देसी शराब सहित गिरफ्तार किया है।

पुलिस चौकी अग्रसेन की टीम ने कार्यवाही करते हुए कृष्ण कुमार निवासी रघुवीर कॉलोनी बल्लभगढ़ को 12 बोतल अंग्रेजी व 4 पव्वा देसी सहित सेक्टर 64 सी तथा मुकेश निवासी तिरखा कॉलोनी बल्लभगढ़ को 52 पव्वा देसी शराब सहित सेक्टर दो बल्लभगढ़ से गिरफ्तार किया है।

बढ़ती ठंड में निराश्रित गोवंशों को गौशाला ला रहा नगर निगम

खुले में गोवंशों को छोड़ने वालों पर सख्ती,वसूला 13 लाख का जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

नगर निगम लगातार निराश्रित गोवंशों को गौशाला नंदिनी पार्क लाने का कार्य कर रहा है। जिसके क्रम में रोस्टर के अनुसार पांचो जोन में अभियान के रूप में कार्यवाही की जा रही है। इसी के साथ ऐसे पशुपालक जो गोवंश को प्रतिदिन सड़कों पर छोड़ देते हैं और शाम होते ही घर ले जाते हैं । उन पर भी कड़ी कार्यवाही निगम कर रहा है।

तीन माह में लगभग ढाई लाख की वसूली भी की गई है। उप मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ अनुज ने बताया कि वित्तीय वर्ष में लगभग 12 लाख 74 हजार की वसूली पालतू गोवंशों को सड़क पर छोड़ने वालों से की जा चुकी है डॉ. अनुज ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम द्वारा नंदिनी पार्क गौशाला में 1800 से अधिक गोवंशों की देखभाल की जा रही है, ठंड से बचाव के लिए गौशाला में तिरपाल की व्यवस्था, अलाव की व्यवस्था की जा रही है तथा अधिक मात्रा में अच्छा चारा खिलाया जा रहा है। सड़कों पर निराश्रित घूम रहे गोवंशों को भी नंदिनी पार्क गौशाला में लाया जा रहा है। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक ने जहां टीम को अभियान चलाते हुए निराश्रित गोवंशों को गौशाला में लाने के लिए निर्देशित किया गया है। वही पशुपालकों को भी अपने गोवंश को सड़कों पर न छोड़ने की अपील की जा रही है यदि पशुपालक के द्वारा गोवंश को सड़कों पर छोड़ा जाता है और अभियान में गोवंश को गौशाला ले जाया जाता है।

महिला दरोगा व सिपाही 50 हजार की रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ गाजियाबाद

मेरठ एंटी करप्शन टीम ने शनिवार को दहेज उत्पीड़न के मामले में नाम हटाने की आवाज में 50हजार रुपये की रिश्वत मांगने वाले पिंक बूथ प्रभारी महिला दरोगा व एक कांस्टेबल को रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। इस दौरान एक दरोगा एंटी करप्शन की टीम के हाथों से फैसल कर भाग गया। एंटी करप्शन सूत्रों के मुताबिक मुरादनगर थाने में एक खड़खड़ी हापुड़ निवासी रजनीश त्यागी व उनके परिजनों के खिलाफ दहेज उत्पीड़न का मुकदमा कायम हुआ था। जिसमें उसके माता और पिता का नाम भी था। पीड़ित युवक ने बताया कि अपने माता-पिता का नाम हटाने के लिए पिंक दो पिक भूत प्रभारी प्रिया वर्मा तथा कांस्टेबल शाहिद उससे 2लाख रुपये की मांग कर रहे थे। जिसमें 50हजार में मामला तय हो गया था लेकिन इसकी सूचना एंटी करप्शन को दी और एंटी करप्शन टीम ने जाल बेचकर आज प्रिया वर्मा व शहीद को गिरफ्तार कर लिया।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 सीआरपीसी / 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **धरमबीर उर्फ बुटला, पुत्र अमरिका निवासी डब्ल्यू-21/67, आर/4, मायापुरी, इंडस्ट्रियल एरिया, फेस-2, पश्चिमी दिल्ली** ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 560/2023 भा.द.सं. की धारा 411 के तहत, थाना कीर्ति नगर, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गये गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया है कि उक्त अभियुक्त **धरमबीर उर्फ बुटला** मिल नहीं रहा है और समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया है कि उक्त अभियुक्त **धरमबीर उर्फ बुटला** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है **कि प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 560/2023 भा.द.सं. की धारा 411 के तहत, थाना कीर्ति नगर, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **धरमबीर उर्फ बुटला** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **21.01.2026** को या उससे पूर्व हाजिर हो।

आदेशानुसार
सुश्री वसुन्धरा आजाद
मुख्य न्यायिक दण्डाधिकारी पश्चिम जिला, कमरा नं.146
प्रथम तल, तीस हजारी कोर्ट्स, दिल्ली
DP/17032/WD/2025

दुकानदार ने बनाई थी योजना, वारदात में प्रयोग पल्सर मोटरसाइकिल बरामद

सेल्समैन लूट मामला: क्राइम ब्रांच सेक्टर 48 की टीम ने अलीगढ़ व फरीदाबाद से आरोपियों को किया काबू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

पर्वतीय कॉलोनी मार्केट में 17 दिसंबर की सुबह हुई करीब डेढ़ लाख रुपए की लूट साजिश का खुलासा करते हुए पुलिस की अपराध शाखा सेक्टर-48 ने तीन आरोपियों को अलीगढ़ से व एक को फरीदाबाद से गिरफ्तार किया है। मामले का खुलासा शनिवार को पुलिस लाइन सेक्टर-30 में आयोजित प्रेस कांफ्रेंस के दौरान क्राइम एसीपी वरुण कुमार दहिया ने किया। एसीपी वरुण कुमार दहिया ने बताया कि चमन निवासी फरीदपुर ने थाना सारन में शिकायत दर्ज कराई थी।

शिकायतकर्ता कनफेक्शनरी का सामान फरीदाबाद की दुकानों पर सप्लाई करने और उनसे पेमेंट रिकवरी का काम करता है। 17 दिसंबर की सुबह वह पर्वतीय कॉलोनी मार्केट में दुकानों से पैसे लेने गया था। चाचा चौक स्थित सोनिया चौक पर कन्हैया लाल की दुकान से उसने 21,200 रुपए लिए और उन्हें अपने बैग में रख लिया।

इसके बाद जैसे ही वह आगे बढ़ा, गली में पहले से बाइक पर सवार तीन युवकों ने उसे घेर लिया। दो युवकों ने हथियार दिखाकर उसका बैग छीन लिया, जिसमें करीब डेढ़ लाख रुपए की नकदी थी और मौके से फरार हो गए। पुलिस ने तकनीकी सहायता और घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान की। 19 दिसंबर को पुलिस ने तारिक मलिक निवासी वाजिद राज नगर जिला अलीगढ़, जुबेर निवासी जीवन नगर अलीगढ़ और गनी उर्फ अली निवासी जीवन नगर अलीगढ़ को गिरफ्तार किया।

पूछताछ में आई हकीकत सामने

पुलिस पूछताछ में सामने आया कि तारिक मलिक और दुकानदार रोहित उर्फ कन्हैया इस लूट के मुख्य साजिशकर्ता हैं। रोहित वही दुकानदार है, जिसकी दुकान से शिकायतकर्ता ने घटना से ठीक पहले अंतिम पेमेंट ली थी। जांच में पता चला कि तारिक पहले फरीदाबाद के सरूरपुर इलाके में किराए पर रहता था जहां उसकी पहचान रोहित से हुई थी। दोनों को पैसों की जरूरत थी, इसी कारण उन्होंने लूट की योजना बनाई। रोहित ने तारिक को शिकायतकर्ता की दिनचर्या की पूरी जानकारी दी और बताया कि 17 दिसंबर को वह उसकी दुकान पर पैसे लेने आएगा। योजना के तहत तारिक अपने साथी जुबेर और गनी के साथ 16 दिसंबर को ही पल्सर मोटरसाइकिल से फरीदाबाद पहुंच गया था। 17 दिसंबर की सुबह करीब 9.15 बजे तीनों आरोपी रोहित की दुकान के पास मोटरसाइकिल लेकर खड़े हो गए। जैसे ही शिकायतकर्ता पैसे लेकर आगे बढ़ाए तारिक और जुबेर ने हथियार के बल पर उसका बैग छीन लिया और फरार हो गए।

जजपा ने पूर्व सीएम ओमप्रकाश चौटाला की प्रथम पुण्यतिथि मनाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶ फरीदाबाद

जननायक जनता पार्टी ने शनिवार को प्रदेश भर में लौह पुरुष स्वर्गीय चौधरी ओमप्रकाश चौटाला की प्रथम पुण्यतिथि जिला कार्यालय पर पुष्प अर्पित करके मनाई। जन नायक जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष प्रदीप चौधरी के नेतृत्व में आज सेक्टर 65 जिला कार्यालय पर हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री स्वर्गीय चौधरी ओमप्रकाश चौटाला की प्रथम पुण्यतिथि मनाई गई। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉक्टर अजय चौटाला के आदेशानुसार पार्टी के सभी जिला कार्यालय पर आज स्वर्ग चौधरी ओमप्रकाश चौटाला की तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर पुण्यतिथि बनाने का कार्यक्रम रखा गया। इसके अलावा 22 दिसंबर को पार्टी हाई कमान का धन्यवाद दौरे को लेकर भी सभी साथियों विचार विमर्श किए गए। इस मौके पर जिला अध्यक्ष प्रदीप चौधरी, प्रदेश सचिव प्रेम सिंह धनखड़, जितेंद्र चौधरी, सुदेश ग्रोवर, रवि शर्मा, सूरत चौहान, ठाकुर, अमर सिंह दलाल, श्रवण त्यागी, विनय धतरवाल मौजूद रहे।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 CrPC देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **प्रेम गुप्ता पुत्र** आई.एल. गुप्ता, **निवासी** 215, तृतीय तल, टैगोर पार्क, मॉडल टाउन–I, दिल्ली, ने **FIR No. 94/2010, U/S 467/468/471/120B IPC, पुलिस स्टेशन सब्जी मंडी, उत्तर जिला, दिल्ली,** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किया गया गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **प्रेम गुप्ता** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **प्रेम गुप्ता** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 94/2010, U/S 467/468/471/120B IPC, पुलिस स्टेशन सब्जी मंडी, उत्तर जिला, दिल्ली,** के उक्त अभियुक्त **प्रेम गुप्ता** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **22.01.2026** को या इससे पहले हाज़िर हो।

आदेशानुसार
सुश्री प्रीति राजोरिया
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–07 (केंद्रीय)
कमरा नं0–32, तीस हजारी कोर्ट, दिल्ली
DP/17065/N/2025
(Court Matter)

खबर संक्षेप

रामगढ़ में हाथियों का आतंक, 2 की फिर मौत

रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ जिले में हाथियों का तांडव जारी है। हाथी ने दो और की जान ले ली। मृतकों में लोकनाथ मुंडा ,जबकि दूसरी मृतक काजल देवी रामगढ़ प्रखंड के कुंदरूकलां पंचायत में ईंट भट्ठे में काम करने आई थीं। बीते 56 घंटे के दौरान रामगढ़ छठी मौत है। हाथी ने मंगलवार को रामगढ़ के आरा सारूबेड़ा में दो महिलाओं समेत चार को पटककर मार डाला था।

लालू यादव की आखों का सफल ऑपरेशन

पटना। राजद सुप्रीमो और बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव की आंखों का ऑपरेशन शनिवार

को दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में सफलतापूर्वक किया गया। डॉक्टरों के मुताबिक, शनिवार सुबह उनकी बाईं आंख के मोतियाबिंद (कैटरेक्ट) का ऑपरेशन किया गया, जो पूरी तरह सफल रहा। ऑपरेशन के दौरान सांसद मीसा भारती उनके साथ मौजूद रहीं।

35 मामलों में वाटेंड नक्सली ने किया सरेंडर

लातेहार। झारखंड के लातेहार में 35 आपराधिक मामलों में वांटेड नक्सली ने पुलिस के सामने सरेंडर

कर दिया। मामले की जानकारी देते हुए अधिकारियों ने बताया कि आलोक यादव उर्फ चंद्रशेखर कुमार यादव बालूमाथ थाना क्षेत्र के भागिया गांव का निवासी है। अधिकारियों ने बताया कि आलोक प्रतिबंधित 'पीपुल्स लिबरेशन फ्रंट ऑफ इंडिया' का सक्रिय सदस्य था।

रामलला को न लगे ठंड, इसलिए राम मंदिर में लगाए गए ऑयल हीटर

अयोध्या में कड़ाके की ठंड को देखते हुए रामलला को विशेष सुरक्षा प्रदान की जा रही है। गर्भगृह और राम दरबार में ऑयल हीटर लगाए गए हैं।

एजेंसी ▶▶ अयोध्या

रामनगरी अयोध्या में कड़ाके की ठंड को देखते हुए राम जन्मभूमि मंदिर में विराजमान प्रभु रामलला को शीत से बचाने के लिए विशेष इंतजाम किए गए हैं। मंदिर प्रशासन और पुजारियों द्वारा रामलला की सेवा में मौसम के अनुरूप बदलाव किया गया है, ताकि बाल स्वरूप में विराजमान प्रभु को ठंड से सुरक्षित रखा जा सके।

गर्भगृह और राम दरबार में लगाए गए ऑयल हीटर

पूजा-अर्चना करने वाले पुजारियों के अनुसार, प्रभु रामलला और राजा राम को ठंड से बचाने के लिए राम मंदिर में दो नए ऑयल हीटर लगाए गए हैं। एक ऑयल हीटर मंदिर के भूमितल स्थित गर्भगृह में रामलला के लिए लगाया गया है, जबकि दूसरा मंदिर के प्रथम तल पर स्थित राम दरबार में राजा राम की सेवा के लिए

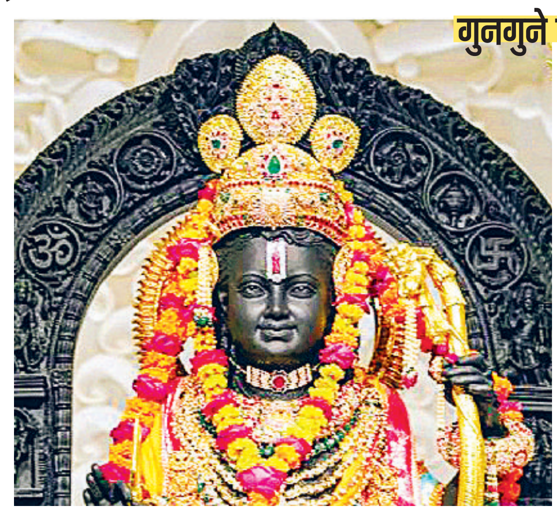

गुनगुने जल से स्नान, रात में ओढ़ाई रजाई

ठंड को देखते हुए प्रभु रामलला को प्रतिदिन गुनगुने जल से स्नान कराया जा रहा है। इसके साथ ही रात के समय रामलला को रजाई ओढ़ाई जाती है, ताकि शीतलहर का असर न पड़े। मंदिर में तापमान संतुलन बनाए रखने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

भोग में शामिल किए गए शीत ऋतु के व्यंजन

सर्द मौसम को ध्यान में रखते हुए प्रभु रामलला के भोग में भी बदलाव किया गया है। भोग में पूड़ी-सब्जी के साथ केसर युक्त दूध, देसी घी का हलवा परोसा जा रहा है। इसके अलावा रबड़ी और खुरचन के पेड़े का भी भोग अर्पित किया जा रहा है, जो ठंड में ऊर्जा प्रदान करने वाले माने जाते हैं।

अयोध्या में बढ़ी ठंड, कोहरा और शीतलहर का असर

अयोध्या में एक बार फिर कड़ाके की ठंड ने लोगों को ठिठुरा दिया है। शुक्रवार सुबह न्यूनतम तापमान गिरकर करीब 10 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। शहर और आसपास के क्षेत्रों में घना कोहरा छाया रहा, वहीं शीतलहर का प्रकोप लगातार बना हुआ है।

रामलला की सेवा में विशेष सतर्कता

मौसम की इस बेरुखी को देखते हुए राम मंदिर में विराजमान पांच वर्षीय बालक स्वरूप रामलला की सेवा में अतिरिक्त सतर्कता बरती जा रही है। पुजारी और सेवक प्रभु की दिनचर्या पर विशेष निगरानी रख रहे हैं, ताकि ठंड का कोई असर न पड़े।

नड्डा-योगी-पंकज की मौजूदगी में मंथन

कप्तान मिलते ही फॉर्म में आई भाजपा कील कांटे दुरुस्त करने की कवायद शुरु

जल्द ही यूपी भाजपा के संगठन में कई बड़े बदलाव दिख सकते हैं। सभी विभागों और प्रकोष्ठों में परिवर्तन संभव है। मोर्चों में भी बदलाव हो सकता है। 2027 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा संगठन के कील कांटों को दूर करेगी और अपने समीकरण दुरुस्त करेगी।

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

उत्तर प्रदेश में 2029 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले भाजपा ने कील कांटे दुरुस्त करने की कवायद तेज कर दी है। इसी क्रम में केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, प्रदेश भाजपा के नए अध्यक्ष पंकज चौधरी, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक अन्य वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में प्रदेश भाजपा कार्यालय पर बड़ी बैठक हुई। पंकज चौधरी के प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद शनिवार को उनकी यह पहली बैठक है। इसमें कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा हुई।

बताया जा रहा है कि जल्द ही यूपी भाजपा के संगठन में कई बड़े बदलाव दिख सकते हैं। इसमें सभी विभागों और प्रकोष्ठों में परिवर्तन संभव है। मोर्चों में भी बदलाव हो सकता है। 2027 के विधानसभा चुनाव के मद्देनजर भाजपा संगठन के कील कांटों को दूर करेगी और अपने समीकरण दुरुस्त करेगी। माना जा रहा है कि नए प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी 2027 के मद्देनजर महत्वपूर्ण बदलाव कर सकते हैं।

खास बातें

- पंकज चौधरी के नए प्रदेश अध्यक्ष बनने के बाद यह उनकी पहली बैठक
- शिकायतें मिलने व प्रदर्शन अच्छा न करने वाले पदाधिकारियों को बदला जा सकता है

कुछ नए लोगों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलने की संभावना

गौरतलब है कि पिछले तीन-चार सालों से यूपी भाजपा संगठन में कोई बड़ा बदलाव नहीं हुआ है। नए प्रदेश अध्यक्ष के आने के बाद संगठन के विभिन्न स्तरों पर परिवर्तन होना तय माना जा रहा है। अगले एक से दो महीने में यह नजर आने लगेगा। मिली जानकारी के अनुसार प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी पार्टी की कई अन्य बैठकों में भी मौजूद रहेंगे। इस दौरान वर्कशाप भी हो सकती है। संगठन में होने वाले बदलाव में कई पुराने पदाधिकारियों के साथ कुछ नए लोगों को भी महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां मिलने की संभावना है। वहीं ऐसे पदाधिकारियों को भी बदला जा सकता है जिनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा है या फिर जिनके खिलाफ शिकायतें हैं।

एसआईआर अभियान में तेजी लाने के निर्देश

बैठक में एसआईआर अभियान में तेजी लाने के निर्देश दिए गए हैं। इसके अलावा वीर बाल दिवस के अभियान को हर विधानसभा में चलाने के भी निर्देश दिए गए हैं। यह जानकारी दी गई कि पार्टी अटल बिहारी वाजपेई की जयंती कार्यक्रम संचालित करेगी। स्नातक चुनाव, पंचायत चुनाव और विधानसभा चुनावों को लेकर भी रणनीति बनी है।

मैं मजबूरी समझ सकता हूं: अखिलेश बोले-

कोडिन कप सिरप में बहुत महत्वपूर्ण बात है,जो यूपी सरकार छिपा रही

एजेंसी ▶▶ लखनऊ

समाजवादी पार्टी के प्रमुख अखिलेश यादव ने लखनऊ में शनिवार को प्रेसवार्ता की। इस दौरान उन्होंने कहा, जो घटनाक्रम चल रहा है कोडिन को लेकर इसमें बहुत महत्वपूर्ण बात है जो सरकार छिपा रही है। 36 जिलों में 118 से अधिक एफआईआर और यूपी में कफ सिरप का काला कारोबार चल रहा था। कई तस्वीरें दिखाई जा रही है, तो अगर हम तस्वीरों को ही ठीक

मान लें और मेरे साथ खड़ा होने वाला ही माफिया है। तो मेरी तस्वीर तो मुख्यमंत्री के साथ भी है। मेरी तस्वीर डिप्टी सीएम के साथ भी है। मैं मजबूरी समझ सकता हूं।

पीएम के संसदीय क्षेत्र तक फैला अवैध कारोबार

अखिलेश यादव ने कहा, कोडिन कफ सिरप का अवैध कारोबार प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र तक फैला हुआ है और इसकी कीमत हजारों करोड़ रुपये में है। मुख्यमंत्री और उनके साथ खड़े लोग झूठ बोल रहे हैं, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती। अगर सरकार सच में माफियाओं के खिलाफ है, तो जिन-जिन लोगों की तस्वीरें मेरे साथ दिखाई जा रही हैं, उनके घरों पर भी बुलडोजर चलना चाहिए। चाहे 'कालीन भैया' हों या 'कोडिन भैया', इस अवैध धंधे में शामिल हर व्यक्ति पर एक समान कार्रवाई होनी चाहिए।

हत्यारोपी मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार

कन्नौज। जिले में महिला की हत्या कर कार से शव लाकर नेशनल हाईवे के निगोह मोड़ पर जलाने वाले हत्यारोपियों से पुलिस की मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली लगने से एक हत्यारोपी घायल हो गया जिसे पुलिस ने सौ शैया अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस ने दो हत्यारोपियों को गिरफ्तार कर लिया। तीसरा अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गया।

पेज एक का शेष

'कोई भी....

पहुंच गई है। जहां पुनर्संतुलन बहुध्रुवीयता के साथ जारी है। शक्ति और प्रभाव के कई केंद्र एक साथ उभर रहे हैं। ऐसे में कोई एक देश, बजाय वो कितना भी शक्तिशाली क्यों न हो, हर बार सभी मुद्दों पर अपनी इच्छाओं को दुनिया के बाकी देशों पर थोप नहीं सकता है। वर्तमान में दुनिया एकध्रुवीयता से इतर बहुध्रुवीयता की व्यवस्था की ओर बढ़ चुकी है। कई देश और क्षेत्र उभर रहे हैं, जो वैश्विक स्तर पर निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता रखते हैं। किसी देश की वास्तविक वैश्विक ताकत मजबूत व्यापार, अर्थव्यवस्था, ऊर्जा संसाधनों तक पहुंच, तकनीकी-सैन्य शक्ति, प्राकृतिक संसाधन और मानव प्रतिभा जैसे पहलुओं पर निर्भर करती है। विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर यह जानकारी दी है।

भगवान हनुमान से की पीएम की तुलना: विश्वविद्यालय में विदेश मंत्री ने कुछ सवालों के भी जवाब दिए। ऐसे ही एक सवाल में जब उनसे पूछा गया कि भारत के लिए तो सिर्फ एक ही जयशंकर काफी है? तो जवाब में उन्होंने सवाल को गलत बताते हुए कहा कि आपको पूछना चाहिए था कि मोदी तो एक ही हैं। क्योंकि अंत में तो श्री हनुमान ही सेवा करते हैं। जयशंकर ने अपने बयान में ये भी जोड़ा कि नेताओं और दूरदृष्टि से देशों को पहचाना जाता है। यही दूरदृष्टि, नेतृत्व और आत्मविश्वास ही है। जो मौजूदा समय में अंतर को प्रदर्शित करती है।

खाड़ी से पुनजीर्वित करने होंगे संबंध: विदेश मंत्री ने हाल ही में की गई अपनी खाड़ी क्षेत्र की यात्रा का उल्लेख करते हुए कहा, इस क्षेत्र का इतिहास भारत के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है। मैं, ओमान की बात कर रहा हूं। पूर्व में यह एक बड़ा व्यापारिक साम्राज्य हुआ करता था। ओमानी लोग समुद्री तटों के जरिए महाराष्ट्र और गुजरात के तटों तक प्रतिदिन नाव से आते-जाते थे। लेकिन विभाजन (1947) के बाद हालात बदले, बीच में कोई आ गया और वे हमसे दूर हो गए। उन्होंने अन्य क्षेत्रों को तलाशा, वो वहां चले गए। लेकिन मेरा मत ये है कि उनकी पुरानी भावना को कैसे पुनर्जीवित किया जाए? मैं, केवल ओमान ही नहीं बल्कि समूचे खाड़ी क्षेत्र की बात कर रहा हूं। विदेश नीति के हवाले से देखें तो आपके पास सही चुनाव करने के लिए स्पष्टता होनी चाहिए। एक सटीक कार्य योजना के साथ आपको उन सभी सकारात्मक बिंदुओं को चुनना होगा। जो आपके लिए काम करेंगे और उन्हें लागू करना होगा।

प्रतिस्पर्धा से बनता संतुलन: उन्होंने कहा, अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राजनीतिक और आर्थिक ताकत का ढांचा 360 डिग्री बदल गया है। यानी विश्व पूरी तरह से बदल गया है। तमाम देशों के मध्य प्रतिस्पर्धा असामान्य बात नहीं है। ये स्वाभाविक होने के साथ ही संतुलन भी पैदा करती है। आज के दौर में वैश्विक व्यवस्था किसी एक ताकत के ईद-गिर्द नहीं घूम नहीं रही है। बल्कि इसमें विभिन्न देशों के आपसी सामंजस्य, टकराव और उसके साथ ही सहयोग से आगे कदम बढ़ाने की अहम भूमिका है।

भारत के लिए मैन्युफैक्चरिंग जरूरी: जयशंकर ने भारत के संदर्भ में कहा कि अगर हमारे देश को एक मजबूत और प्रभावशाली अर्थव्यवस्था बनना है। तो केवल सेवाओं के क्षेत्र पर निर्भरता से काम नहीं चलेगा। हमें आधुनिक मैन्युफैक्चरिंग क्षमता विकसित करनी पड़ेगी। ऐसे उद्योग देश में खड़े करने पड़ेंगे, जो तकनीक के मामले में तो विश्वस्तरीय हो हीं। उसके साथ-साथ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्धा में भी खड़े हो सकें। बीते वक्त में देश की छवि वैश्विक स्तर पर काफी परिवर्तित हुई है। आज भारत को उसकी प्रतिभा और कौशल से जाना जाता है। इन सभी ने हमारे राष्ट्रीय ब्रांड को आकार देने में मदद की है। वैश्वीकरण ने दुनिया के सोचने, काम करने के तरीके को पूरी तरह से बदल दिया है। औपनिवेशिक शासन से मुक्ति के बाद सबसे ज्यादा फायदा चीन को हुआ, हमें भी हुआ है।

अमेरिका संग जटिल....

रूस से दूरी बनाने के दबाव की वजह से रूस को आश्वस्त करना जटिल हो गया है। यूरोप भारत का एक महत्वपूर्ण साझेदार है। लेकिन उसके साथ हमें और अधिक प्रयासों की दरकार है। वहीं, जब हम अपनी पड़ोस की ओर नजर दौड़ाते हैं तो सभी देश आकार में हमसे छोटे हैं। लेकिन हमसे जुड़े हुए हैं। वहां भी बदलाव होते रहते हैं। लेकिन पड़ोस की एक खास बात ये है कि भारत उनकी राजनीति में शामिल एक मुद्दा है। श्रीलंका के चक्रवात से लेकर कोविड और यूक्रेन युद्ध तक ये भारत ही था। जिसने हर जगह प्रमुखता के साथ मदद पहुंचाई।

देश की मदद....

जिसमें कभी आप एक के साथ होते हैं, तो दूसरे मुद्दे पर किसी दूसरे के साथ खड़े होते हैं। लेकिन मेरा अपने देश की मदद करने का एकमात्र सिद्धांत है। इसलिए जो भी मेरे देश की मदद करे, वही मेरी पसंद है। पहले जहां कुछ देश अपने आप को दुनिया का मार्गदर्शक समझते थे। आज ऐसा नहीं है, दुनिया जटिल, आपस में जुड़ी हुई और संतुलित हो गई है।

कट्टरपंथी हादी की....

रहा, धार्मिक स्थलों पर प्रार्थना सभाएं हुईं। खुद यूनुस हादी को अंतिम विदाई देने पहुंचे, जहां उन्होंने जनसैलाब को संबोधित करते हुए कहा, हादी की मौत बेकार नहीं जाएगी, हम उनके सपने को पूरा करेंगे। लेकिन इन सबके बीच एक बड़ा और महत्वपूर्ण सवाल जो सीधे तौर पर मानवता को शर्मसार करता है, अनुतरित ही रह गया। वो ये की हादी की मौत से बौखलाए कट्टरपंथियों की जिस बेकाबू भीड़ ने देश के ही एक हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की बेहद निर्ममता के साथ हत्या की थी। मैमनसिंह जिले में खौफ के साये में जी रहे उसके परिवारजनों को ढांढस बंधाने के लिए उनके पास सरकार का कोई नुमाइंदा नहीं पहुंचा। यूनुस सरकार केवल मामले की निंदा और जांच के ऐलान तक ही सीमित नजर आ रही है। मामले को भारतीय मीडिया द्वारा 20 दिसंबर को बढ़चढ़कर उठाया गया है। कुछ ने सीधे मृतक दीपू के परिजनों से बातचीत कर उनकी आपबीती भी सुनी। गौरतलब है कि बांग्लादेश में हिंसा और तनाव का ये माहौल अगले साल फरवरी में आम चुनावों के लिए की गई तारीखों की घोषणा के ठीक बाद बना है। फिलहाल हादी के नमाज ए जनाज़ा में शांति बनी रही, हिंसा की कोई बड़ी घटना नहीं हुई।

फेसबुक से पता चला, बेटा नहीं रहा: भारतीय मीडिया से बातचीत में पूरी तरह से असहाय नजर आ दीपू चंद्र दास के पिता रविलाल दास ने कहा, हमें बांग्लादेश की सरकार की तरफ से कोई आश्वासन नहीं दिया गया है। किसी ने कुछ भी नहीं कहा। अभी तक हमारे पास कोई नहीं पहुंचा है। मुझे खुद भी अपने बेटे की मौत के बारे में सबसे पहले जानकारी फेसबुक के जरिए ही मिली थी। बाद में कई सारे लोग इसके बारे में बात करने लगे, हमें पता चला कि उसे बुरी तरह से मारा गया है। करीब तीस मिनट बाद मेरे चाचा आए और उन्होंने बताया कि वो तुम्हारे बेटे को ले गए हैं और वो उसे एक पेड़ से बांध रहे हैं। इसके बाद उन्होंने उस पर केरोसीन छिड़ककर आग लगा दी। घटना के वक्त मेरे बेटे का सिर, धड़ से अलग था। रविलाल दास ने बेटे की हत्या को लेकर बांग्लादेश के किसी कट्टरपंथी समूह पर सीधे-सीधे कोई आरोप नहीं लगाया है। मामले पर स्थानीय पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है। उधर, इस पूरी घटना ने पिछले साल अगस्त महीने में तत्कालीन प्रधानमंत्री शेख हसीना की सरकार को अपदस्थ करने के बाद से अल्पसंख्यकों खासकर हिंदुओं के खिलाफ बढ़ते अत्याचारों, हिंसा और उत्पीड़न के मामले को लेकर बांग्लादेश की पोल पूरी तरह से दुनिया के सामने खोलकर रख दी है। भारत ने भी लगातार इस मुद्दे को अंतरिम सरकार के विभिन्न स्तरों पर मजबूती के साथ उठाते हुए अल्पसंख्यकों की सुरक्षा को यूनुस सरकार की प्राथमिक जिम्मेदारी बताया है।

बांग्लादेश की यात्रा न करें नागरिक: अमेरिका हिंसा, आगजनी और उग्र विरोध-प्रदर्शनों से जूझ रहे बांग्लादेश में भारत ने अपने वीजा आवेदन केंद्र को अस्थायी तौर पर बंद कर दिया है। जबकि दुनिया के कई देशों ने अपने नागरिकों को मौजूदा चिंताजनक हालातों के बीच बांग्लादेश की यात्रा करने से बचने की सलाह दी है। शनिवार को एक ऐसा ही परामर्श अमेरिका ने जारी किया और अपने नागरिकों से कहा कि वो ढाका में बने हुए तनावपूर्ण हालात के बीच बांग्लादेश की यात्रा न करें। हादी के अंतिम संस्कार के वक्त समस्याएं आ सकती हैं, शांतिपूर्ण सभाएं हिंसा का रूप ले सकती हैं, ढाका की सड़कों पर भीड़ बढ़ने की भी पूरी संभावना है। इसलिए अपनी स्थिति को सुरक्षित बनाए रखने के लिए स्थानीय मीडिया पर पैनी नजर बनाए रखें। वहीं, मामले से परिचित लोगों ने हाल ही में ये पुष्टि की है कि बांग्लादेश में भारत के सभी राजनयिक और अन्य कर्मी सुरक्षित हैं। चीन से जब भारतीय मीडिया ने बांग्लादेश के संबंध में सवाल किया तो जवाब में चीनी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता गुओ जियाकुन ने कहा, हम बांग्लादेश में सुरक्षित, स्थिर और सुचारू चुनाव होने की कामना करते हैं।

22 दिसंबर को होगा सजा का ऐलान

बुलंदशहर हाईवे पर गैंगरेप मामले में पांचों अभियुक्त दोषी करार

एजेंसी ▶▶ बुलंदशहर

यहां हाईवे पर हुए गैंगरेप मामले में करीब 9 साल बाद विशेष सत्र न्यायाधीश पॉक्सो अधिनियम ओमप्रकाश वर्मा तृतीय के न्यायालय में सुनवाई के दौरान सभी पांचों अभियुक्तों को दोषी करार दिया गया। सभी पांचों अभियुक्तों की सजा पर ऐलान 22 दिसंबर को होगा। दोषी ठहराए जाने के बाद पांचों अभियुक्तों को न्यायिक अभिरक्षा में जिला कारागार भेज दिया गया है। विशेष लोक अभियोजक वरुण कौशिक ने बताया कि-29/30 जुलाई 2016 की रात नेशनल हाईवे-91 पर कोतवाली देहात क्षेत्र में दोस्तपुर फ्लाईओवर के पास नोएडा से कार सवार परिवार के साथ दरिंदगी हुई थी।

नोएडा से शाहजहांपुर जा रहे परिजनों के सामने मां-बेटी से सामूहिक दुष्कर्म और लूटपाट की वारदात को बदमाशों ने अंजाम दिया था। इस मामले में न्यायालय में छह अभियुक्तों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल हुई थी। एक अभियुक्त सलीम की मुकदमा विचरण के दौरान छह जनवरी 2020 को मौत हो चुकी है।न्यायालय के समक्ष अभियोजन पक्ष की ओर से 25 गवाह प्रस्तुत किए गए। न्यायालय नए साक्ष्य का अवलोकन और पीड़ितों के बयान तथा अधिवक्ताओं के जिले के उपरांत सभी पांच अभियुक्तों को दोषी करार दिया है।

नागपुर हादसे पर सीएम नीतीश दुखी

मृतकों के आश्रितों को दो-दो लाख मिलेंगे, 6 बिहारियों की हुई मौत

एजेंसी ▶▶ पटना

महाराष्ट्रा के नागपुर में बिहार के छह मजदूरों की दर्दनाक मौत हो गई। पानी की टंकी फटने और उसका स्ट्रक्चर ढह जाने से हादसा हुआ। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने इस हादसे पर गहरा दुख जाताया है। मुख्यमंत्री ने स्थानिक आयुक्त को मृतकों का शव घर तक पहुंचाने की पूरी व्यवस्था सुनिश्चित करने का निर्देश दिया है। राज्य आपदा राहत कोष से सभी मृतकों के आश्रितों के लिए दो दो लाख की सहायता राशि देने का ऐलान किया है।

सोशल मीडिया पोस्ट में नीतीश कुमार ने लिखा है कि महाराष्ट्र के नागपुर में बुटीबोरी के महाराष्ट्र इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉरपोरेशन रीजन में स्थित सोलर पैनल निर्माण फैक्ट्री में पानी की टंकी फटने से बिहार के 6 मजदूरों की मृत्यु दुःखद। शोक संतप्त परिवारों को दुःख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना है।

उन्होंने यह भी कहा है कि इस घटना में बिहार के मृतक मजदूरों के परिजनों को मुख्यमंत्री राहत कोष से 2-2 लाख अनुग्रह अनुदान दिया जाएगा। बिहार के रहने वाले घायल मजदूरों के समुचित इलाज की भी व्यवस्था करने हेतु निर्देश दिया है। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना है। दिल्ली में बिहार के स्थानिक आयुक्त को स्थिति का जायजा लेने तथा घायलों के समुचित इलाज के साथ-साथ हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने एवं मृत मजदूरों के पार्थिव शरीर को उनके पैतृक गांव पहुंचाने के लिए सभी समुचित व्यवस्था करने को कहा है।

26 सितंबर को हुए बरेली बवाल मामला

मौलाना तौकीर के करीबी नदीम के घर से बरामद हुआ वह पत्र, जिसके जरिए जुटाई गई थी भीड़

एजेंसी ▶▶ बरेली

बरेली में 26 सितंबर हुए बवाल के मामले में आरोपी नदीम खान को पुलिस ने शनिवार को कस्टडी रिमांड पर लिया। बवाल से पहले नदीम ने मौलाना तौकीर रजा की पार्टी आईएमसी के लेटरहेड पर फर्जी हस्ताक्षर कर लोगों को भ्रामक पत्र बांटे थे। इस मामले में नदीम से पूछताछ की गई। पुलिस ने उसके घर से फर्जी पत्र बरामद किया है, जिस पर आईएमसी पदाधिकारी लियाकत के फर्जी हस्ताक्षर किए गए थे। लियाकत ने ही इस मामले में कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

लियाकत ने दर्ज कराया था मुकदमा

एसपी सिटी मानुष पारीक ने बताया कि 26 सितंबर को हुए बवाल के बाद अलग-अलग थानों में कुल 12 मुकदमे दर्ज हुए थे। इनमें एक मुकदमा लियाकत अली ने दर्ज कराया था। आरोप लगाया था कि मौलाना तौकीर रजा के करीबी नदीम खान, डॉ. नफीस व अन्य लोगों ने कूटरचित पत्र तैयार किया था, जिसमें यह लिखा गया कि मौलाना तौकीर ने जो आह्वान किया है, उसे वापस लिया जाता है। इस पत्र में लियाकत ने हस्ताक्षर थे, जबकि लियाकत ने इससे साफ इनकार किया। बाद में आरोपियों ने इस पत्र को फर्जी बताकर व्हाट्सएप पर प्रसारित किया। इससे लोगों में भ्रम फैला। काफी संख्या में लोगों की भीड़ जुटी और शहर में उपद्रव हुआ। अफसरों को भ्रम में डालने के लिए कूटरचना की गई थी।

नदीम के घर से बरामद हुआ पत्र

इस मुकदमे में विवेचक ने असली पत्र की बरामदगी के लिए कोर्ट में आरोपी नदीम की पुलिस कस्टडी रिमांड के लिए अपील की। इस पर कोर्ट से चार घंटे के लिए आरोपी की रिमांड मिली। इसके बाद नदीम को जेल से पुलिस कस्टडी डिमांड पर लाया गया। कोतवाली पुलिस नदीम को उसके घर ले गई, वहां से पुलिस ने उक्त पत्र को बरामद किया है। एसपी सिटी ने कहा कि आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

क्रिसमस स्पेशल

सदियों से मनाया जा रहा प्रभु यीशू के जन्मोत्सव को समर्पित क्रिसमस का पर्व, अब किसी एक क्षेत्र या वर्ग का नहीं ग्लोबल फेस्टिवल बन चुका है। वैश्विक प्रेरणाओं, मानवीय मूल्यों और व्यक्तिगत संवेदनाओं के संगम से आज का क्रिसमस हमें यह सोचने का अवसर देता है कि हम सिर्फ उत्सव न मनाएं बल्कि उत्सव बन जाएं। यही इस दौर के क्रिसमस की सबसे बड़ी और सबसे सकारात्मक उपलब्धि है।

कवर स्टोरी / आर. सी. शर्मा

खुशी-उल्लास-उमंग का ग्लोबल फेस्टिवल क्रिसमस

क्रिसमस एक ऐसा पर्व है जो एक समय तक धार्मिक उत्सव के रूप में मनाया जाता था, लेकिन आज इक्कीसवीं सदी में यह वैश्विक संवेदना, मानवीय एकजुटता और सामूहिक खुशी का प्रतीक बन चुका है। बदलती तकनीक, तेज रफ्तार जीवनशैली, वैश्वीकरण और सामाजिक विविधताओं के बीच भी क्रिसमस का रोमांच कम नहीं हुआ बल्कि कई अर्थों में और गहरा हुआ है।

परंपरा-आधुनिकता का संगम

आज के दौर में क्रिसमस सिर्फ चर्च की घंटियों, कैरोल्स गाने या क्रिसमस ट्री सजाने तक सीमित नहीं है बल्कि यह एक ऐसा अवसर बन चुका है, जहां परंपरा और आधुनिकता एक-दूसरे में घुल-मिल जाती हैं। सोशल मीडिया पर फैली रोशनियां, डिजिटल ग्रीटिंग्स, वर्चुअल पार्टियां और ऑनलाइन गिफ्टिंग, इन सबने क्रिसमस को एक नए स्वरूप से सजा दिया है। जहां पहले क्रिसमस का अनुभव स्थानीय समुदाय तक सीमित रहता था, वहीं आज यह एक ग्लोबल इवेंट बन गया है। न्यूयॉर्क की सड़कों से लेकर टोक्यो, मुंबई और नैरोबी तक हर जगह क्रिसमस की सजावट, संगीत और उल्लास एक साझा भाव पैदा करता है।

खुशियों का नया एहसास

हाल के दशकों में क्रिसमस को लेकर हमारी भावनाओं में निश्चित ही बदलाव आया है। आधुनिक जीवन में तनाव, प्रतिस्पर्धा और अकेलापन बढ़ा है। ऐसे में क्रिसमस एक भावनात्मक विराम की तरह आता है, जहां लोग रुककर रिश्तों, यादों और मानवीय जुड़ाव को महत्व देते हैं। आज की खुशियां सिर्फ उपहारों तक सीमित नहीं रहीं। मानसिक स्वास्थ्य, भावनात्मक सुरक्षा और साथ होने की अनुभूति अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। क्रिसमस के समय परिवार या दोस्तों के साथ बैठकर खाना खाना, पुरानी यादें साझा करना या किसी जरूरतमंद की मदद करना, इन सबमें एक गहरी संतुष्टि छिपी है। यानी खुशी की मात्रा नहीं, लेकिन उसकी गुणवत्ता बदली है। यह अधिक संवेदनशील और अधिक मानवीय हुई है।

करुणा-साझेदारी की प्रेरणा

इक्कीसवीं सदी का क्रिसमस हमें कुछ बेहद महत्वपूर्ण वैश्विक प्रेरणाएं देता है। आज क्रिसमस के साथ चैरिटी, फूड डाइव्स, शेल्टर होम्स और ऑनलाइन फंड रेजिंग जुड़ चुके हैं। लोग यह समझने लगे हैं कि सच्चा उत्सव तभी है, जब खुशियां दूसरों के संग बांटी जाएं। क्रिसमस अब सिर्फ ईसाइयों का पर्व नहीं रह गया। गैर-ईसाई समाज भी इसे एक मानवीय और सांस्कृतिक उत्सव के रूप में मनाता है, जो विविधता में एकता का संदेश देता है। युद्ध, संघर्ष और अस्थिरता के वर्तमान दौर में क्रिसमस का 'पीस ऑन अर्थ' वाला विचार, पहले से ज्यादा प्रासंगिक हो गया है। यह हमें याद दिलाता है कि शांति कोई अमूर्त सपना नहीं बल्कि रोजमर्रा के छोटे व्यवहारों से भी संभव है।

महत्वपूर्ण है अर्थपूर्ण उत्सव

यह सच है कि आधुनिक क्रिसमस में बाजार का प्रभाव बढ़ा है- सेल्स, ऑफर्स और ब्रांडिंग हर जगह दिखती है। लेकिन इसके समानांतर एक नई सोच भी उभर रही है, मिनिमल और अर्थपूर्ण क्रिसमस। आज कई लोग 'कम खरीदो, बेहतर जियो' के विचार के साथ क्रिसमस मना रहे हैं। हैंडमेड गिफ्ट्स, अनुभव आधारित उपहार (जैसे समय देना, साथ घूमना) और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार सजावट। ये बदलाव बताते हैं कि खुशी की अतिरिक्त परतें दिखावे से नहीं, सार्थकता से आती हैं।

क्रिसमस मनाने के ऐतिहासिक-धार्मिक संदर्भ

क्रिसमस ईसाई धर्म का सबसे बड़ा पर्व है, जिसे यीशु मसीह के जन्म की स्मृति में मनाया जाता है। ईसाई मान्यता के अनुसार यीशु का जन्म मानवता को पाप, हिंसा और अन्याय से मुक्ति दिलाने के लिए हुआ था। बाइबिल की कथा के अनुसार, यीशु का जन्म बेथलेहम में एक गौशाला में हुआ, जहां उनकी माता मरियम ने उन्हें जन्म दिया और यूसुफ उनके संरक्षक थे। यह कथा ईसाई धर्म में विनम्रता, त्याग और करुणा का मूल प्रतीक मानी जाती है। 25 दिसंबर को क्रिसमस मनाने की परंपरा यीशु के जन्मदिन से जुड़ी है। इतिहासकारों के अनुसार चौथी शताब्दी में रोमन साम्राज्य ने 25 दिसंबर को यीशु के जन्म दिवस के रूप में स्वीकार किया। इसका एक कारण यह भी था कि इसी समय रोम में 'सैटर्नेलिया' और 'सोल इन्विक्टस' जैसे सूर्य-उत्सव मनाए जाते थे। ईसाई धर्म के प्रसार के दौरान इन लोकप्रिय पर्वों को एक नए धार्मिक अर्थ के साथ जोड़ा गया, जिससे क्रिसमस व्यापक रूप से स्वीकार्य हो सका।

धार्मिक दृष्टि से क्रिसमस सिर्फ जन्मोत्सव नहीं बल्कि ईश्वर के प्रेम के अवतरण का प्रतीक है। ईसाई आस्था के अनुसार यीशु 'ईश्वर के पुत्र' हैं, जो मानव रूप में धरती पर आए ताकि प्रेम, क्षमा और दया का संदेश दे सकें। इसी कारण क्रिसमस के दौरान चर्चों में विशेष प्रार्थनाएं, मध्यरात्रि मिस्सा, कैरोल गायन और बाइबिल पाठ किए जाते हैं।

क्रिसमस सेलिब्रेशन से जुड़ी परंपराएं

क्रिसमस को पारंपरिक रूप से एक धार्मिक, पारिवारिक और सामुदायिक उत्सव के रूप में मनाया जाता है। इसकी तैयारियां एडवेंट काल से शुरू होती हैं, जो क्रिसमस से लगभग चार सप्ताह पहले आता है। इस दौरान लोग आत्मचिंतन, प्रार्थना और संयम पर ध्यान देते हैं। कई परिवार, घरों में एडवेंट कैंडल जलाते हैं, जो आशा और प्रकाश का प्रतीक मानी जाती है। घरों और चर्चों की सजावट, क्रिसमस की सबसे प्रमुख परंपरा है। क्रिसमस-ट्री सजाना भी इसका प्रमुख अंग है, जिसे रोशनी, सितारों, घंटियों और सजावटी गेंदों से सजाया जाता है। ट्री के ऊपर लगाया जाने वाला तारा बेथलेहम के उस तारे का प्रतीक है, जिसने तीन ज्ञानी पुरुषों को यीशु के जन्मस्थल तक पहुंचाया था। साथ ही कई स्थलों पर नैटिविटी सीन (यीशु के जन्म का दृश्य) लगाया जाता है। क्रिसमस ईव (24 दिसंबर की रात) को चर्चों में मिडनाइट मास होती है, जिसमें प्रार्थना, बाइबिल पाठ और सामूहिक कैरोल्स गाए जाते हैं। क्रिसमस के दिन परिवार और मित्र एक साथ मिलते हैं, विशेष भोज का आयोजन होता है और एक-दूसरे को उपहार दिए जाते हैं। बच्चों के लिए सांता क्लॉज की परिकल्पना खास आकर्षण होती है, जो उदारता और खुशी बांटने का प्रतीक है।

सकारात्मक प्रेरणाओं का उत्स

आज के संदर्भ में क्रिसमस हमें तीन सबसे सकारात्मक बातें सिखाता है।

उम्मीद: चाहे दुनिया कितनी भी अनिश्चित क्यों न हो, क्रिसमस उम्मीद का पर्व है। यह नए सिरे से शुरू करने की प्रेरणा देता है।

रिश्तों की प्राथमिकता: यह पर्व याद दिलाता है कि जीवन की असली पूंजी हमारे संबंध हैं, न कि भौतिक उपलब्धियां।

मानवीय गरिमा: क्रिसमस का मूल संदेश- प्रेम, क्षमा और करुणा, आज भी उतना ही प्रासंगिक है, जितना सदियों पहले था। कहने का सार यही है कि इक्कीसवीं सदी में क्रिसमस फेस्टिवल का रोमांच बाहरी चमक से ज्यादा आंतरिक अर्थ में बसता है। हमारी खुशियां शायद अधिक सजावटी नहीं हुईं, लेकिन अधिक सजग जरूर हुई हैं। *

अमेजिंग / शिखर चंद जैन

दुनिया के सबसे अनूठे क्रिसमस-ट्री

क्रिसमस के अवसर पर दुनिया भर में बेशुमार क्रिसमस ट्री सजाए जाते हैं। लेकिन कुछ क्रिसमस ट्री इतने अनूठे तरीके से सजाए जाते हैं कि उनकी भव्यता देखते ही बनती है। यहां हम आपको दुनिया के कुछ ऐसे ही अमेजिंग क्रिसमस ट्री के बारे में बता रहे हैं।

रॉकफेलर सेंटर क्रिसमस-ट्री यूनाइटेड स्टेट्स ऑफ अमेरिका

रॉकफेलर सेंटर क्रिसमस-ट्री, 3 दिसंबर की शाम से ही आम लोगों के देखने के लिए अपनी सजधज के साथ रेडी हो जाता है। यह 75 फुट ऊंचा नॉर्वे स्प्रूस पेड़ है, जो ईस्ट ग्रीनबुश, न्यूयॉर्क से लाया गया है। इसे मैनहट्टन के मध्य में 30 रॉकफेलर प्लाजा में सजाया जाता है। यह 10 जनवरी तक देखने के लिए उपलब्ध रहता है। 2004 से स्थापित यह क्रिसमस ट्री 30,000 एलईडी लाइटों से रोशन होता है, जो सौर पैनलों से चलती हैं। 2007 से इस पर 550 पाउंड का स्वारोवस्की क्रिस्टल स्टार लगा हुआ है।

क्रिसमस का उत्सव क्रिसमस-ट्री के बिना अधूरा है। वैसे तो क्रिसमस-ट्री वास्तव में पाइन, डगलस, बालसम या फर का पेड़ होता है। ये पेड़ सदा हरे-भरे रहते हैं इसलिए इन्हें सजावट के लिए चुना जाता है। लेकिन दुनिया भर में अलग-अलग चीजों के उपयोग से एक से बढ़कर एक कृत्रिम क्रिसमस-ट्री भी खूब बनाए और सजाए जाते हैं। आइए जानते हैं कुछ अनूठे क्रिसमस-ट्री के बारे में।

टंबलवीड ट्री यूएसए: चांडलर, संयुक्त राज्य अमेरिका के एरिजोना राज्य में मैरिकोपा काउंटी में स्थित एक शहर और फीनिक्स का एक उपनगर है। यह तकनीक और नवाचार का एक प्रमुख केंद्र है। यहां टंबलवीड-ट्री नामक प्रसिद्ध क्रिसमस-ट्री है, जिसे हर साल एक खास परंपरा के तहत बनाया जाता है। 1957 से चली आ रही इस परंपरा में हजारों टंबलवीड्स और रोशनी का उपयोग होता है। इसकी शुरुआत तब हुई, जब आग लगने से शहर की क्रिसमस की सजावट नष्ट हो गई थी। तब लोगों ने इस अनूठे पेड़ का इस्तेमाल किया था। यह पारंपरिक क्रिसमस-ट्री की तरह नहीं है, बल्कि सूखी झाड़ियों (टंबलवीड्स) को इकट्ठा करके बनाया जाता है। इसे बनाने के लिए लगभग 1,000 से अधिक टंबलवीड्स और 1,200 रंगीन बल्बों का उपयोग किया जाता है।

बिग क्रिसमस-ट्री इटली: यह दुनिया के सबसे अनूठे और सबसे ज्यादा लाइटों वाले क्रिसमस-ट्रीज में शामिल है। इटली के गुब्बीओ में माउंट इजिनो पर बना यह विशाल-ट्री 1981 से मौजूद है। यह दुनिया के सबसे बड़े क्रिसमस-ट्री के रूप में जाना जाता है, जिसे 1991 में गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज किया गया था। यह माउंट इंगिनो की ढलान पर हजारों लाइटों और 7.5 किमी लंबे बिजली के तार से बना एक भव्य लाइट डेकोरेशन से बनता है, जो एक विशाल क्रिसमस-ट्री का आकार लेता है। इसकी ऊंचाई लगभग 750 मीटर और आधार पर चौड़ाई 450 मीटर होती है। इसे आमतौर पर 7 दिसंबर से 6 जनवरी तक सजाया जाता है। हर साल क्रिसमस के समय हजारों पर्यटक इसे देखने आते हैं।

स्काई ट्री जापान: क्रिसमस के अवसर पर जापान के टोक्यो में कई प्रसिद्ध क्रिसमस ट्री और लाइट-अप शोज डेकोरेट किए जाते हैं, जिनमें टोक्यो स्काई-ट्री का विशालकाय क्रिसमस-ट्री भी शामिल है। टोक्यो स्टेशन के मारुनोउची क्षेत्र के पास किट्टे बिल्डिंग के बाहर जापान का यह सबसे बड़ा क्रिसमस-ट्री सजाया जाता है। यह 14 मीटर ऊंचा है। इसे आकर्षक रोशनी से सजाया गया है। यहां लगभग 500,000 बल्ब्स का शो आयोजित होता है, जो 'क्विंकल थ्री स्टार्स' और अन्य लाइट-अप थीम के साथ प्रदर्शित किया जाता है। किट्टे बिल्डिंग टोक्यो में सबसे ऊंची इमारत है, जो इसका प्रतीक चिन्ह भी बन गया है। इनके निकट ही स्थित ग्योको-डोरी स्ट्रीट और नाका-डोरी स्ट्रीट को भी उत्सव की रोशनी से सजाया जाता है। इसके अतिरिक्त क्रिसमस के अवसर पर यहां के ओमोतेसांडो, रोपोंगी और ओडेबा जैसे कई क्षेत्रों में सुंदर लाइटिंग डिस्प्ले आयोजित किए जाते हैं।

ओरिगामी क्रिसमस-ट्री यूएसए: न्यूयॉर्क का वर्ल्ड फेमस ओरिगामी क्रिसमस-ट्री, किसी भी दूसरे क्रिसमस-ट्री से अलग है। यह अमेरिकन म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री (एएमएनएच) में मौजूद है। यह लगभग 13 फीट लंबा पेड़, कागज से बने हुए जानवरों, जड़ी-बूटियों और अन्य आकृतियों से सजाया जाता है, जो ओरिगामी कलाकारों द्वारा बनाए जाते हैं। विभिन्न प्रकार के ओरिगामी रंगों में सजा यह पेड़ देखने में बहुत आकर्षक और बेहद रंगीन लगता है। *

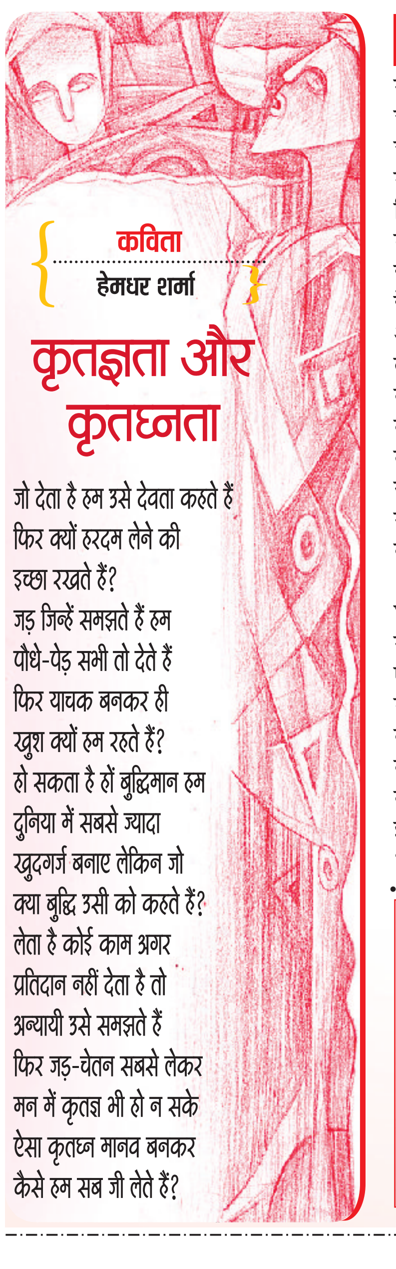

कविता / हेमधर शर्मा

कृतज्ञता और कृतघ्नता

जो देता है हम उसे देवता कहते हैं
फिर क्यों हरदम लेने की
इच्छा रखते हैं?
जड़ जिन्हें समझते हैं हम
पौधे-पेड़ सभी तो देते हैं
फिर याचक बनकर ही
खुश क्यों हम रहते हैं?
हो सकता है हों बुद्धिमान हम
दुनिया में सबसे ज्यादा
खुदगर्ज बनाए लेकिन जो
क्या बुद्धि उसी को कहते हैं?
लेता है कोई काम अगर
प्रतिदान नहीं देता है तो
अन्यायी उसे समझते हैं
फिर जड़-चेतन सबसे लेकर
मन में कृतज्ञ भी हो न सके
ऐसा कृतघ्न मानव बनकर
कैसे हम सब जी लेते हैं?

व्यंग्य / सूर्यकुमार पांडेय

कैमरों की चमकती चंचल चाहतें

अपने यहां आजकल जो भी होता है, कैमरे के सामने ही होता है। इसकी एक चमक के आगे दुनिया की हर चमक-दमक फीकी है। कैमरा नहीं, तो शादी-ब्याह तक में भी किसी की कमर न लचके।

अपने यहां आजकल जो भी होता है, कैमरे के सामने ही होता है। इसकी एक चमक के आगे दुनिया की हर चमक-दमक फीकी है। कैमरा नहीं, तो शादी-ब्याह तक में भी किसी की कमर न लचके। वह तो यह कैमरा ही है, जिसके आते ही तमाम बाराती नागिन हो जाते हैं और उनकी रूमाल से अपने आप ही बीन की धुनें निकलने लग जाती हैं। सोचता हूं, कहीं कल जंगल में मोर भी यह कहकर नाचने से इनकार न कर दें कि इधर कैमरे तो हैं ही नहीं। जब कोई फिल्म ही नहीं बना रहा, तो फिर जंगल में ऐसे नाच का आखिर फायदा भी क्या?

धरना, प्रदर्शन, अनशन, घेराव, रैली, भाषण, चुनाव, सबको कैमरे चाहिए। वह भी ऐसे-वैसे नहीं, समाचार चैनलों वाले। एक नहीं, अनेक। हर कोण से कवरेज जरूरी है। जिस काम को दुनिया न देखे, वह काम भी किस काम का? जिन्हें इन कैमरों से ज्यादा लगाव होता है, ऐसे साहसी लोग गुप्त कैमरों से भी भय नहीं खाते। यह जानते हुए कि जमाना स्टिंग ऑपरेशन का है और कभी भी धरे जा सकते हैं, वे तब भी अपना असली काम कर ही डालते हैं।

'आप कैमरे की नजर में हैं।' मैं जहां कहीं पर भी यह बोर्ड लगा देखता हूं, मुझे हंसी आने लगती है। ऐसे बोर्ड चोर को पकड़ने के लिए लगाए गए होते हैं कि उन्हें सहयोग करने के लिए कि यहां हरकत की, तो तू पकड़ा जा सकता है। जा, बिना कैमरे वाली जगह तलाश। मैं सोचता हूं, यदि चोर भी सीसीटीवी कैमरों से भयग्रस्त होकर अपना चौर्य-कर्म त्याग चुके होते, तो हम आए दिन चोरी की वारदात की खबरें पढ़ने, सुनने और देखने को तरस जाते। क्या पता, कैमरा उन्हें नया उत्साह देता हो। अब तो कैमरों को प्रोफेशनल फोटोग्राफरों की दरकार भी नहीं रही। सभी के हाथों में मोबाइल कैमरे हैं और सेल्फियों की चमकती हुई चंचल चाहतें। इसके एकनेत्री स्वरूप पर आज पूरा विश्व मोहित है। तभी तो, युद्ध हो या शांति, लोग अपनी आंखों से अधिक इन कैमरों की दिखलाई हुई चीजों पर विश्वास करने लगे हैं। *

लघुकथा / चंद्रप्रकाश डाले

उपेक्षा के आंसू

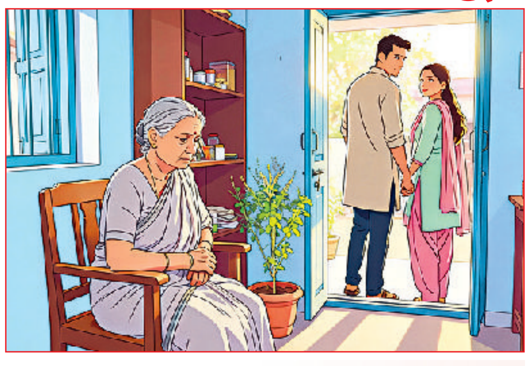

अस्पताल में चार दिनों से भर्ती सविता जी ने नर्स से पूछा, 'सिस्टर, मेरा बेटा आया था क्या?'

नर्स बोली, 'अरे माता जी, आप चार दिन से यही रट लगाए हैं कि बेटा आया है क्या, अरे आज तो आपकी छुट्टी होने वाली है।'

मां की आंखों में आंसू आ गए। रुंधे गले से बोलीं, 'मैं उसकी मां हूं ना। मैंने बड़ी तकलीफ, त्याग और तपस्या से उसको पाला है। इसलिए बार-बार उसके बारे में पूछती हूं। खैर, कोई बात नहीं।'

नर्स बोली, 'माता जी, बस आप तैयार हो जाइए, अस्पताल से छुट्टी मिल गई है, अब आपको घर जाना है, अपने बेटे के पास। आपके बिल वगैरह सब बन गए, उसका पेमेंट भी मिल चुका है।'

सविता ने फिर पूछा, 'मेरा बेटा लेने आया है क्या?'

'नहीं माता जी, ड्राइवर गाड़ी लेकर आया है।' नर्स ने बताया।

कुछ न कहकर, आंखों में आंसू छुपाते हुए सविता जी गाड़ी में बैठकर घर पहुंच गईं, लेकिन बेटे की उपेक्षा से खुद को थका हुआ और निराश महसूस कर रही थीं।

कुछ देर बाद ही बहू के मायके से फोन आया कि उसकी मां की तबियत खराब हो गई है। बहू ने तत्काल अपने पति को ऑफिस में फोन किया और बोली, 'आप तुरंत घर आ जाइए, मेरी मां की तबियत बहुत खराब है। और सुनो चार-पांच दिनों की छुट्टी भी ले लेना। मां को अस्पताल में भर्ती कराकर उनकी देखभाल के लिए वहां रुकना होगा।'

सासु मां की तबियत की खबर सुनकर सविता जी का बेटा तत्काल घर आ गया और जल्दी से तैयार होकर अपनी पत्नी के साथ ससुराल जाने लगा। दरवाजे से बाहर निकलते हुए जैसे उसे कुछ याद आया और वह पलटकर अपनी मां से बोला, 'मां, हम दोनों चार-पांच दिन के लिए जा रहे हैं। आप घर का ख्याल रखना।'

मां ने उन दोनों को जाते हुए देखा। मायूस होकर पास रखी कुर्सी पर बैठ गई। सोचने लगी, अस्पताल में भी वह अकेली थी, अब घर में भी अकेली है। साथ में थे तो सिर्फ आंसू। उपेक्षा से उपजे आंसू। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

अंतस को छूते गीत

वरिष्ठ साहित्यकार ओम निश्चल के गीतों का नया संग्रह 'तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं' हाल में छपकर आया है। आज के दौर में जब छंदमुक्त कविताओं की बाढ़ आई हुई है, ऐसे में अत्यंत कोमलता को खुद में समेटे हुए, रुई के फाहे-से ये गीत हमारी रूह को हौले से छू लेते हैं। इन गीतों में खास तौर पर प्रेम के अनेक रंग तो पैबस्त हैं ही, इनके साथ ही जीवन की विडंबनाएं, अलग-अलग ऋतुओं का सौंदर्य, खेती-किसानी, मिट्टी का सोंधापन, सांस्कृतिक नगरों की छटा, पारंपरिक पर्वों की आभा, ईश्वर के प्रति अहैतुक आस्था और कुछ अनकहे से रिश्तों की खुश्बू को भी शिद्दत से महसूस किया जा सकता है। गीतों के रचाव और शब्दों के चयन में ओम जी प्रयोगधर्मी रहे हैं, किसी भाषा को लेकर उनकी रचनात्मकता में कोई हठधर्मिता नहीं दिखती है। इसके साथ ही वे पढ़ने वाले के अंतस में भावनाओं का अप्रतिम प्रतिसंसार भी रचते चलते हैं। इसकी बानगी संग्रह के कई गीतों में देखी जा सकती है। अतीत में घटित प्रेम को बेहद मार्मिकता से वे शब्दों में पिरोते हुए कहते हैं, *'पलकें बोझिल और उनींदी रातें होती थीं/बरसों पहले तुमसे कितनी बातें होती थीं।'* तो कहीं जीवन की क्रूरता के समक्ष विवश मन कराह उठता है, *'प्रार्थना में फूल, मन में अर्घ्य देकर/लौट आए डबडबाई आंख लेकर।'* कहीं अपने आराध्य प्रभु की भक्ति में गीतकार का मन पुलकित होकर गा उठता है, *'दीप घर-घर जले हैं अवध में पिया/आज लौटे अयोध्या में रघुवर-सिया।'* तो कहीं प्राचीन नगर के सांस्कृतिक वैभव को देखकर वे अंतस के उल्लास को व्यक्त करने से रोक नहीं पाते, *'काशी के घाट निराले, रे भैया/काशी के घाट निराले।'* और प्रेम मिलन को व्यक्त करती ये पंक्तियां तो बेमिसाल हैं, *'पलकों को होठों की धड़कन से छू लूं/सुनाऊं गजल कोई गालिब की तुमको/तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं।'* *

पुस्तकः तुम्हें मीर के एक मिसरे से छू लूं (गीत-संग्रह), रचनाकारः ओम निश्चल, मूल्यः 300 रुपए, प्रकाशकः हिंदी अकादमी, दिल्ली

भारत सरकार का अभिनंदन, उन्होंने मनरेगा का नाम जी राम जी रखा: मंत्री प्रहलाद

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मैं भारत सरकार का अभिनंदन करता हूं, उन्होंने मनरेगा का नाम जी राम जी रखा और 125 दिन रोजगार की गारंटी दी है। यह बात शुक्रवार को पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल ने कही। कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में आयोजित पत्रकार वार्ता में प्रहलाद पटेल ने बीते दो वर्षों की विभाग की उपलब्धियों, जनकल्याणकारी योजनाओं और भविष्य की कार्ययोजनाओं का रिपोर्ट कार्ड पेश किया।

उन्होंने ग्रामीण विकास, श्रमिक कल्याण, महिला सशक्तिकरण, रोजगार सृजन और आधारभूत ढांचे से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णयों और घोषणाओं की जानकारी दी। मंत्री के पटेल ने बताया कि मुख्यमंत्री जनकल्याण संबल योजना के तहत बीते दो वर्षों में एक लाख सात हजार 536 प्रकरणों में लगभग दो हजार 333 करोड़ रुपए की सहायता राशि श्रमिकों और उनके परिवारों को प्रदान की गई है। पटेल ने बताया कि प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 1250 किलोमीटर से अधिक सड़कों और 323 पुलों का निर्माण पूरा किया जा चुका है। नई योजनाओं के माध्यम से 20,600 से अधिक बसाहटों को सड़क नेटवर्क से जोड़ा जा रहा है।

खास बातें

- मंत्री प्रहलाद पटेल ने पेश किया विभाग के दो वर्ष का रिपोर्ट कार्ड
- प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 1250 किमी से अधिक सड़कों और 323 पुलों का निर्माण पूरा

प्रेसवार्ता में विभाग की उपलब्धियों और योजनाओं की जानकारी देते मंत्री पटेल।

श्रम सुधार और महिला श्रमिकों के लिए नए फैसले: पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री

श्रम मंत्री ने बताया कि औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के हितों को ध्यान में रखते हुए पीथमपुर, मंडीदीप और उज्जैन जैसे औद्योगिक क्षेत्रों में श्रमिकों के लिए प्रशिक्षण सत्र आयोजित किए जा रहे हैं। उद्योगों को पर्यावरण संरक्षण और मजदूरों के हितों के आधार पर स्टार रेटिंग दी जाएगी। महिला श्रमिकों के लिए नाइट शिफ्ट में काम करने पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया गया है।

नर्मदा परिक्रमा पथ बनेगा

पटेल ने बताया कि नर्मदा परिक्रमा पथ पर आसरा स्थल के लिए 10 करोड़ से ज्यादा की राशि से स्वीकृति मिली। 20 से 25 किलोमीटर के बीच में नर्मदा परिक्रमावासियों के लिए आवश्यक भवन बनेगा। जल गंगा सर्वेक्षण अभियान 2025 में एसआईपीआरआई सॉफ्टवेयर को बनाया गया।

33 हजार ग्राम सहायक पदों पर होगी भर्ती: मंत्री पटेल

मंत्री पटेल ने बताया कि प्रदेश में 33 हजार ग्राम सहायक पदों पर भर्ती की जाएगी। आने वाले दो-तीन महीनों में भर्ती प्रक्रिया शुरू होगी। पंचायत सचिव के पदों को आधा रोजगार सहायकों के माध्यम से और आधा परीक्षा के जरिए भरा जाएगा। 'उत्तर' नामक एक समग्र पोर्टल विकसित किया गया है, जो नागरिकों और शासन के बीच संवाद का सशक्त माध्यम बनेगा।

दो मंजिला बनाए जाएंगे पंचायत और जनपद भवन

प्रहलाद पटेल ने बताया कि पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त बनाने के लिए 922 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से 2472 अतिरिक्त ग्राम सेवा सदन, 106 सुशासन भवन और पांच जिला सुशासन भवन स्वीकृत किए गए हैं। इसके अलावा जनपद पंचायत भवनों के लिए 557 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। अब पंचायत और जनपद भवन दो मंजिला बनाए जा सकेंगे।

कृषि मंत्री कंसाना ने दो साल की उपलब्धियों और योजनाओं की जानकारी दी

खाद के लिए लाइन में लगे किसान कांग्रेस का प्रीप्लान, प्रदेश में खाद पर्याप्त मात्रा में

मध्य प्रदेश में सरकार को 2 साल पूरे हो गए हैं। सभी मंत्री अपने विभागों की उपलब्धियों की जानकारी लेकर जनता के बीच आ रहे हैं। कृषि मंत्री एंदल सिंह कंसाना विभाग की जानकारी देते हुए सवालों के जवाब में उलझ गए हैं। उनसे सवाल किया गया है कि प्रदेश में किसान खाद के लिए लाइन लगाकर खड़े हुए हैं। कृषि मंत्री ने कहा कि खाद के लिए लाइन में लगे किसान कांग्रेस का प्रीप्लान है। लोगो को लाइन में लगा दिया जाता है फिर कोई थप्पड़ मारता है कोई हंगामा करता है। प्रदेश में खाद पर्याप्त मात्रा में है।

खाद को लेकर होने वाले प्रदेश फर्जी होते है। नकली खाद-बीज पर देश भर में मध्य प्रदेश में एफआईआर हुई है। हमने प्रदेश भर में 95 मामलों में एक्शन लेते हुए एफआईआर दर्ज की है। वहीं प्रदेश में किसानों का कर्ज माफी के प्रस्ताव के सवाल पर कहा कि हमारे घोषणा पत्र में किसान ऋण माफी नहीं है। यह तो कांग्रेस की घोषणा और किसान हुई कमलनाथ की वजह से डिफाल्टर हुए है। कृषि मंत्री एंदल सिंह कसाना ने बताया कि, कृषि विभाग का बजट 2002- 03 में 600 करोड़ था जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 27,050 करोड़ रु हो चूका है। इसके साथ ही कृषि का रकबा 2024-25 में 297 लाख हैक्टेयर हो गया। वहीं सिंचाई क्षमता 2024-25 में 55 लाख हैक्टेयर हो गई है। कृषि मंत्री ने बताया कि, मध्य प्रदेश मक्का उत्पादन में पहले नंबर पर और दलहन उत्पादन में तीसरे स्थान पर है। प्रदेश के 29 जिलों के 27 लाख 28 हजार किसानों को 1860.23 करोड़ की राहत राशि का वितरण हुआ।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते मंत्री कंसाना।

सरकार ने किसानों के लिए सिंचाई का रकबा बढ़ाया

वर्ष 2024-25 में 35 लाख से अधिक किसानों को 275.86 करोड़ दावा भुगतान किया गया। भावंतर योजना से किसानों को फायदा मिला है। सोयाबीन की फसल बेचने वाले किसानों को 400 करोड़ का भुगतान किया गया है। आने वाले दिनों एक और कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। जिसमें 600 करोड़ रुपए किसानों के खातों में ट्रांसफर किया जाएगा। सरकार ने किसानों के लिए सिंचाई का रकवा बढ़ाया है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष खंडेलवाल के नेतृत्व में बैतूल के विधायकों ने की भेंट

बैतूल में मेडिकल कॉलेज स्थापना के लिए विधायकगण ने माना मुख्यमंत्री के प्रति आभार

सीएम डॉ. यादव और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री नड्डा 23 दिसम्बर को करेंगे भूमिपूजन

बैतूल के कोसमी क्षेत्र में पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज की होगी स्थापना

चोपना के परिवारों के पट्टों के मामले के निराकरण का अनुरोध

विशेष प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से बैतूल विधायक तथा प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल के नेतृत्व में बैतूल जिले के विधायकों ने भेंट कर बैतूल को मेडिकल कॉलेज तथा अन्य सौगातें देने के लिए मुख्यमंत्री का आभार माना।

मुख्यमंत्री निवास पर हुई भेंट में विधायक सर्वश्री महेंद्र सिंह चौहान, डॉ. योगेश पंडाग्रे, चंद्रशेखर देशमुख तथा गंगाबाई उईके मौजूद रहीं। डॉ. यादव और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जेपी नड्डा बैतूल जिले के कोसमी क्षेत्र में पीपीपी मोड पर आरंभ हो रहे मेडिकल कॉलेज का 23 दिसम्बर को भूमिपूजन करेंगे।

वरिष्ठ विधायक व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष खंडेलवाल व विधायकों से चर्चा करते हुए सीएम डॉ. यादव।

उपचार के साथ मेडिकल की पढ़ाई में होगी सुविधा

विधायकों ने कहा कि जनजातीय और ग्रामीण बहुल बैतूल जिले में मेडिकल कॉलेज खुलने से ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्र के मरीजों को गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा जिले में ही मिल सकेगी। इससे स्वास्थ्य संकेतकों में सुधार हो सकेगा। पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज की स्थापना से क्षेत्र के विद्यार्थियों को मेडिकल की पढ़ाई में भी सुविधा होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव का विधायकों ने सारणी के सतपुड़ा ताप विद्युत गृह में लगभग 12 हजार करोड़ रुपए की लागत की 660 मेगावाट यूनिट इकाई की स्थापना की वर्षों पुरानी मांग स्वीकृत करने, भीमपुर में 100 बिस्तरीय अस्पताल और चिचोली में 50 बिस्तरीय अस्पताल की स्वीकृति देने के लिए भी आभार माना। डॉ. यादव से घोड़ाडोंगरी विधायक गंगा बाई उईके ने चोपना क्षेत्र के परिवारों के पट्टों के प्रकरणों के निराकरण के संबंध में भी अनुरोध किया।

लाडवा में कार्यक्रम के दौरान हरियाणा के सीएम बोले

भूमिहीन 7,000 परिवारों को जल्द मिलेंगे 100-100 गज के प्लॉट : नायब सिंह सैनी

इन प्लॉटधारकों को पीएम आवास योजना के साथ जोड़कर मकान निर्माण के लिए तय राशि दी जाएगी। सरकार ने मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत 15 हजार 500 परिवारों को 30 गज का प्लॉट देने का काम किया है।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ लाडवा (कुरुक्षेत्र)

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने शनिवार को कहा कि प्रदेश के भूमिहीन जरूतमंद 7 हजार लोगों को सरकार द्वारा जल्द ही 100-100 गज के प्लाट आबंटित किए जाएंगे। इन प्लॉट धारकों को पीएम आवास योजना के साथ जोडकर मकान निर्माण के लिए तय राशि दी जाएगी। इसी तरह मुख्यमंत्री शहरी आवास योजना के तहत करीब 15 हजार 500 परिवारों को 30 गज का प्लॉट देने का काम किया है और शीघ्र ही शहरी आवास योजना के तहत योग्य प्रार्थियों को दूसरी किस्त के रूप में 30-30 गज के प्लॉट आबंटित करेगी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि सरकार जल्द ही युवाओं के लिए विभिन्न पदों के लिए सरकारी भर्तियां निकाल कर नौकरियां देगी। मुख्यमंत्री शनिवार को लाडवा के गांव प्रलाहदपुर, बदरपुर व गांव बणी में धन्यवादी एवं जनसंवाद कार्यक्रम के दौरान संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम के बाद ग्रामीणों की लिखित में शिकायतें सुनीं और मौके पर ही समाधान करने के निर्देश दिए।

सीएम ने की महावाणिज्य दूत रेवाच से भेंट

इजरायली कंपनियां मप्र में निवेश की इच्छुक, कृषि-पर्यटन पर भी हुई चर्चा

मुम्बई प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने रेवाच से सौजन्य भेंट की।

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शुक्रवार को मुम्बई प्रवास के दौरान इजरायल के महावाणिज्य दूत यानिव रेवाच से सौजन्य भेंट की।

मुख्यमंत्री ने बताया कि इजरायली महावाणिज्य दूत रेवाच से कृषि, जल प्रबंधन, क्षमता निर्माण, पर्यटन जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में विकास के संबंध में चर्चा हुई। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि इजरायली कंपनियां मप्र में निवेश की इच्छुक हैं। इन इजरायली कंपनियों को मप्र सरकार की ओर से आवश्यक प्रोत्साहन, भूमि आवंटन, एकल-खिड़की मंजूरी और अन्य सुविधाएं प्रदान की जाएंगी।

एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने अपना 23वां स्थापना दिवस मनाया

नई दिल्ली। एग्रीकल्चर इंश्योरेंस कंपनी ऑफ इंडिया लिमिटेड ने आज अपना 23वां स्थापना दिवस मनाया, और किसान-केंद्रित बीमा समाधानों के माध्यम से भारत की कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता को दोहराया। स्थापना दिवस का विषय, ₹फसल सुनिश्चित करना और विश्वास कायम करना,₹ किसानों की आजीविका की सुरक्षा करते हुए हितधारकों के साथ दीर्घकालिक विश्वास बनाने पर एआईसी के निरंतर फोकस को दर्शाता है। पिछले कुछ वर्षों में, एआईसी ने किसानों को व्यापक जोखिम प्रबंधन सहायता प्रदान करने और कृषि क्षेत्र के लचीलेपन और स्थिरता में योगदान देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। , डॉ. लावण्या आर. मुंडयूर, अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक, एआईसी ने कहा "एआईसी में हमारा ध्यान कुशल, पारदर्शी और किसान-अनुकूल बीमा समाधान बनाने पर है। हम हर प्रक्रिया में ऑटोमेशन ला रहे हैं, और जल्द ही एआईसी एक पूरी तरह से डिजिटल कृषि और संबद्ध बीमा कंपनी के रूप में उभरेगी। यह परिवर्तन सेवा वितरण को और मजबूत करेगा और किसानों और हितधारकों के बीच विश्वास को बढ़ाएगा।"

पिता पर नाबालिग बच्ची से रेप का आरोप, गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कोरबा

जिले के पसान थाना क्षेत्र के ग्राम अमझर से देर रात एक सनसनीखेज मामला सामने आया। जानकारी के अनुसार, 13 वर्षीय नाबालिग लड़की ने अपने पिता पर कथित दुष्कर्म करने का आरोप लगाया।

पीड़िता ने देर रात अपने मोबाइल से मां को घटना की जानकारी दी। घटना की सूचना मिलते ही सुबह मां-बेटी थाने पहुंचीं और औपचारिक शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने आरोप के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि प्रकरण की जांच व आवश्यक कानूनी कार्रवाई जारी है, यह मामला उस समय सामने आया जब परिवार पर पहले से ही घरेलू तनाव की स्थिति बताई जा रही थी। पीड़िता की मां के अनुसार, पारिवारिक विवादों और दबाव के कारण वे कुछ समय पहले अपने मायके गई थीं।

सशस्त्र सीमा बल का 62वाँ स्थापना दिवस देवभूमि हिमाचल में हर्षोल्लास एवं गरिमा के साथ मनाया

नई दिल्ली। सशस्त्र सीमा बल का 62वाँ स्थापना दिवस देवभूमि हिमाचल प्रदेश में हर्षोल्लास एवं गरिमा के साथ मनाया गया। सशस्त्र सीमा बल का 62 वाँ स्थापना दिवस केन्द्रीयकृत प्रशिक्षण केन्द्रसपड़ी, जिला कांगड़ा, हिमाचल प्रदेश में अत्यंत हर्षोल्लास, अनुशासन एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। इस अवसर पर माननीय संजय रत्तन, विधायक, ज्वालामुखी; अशोक तिवारी, पुलिस महानिदेशक, हिमाचल प्रदेश; शहीदों के परिजन, सेवानिवृत्त अधिकारीगण, बल के वरिष्ठ अधिकारी, जवान एवं परिवारजन तथा प्रिंट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रतिनिधिगण उपस्थित रहे।यह प्रथम अवसर था जब सशस्त्र सीमा बल की स्थापना दिवस परेड का आयोजन हिमाचल प्रदेश में किया गया। समारोह का शुभारंभ "शहीद स्मारक" पर पुष्पांजलि अर्पित कर राष्ट्र की रक्षा में सर्वोच्च बलिदान देने वाले के 51 वीर बलिदानियों को श्रद्धांजलि अर्पित करने के साथ हुआ।

महानिदेशक, सशस्त्र सीमा बल श्री संजय सिंघल ने परेड का निरीक्षण कर, भव्य परेड की सलामी ली।.इस अवसर पर जवानों ने बल के ध्येय वाक्य "सेवा, सुरक्षा और बंधुत्व" के प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को दोहराया। सशस्त्र सीमा बल भारत–नेपाल की 1751 किलोमीटर तथा भारत–भूटान की 699 किलोमीटर लंबी खुली अंतरराष्ट्रीय सीमाओं की सुरक्षा के साथ-साथ आंतरिक सुरक्षा, नक्सल विरोधी अभियानों एवं विशेष प्रचालनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

परेड में बल की विभिन्न सीमांत इकाइयों एवं विशेष प्रचालनों से संबंधित 08 पैदल टुकड़ियों ने भाग लिया। अधिकारियों, अधीनस्थ अधिकारियों एवं जवानों द्वारा प्रस्तुत अनुशासित मार्च-पास्ट ने बल की उच्च प्रशिक्षण क्षमता, पेशेवर दक्षता एवं अनुकरणीय अनुशासन का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। ब्रास बैंड, पाइप्स एवं ड्रम्स बैंड तथा श्वान दस्ते का प्रदर्शन समारोह के प्रमुख आकर्षण रहे। महिला प्लाटून की प्रभावशाली सहभागिता ने समारोह को विशेष गरिमा प्रदान की। महिला जवानों द्वारा हथियारों के साथ प्रस्तुत सशक्त, आत्मविश्वास से परिपूर्ण मार्च ने बल में महिलाओं की प्रभावी भूमिका एवं परिचालन क्षमता का सशक्त संदेश दिया।

एम्स नई दिल्ली के आरडीए प्रेसिडेंट डॉ. साई ने ऑल इंडिया द्वितीय रैंक हासिल की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली में रेज़िडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन (आरडीए) के अध्यक्ष डॉ. साई कौस्तुभ ने एक महत्वपूर्ण अकादमिक उपलब्धि हासिल की है। उन्होंने अखिल भारतीय स्तर की सुपर-स्पेशियलिटीपरीक्षा में ऑल इंडिया मेरिट लिस्ट में द्वितीय रैंक प्राप्त कर सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी, हेपेटो-पैनक्रियाटो-बिलियरी एवं लिवर ट्रांसप्लांट सर्जरी जैसे अत्यंत प्रतिष्ठित सुपर-स्पेशियलिटी पाठ्यक्रम में (एम्स) नई दिल्ली मेंप्रवेश प्राप्त किया है। डॉ. साई कौस्तुभ की यह उपलब्धि न केवल उनकी असाधारण शैक्षणिक प्रतिभा को दर्शाती है, बल्कि सर्जरी के क्षेत्र मेंउनकी गहरी समझ, निरंतर परिश्रम एवं समर्पण का भी प्रमाण है। सर्जिकल गैस्ट्रोएंटरोलॉजी और लिवर ट्रांसप्लांटसर्जरी चिकित्सा विज्ञान के सबसे जटिल एवं चुनौतीपूर्ण क्षेत्रों में मानी जाती है, जहाँ प्रवेश पाना अत्यंत कठिन होता है।उल्लेखनीय है कि डॉ. साई कौस्तुभ वर्तमान में (एम्स) नई दिल्ली के रेज़िडेंट डॉक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष के रूप में भी अपनी सेवाएँ दे रहे हैं।

इस भूमिका में उन्होंने रेज़िडेंट डॉक्टरों से जुड़े विभिन्न शैक्षणिक एवं प्रशासनिक मुद्दों को प्रभावी ढंग से संस्थान एवं प्रशासन के समक्ष रखा है। उनकी यह सफलता युवा चिकित्सकों के लिए प्रेरणास्रोत है और यह दर्शाती है कि नेतृत्व क्षमता और अकादमिक उत्कृष्टता साथ-साथ आगे बढ़ सकती हैं।

2289 मतदान केंद्रों के हिसाब से तैयार की जा रही वोटर लिस्ट

दो लाख वोटर्स के बदल जाएंगे मतदान केंद्र, नाम कटने के बाद बने हालात

22 साल पहले दर्ज सवा पांच लाख मतदाता मिसिंग, 9 लाख परिवार से जुड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

चार नवंबर से 44 दिन तक चले स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन (एसआईआर) के बाद राजधानी की बैरसिया, उत्तर, नरेला, मध्य, दक्षिण पश्चिम, गोविंदपुरा और हुजूर की तस्वीर बदल दी है। इसके क्षेत्र में तो बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन वोटर्स की तादाद में भारी फेरबदल होने जा रहा है। अधिकतर विधानसभाओं में 12 हजार से लेकर एक लाख वोटर्स के नाम काटे जा रहे हैं।

ऐसे में शेष बचने वाले मतदाताओं के मतदान केंद्रों में भी खासा बदलाव होगा। जिसके तहत जिले के 2029 मतदान केंद्रों को बढ़ाकर 2289 किया गया है। जिससे 260 नए मतदान केंद्र वजूद में आ आएंगे। ऐसे में इन केंद्रों से जुड़े करीब दो लाख मतदाताओं के मतदान केंद्र में बदलाव किया जाएगा।

वर्ष-2022 में दर्ज थे 11 लाख 81 हजार 531 वोटर्स

फाइल फोटो

2289 करने का प्रस्ताव आयोग को भेजा

चुनाव आयोग ने एसआईआर शुरु होने के पहले ही 12 सौ मतदाताओं के हिसाब से मतदान केंद्रों की संख्या रखने की हिदायत दी थी। जिसके तहत भोपाल की सात विस के 2029 मतदान केंद्रों को बढ़ाकर 2289 करने का प्रस्ताव आयोग को भेजा था। जिसे आयोग ने मंजूर कर लिया है। जिसके तहत अब जिले में 260 नए मतदान केंद्र बनाए गए हैं।

एक केंद्र पर रहेंगे आठ सौ मतदाता

भोपाल में भारी तादाद में नाम काटे जाने की वजह से मतदान केंद्रों पर जुड़े मतदाताओं की संख्या खासी कम हो जाएगी। नए 260 मतदान केंद्रों के जुड़ने के बाद भोपाल में आठ सौ मतदाताओं के हिसाब से पोलिंग बूथ की लिस्ट तैयार होगी। निर्वाचन से जुड़े अफसरों का कहना है कि आने वाले समय में इन मतदान केंद्रों पर नए वोटर्स की तादाद बढ़ने से दिक्कत नहीं होगी।

चार लाख 38 हजार 876 नाम हटाना शुरु

वर्तमान में अनकलेक्टेबल जिसमें, मृत, एबसेंट, शिफ्टेड और डबल केटगरी वाले चार लाख 38 हजार 876 नाम हटाने का काम शुरु कर दिया है। जिसके बाद नए 260 मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की शिफ्टिंग की जाएगी। इधर नो मैपिंग वाले एक लाख 16 हजार 317 मतदाताओं के नोटिस भी जारी किए जाएंगे।

केंद्र सरकार का 'विकसित भारत- जी राम जी' बिल आखिर संसद में पारित हो गया। सत्ता पक्ष का तर्क है कि मनरेगा में समय के साथ कई संरचनात्मक खामियां पैदा हो गई थीं, जिनका लाभ भ्रष्ट तत्वों ने उठाया। नए विधेयक के जरिए सरकार मजदूरों को अधिक काम, बेहतर भुगतान व्यवस्था और पारदर्शिता देने की दिशा में आगे बढ़ रही है। अब काम की गारंटी 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है, तो यह मजदूरों के लिए सकारात्मक कदम होगा। उधर, प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने इसके नाम परिवर्तन पर विरोध जताया है। कांग्रेस का आरोप है कि इस योजना से महात्मा गांधी का नाम हटाना राष्ट्रपिता का अपमान है। वहीं, विपक्ष ने यह आशंका भी जताई कि धीरे-धीरे यह योजना अपने मूल स्वरूप से दूर हो जाएगी और भविष्य में इसे समाप्त करने का रास्ता तैयार किया जा रहा है। अब असली परीक्षा इस बात की होगी कि क्या गरीब मजदूर को नियमित काम, समय पर भुगतान और सम्मानजनक मजदूरी मिल पाती है या नहीं। फिलहाल, संसद की बहस और राजनीतिक घमासान के बीच देश की सबसे बड़ी रोजगार योजना एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है। इसी मुद्दे का विश्लेषण करता *आजकल* का यह खास अंक...

भरोसे की कसौटी पर 'जी राम जी'

विश्लेषण

सुशील देव

वरिष्ठ स्तंभकार

> **मजदूरों के हित में लाए गए 'विकसित भारत जी राम जी विधेयक को केंद्र सरकार मनरेगा का उन्नत और पारदर्शी विकल्प बता रही है, जबकि विपक्ष इसे लोकप्रिय योजना को कमजोर करने और महात्मा गांधी के नाम को हटाने का राजनीतिक प्रयास मान रहा है। संसद के भीतर और बाहर जिस तरह का शोर और आरोप–प्रत्यारोप देखने को मिले, उसने यह साफ कर दिया कि यह केवल एक प्रशासनिक सुधार का मुद्दा नहीं, बल्कि विचारधारा और राजनीति से भी गहराई से जुड़ा विषय है। उम्मीद करें कि मेहनतकश व्यक्ति को उनका सम्मानजनक रोजगार और सुरक्षित भविष्य मिलेगा।**

आखिरकार लंबी और तीखी राजनीतिक बहस के बाद 'जी राम जी' विधेयक लोकसभा में पारित हो गया। मजदूरों के हित में लाए गए इस विधेयक को केंद्र सरकार मनरेगा का उन्नत और पारदर्शी विकल्प बता रही है, जबकि विपक्ष इसे एक लोकप्रिय योजना को कमजोर करने और महात्मा गांधी के नाम को हटाने का राजनीतिक प्रयास मान रहा है। संसद के भीतर और बाहर जिस तरह का शोर, धक्का–मुक्की और आरोप–प्रत्यारोप देखने को मिले, उसने यह साफ कर दिया कि यह केवल एक प्रशासनिक सुधार का मुद्दा नहीं, बल्कि विचारधारा और राजनीति से भी गहराई से जुड़ा विषय है। सत्ता पक्ष का तर्क है कि 'विकसित भारत जी राम जी विधेयक 2025' के जरिए सरकार मजदूरों को अधिक काम, बेहतर भुगतान व्यवस्था और पारदर्शिता देने की दिशा में आगे बढ़ रही है। सरकार का दावा है कि मनरेगा में समय के साथ कई संरचनात्मक खामियां पैदा हो गई थीं, जिनका लाभ भ्रष्ट तत्वों ने उठाया। अनियमितताएं बढ़ीं।

नाम परिवर्तन पर विपक्ष नाराज

मजदूरी और निर्माण सामग्री के अनुपात में गड़बड़ी, फर्जी जॉब कार्ड, भुगतान में देरी और राज्यों में धन के दुरुपयोग जैसे आरोप लंबे समय से सामने आते रहे हैं। सरकार का कहना है कि नए विधेयक में तकनीक, निगरानी और जवाबदेही को मजबूत किया गया है, ताकि गरीब मजदूर तक योजना का वास्तविक लाभ पहुंचे।

वहीं विपक्ष की आपत्ति का केंद्र केवल प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि नाम परिवर्तन भी है। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दलों का आरोप है कि सरकार योजनाओं के नाम बदलने में ज्यादा रुचि रखती है, बजाय उनके प्रभावी क्रियान्वयन के। उनका कहना है कि मनरेगा से महात्मा गांधी का नाम हटाना केवल प्रतीकात्मक नहीं, बल्कि उस विचारधारा को कमजोर करने का प्रयास है, जो गांव, श्रम और आत्मनिर्भरता को केंद्र में रखती है। विपक्ष ने यह आशंका भी जताई कि धीरे-धीरे यह योजना अपने मूल स्वरूप से दूर हो जाएगी और भविष्य में इसे समाप्त करने का रास्ता तैयार किया जा रहा है। इसी कारण विपक्ष ने विधेयक को स्थायी समिति में भेजने की मांग की, ताकि विस्तृत चर्चा और संशोधन हो सकें, लेकिन यह मांग लोकसभा में खारिज कर दी गई। सरकार ने विपक्ष के इन आरोपों का तीखा जवाब दिया।

महिलाओं की भागीदारी बढ़ी

केंद्रीय ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सदन में कहा कि कांग्रेस ने महात्मा गांधी के नाम का इस्तेमाल राजनीतिक लाभ के लिए किया, जबकि उनके आदर्शों को जमीन पर लागू नहीं किया। उन्होंने याद दिलाया कि मनरेगा का मूल नाम 'नरेगा' था और 2009 के चुनाव से पहले इसमें महात्मा गांधी का नाम जोड़ा गया।

सरकार का दावा है कि मोदी सरकार ने गांधी के ग्राम स्वराज, स्वावलंबन और श्रम की गरिमा के विचारों को वास्तविक नीतियों में उतारने का प्रयास किया है। चौहान ने आंकड़ों के जरिए यह भी बताया कि कांग्रेस शासन के दौरान जहां 1660 करोड़ श्रम दिवस सृजित हुए, वहीं मौजूदा सरकार के दौरान यह आंकड़ा 3210 करोड़ तक पहुंचा। महिलाओं की भागीदारी भी 48 प्रतिशत से बढ़कर 56.73 प्रतिशत होने का दावा किया गया। सरकार की एक बड़ी दलील यह भी रही कि मनरेगा में मजदूरी और सामग्री खर्च का संतुलन कई राज्यों में बिगड़ा हुआ था। नियमों के अनुसार जहां 60 प्रतिशत राशि मजदूरी पर खर्च होनी चाहिए थी, वहां कई राज्यों में यह अनुपात कम कर दिया गया और सामग्री पर बेहद कम खर्च दिखाया गया। इससे न केवल काम की गुणवत्ता प्रभावित हुई, बल्कि भ्रष्टाचार के रास्ते भी खुले।

लूट-खसोट पर लगाम लगेगी

सरकार का कहना है कि 'जी राम जी' विधेयक में इन खामियों को दूर करने के लिए स्पष्ट प्रावधान किए गए हैं और तकनीकी निगरानी से लूट-खसोट पर लगाम लगेगी। हालांकि विपक्ष का यह सवाल भी वाजिब है कि किसी योजना की आत्मा केवल नियमों से नहीं, बल्कि राजनीतिक इच्छाशक्ति और ईमानदार क्रियान्वयन से तय होती है। मनरेगा ने अपने शुरुआती वर्षों में ग्रामीण अर्थव्यवस्था को संबल दिया, पलायन को रोका और संकट के समय लाखों परिवारों के लिए सुरक्षा कवच का काम किया। कोरोना काल में भी इस योजना ने ग्रामीण भारत को संभालने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। ऐसे में विपक्ष का डर है कि बदलाव की आड़ में यदि योजना की पहुंच या अधिकार कमजोर हुए, तो इसका सीधा असर सबसे गरीब वर्ग पर पड़ेगा। विपक्ष दलों ने संसद से सड़क तक इस विधेयक को लेकर विरोध जताया। कहा, महात्मा गांधी का नाम हटाकर सरकार ने उचित नहीं किया। विपक्ष ने इसे गांधी का अपमान भी बताया। सच यह भी है कि मनरेगा जैसी बड़ी योजना में खामियां रही हैं और कुछ राज्यों में केंद्र व राज्य-दोनों की जिम्मेदारी तय होती है। भुगतान में देरी, काम की उपलब्धता और निगरानी की समस्याएं वास्तविक रही हैं।

अब 125 दिन काम की गारंटी

यदि नया विधेयक इन समस्याओं को दूर करता है और सरकार का यह दावा सही साबित होता है कि अब काम की गारंटी 100 दिन से बढ़ाकर 125 दिन कर दी गई है, तो यह मजदूरों के लिए सकारात्मक कदम होगा। लेकिन इसके लिए जरूरी है कि पारदर्शिता केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि जमीनी स्तर पर भी दिखे। आखिरकार 'जी राम जी' विधेयक केवल नाम परिवर्तन या राजनीतिक जीत–हार का मुद्दा नहीं होना चाहिए। यह करोड़ों ग्रामीण मजदूरों की रोजी–रोटी से जुड़ा सवाल है। सत्ता पक्ष और विपक्ष-दोनों को चाहिए कि वे जल्दबाजी में निष्कर्ष निकालने के बजाय इसके क्रियान्वयन पर नजर रखें।

सुरक्षित भविष्य की उम्मीद

यदि सरकार वास्तव में गांधी के आदर्शों को जीवित रखने और विकसित गांव की नींव पर विकसित भारत बनाने का दावा कर रही है, तो उसे इस विधेयक को पूरी ईमानदारी से लागू करना होगा। वहीं विपक्ष की भूमिका भी केवल विरोध तक सीमित न रहकर रचनात्मक सुझाव देने की होनी चाहिए। उम्मीद की जानी चाहिए कि नए नाम और नए ढांचे के साथ यह योजना मजदूरों के काम के अधिकार को मजबूत करेगी, गांवों में टिकाऊ विकास को बढ़ावा देगी और राजनीति से ऊपर उठकर उस उद्देश्य को पूरा करेगी। उम्मीद करनी चाहिए कि मेहनतकश व्यक्ति को उनका सम्मानजनक रोजगार और सुरक्षित भविष्य मिलेगा।

नाम बदलने के साथ हकीकत भी बदले

नई योजना

रवि शंकर

स्वतंत्र पत्रकार

> ***असली परीक्षा इस बात की होगी कि क्या गरीब मजदूर को नियमित काम, समय पर भुगतान और सम्मानजनक मजदूरी मिल पाती है या नहीं। फिलहाल, देश की सबसे बड़ी रोजगार योजना एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है।***

शेक्सपियर के मशहूर नाटक रोमियो एंड जूलियट की एक लाइन है, जिसका अर्थ है- नाम में क्या रखा है। आज अगर शेक्सपियर होते तो भारत की संसद उन्हें बताती कि शेक्सपियर महोदय, नाम में बहुत कुछ रखा है। संसद अब सिर्फ नाम पर ही बहस करेगी क्योंकि मौजूदा नरेंद्र मोदी सरकार ने मनमोहन सरकार द्वारा लाई गई योजना महात्मा गांधी नेशनल रूरल एम्प्लॉयमेंट गारंटी एक्ट (मनरेगा) का नाम बदलकर विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन ग्रामीण (वीबी राम जी) कर दिया है। बहरहाल, विपक्ष ने इसका विरोध बिल के प्रावधानों के साथ ही ये कहकर भी किया कि महात्मा गांधी का नाम हटाना राष्ट्रपिता का अपमान है। ये पहली बार नहीं है जब मोदी सरकार पुरानी योजनाओं की जगह नए नाम के साथ स्कीम लाई हो। योजनाओं के नाम के साथ ही शहरों के नाम, सड़कों के नाम, जगहों के नाम बदले गए हैं। कांग्रेस का आरोप है कि 1975 से 2013 के बीच शुरू की गई 32 योजनाओं को मोदी सरकार ने नाम बदलकर लॉन्च किया। वह सरकार पर पुरानी योजनाओं की रीपैकेजिंग और रीब्रैंडिंग का इल्जाम लगाती रही है। गांधीजी का नाम हटाना उनकी विरासत को मिटाने की कोशिश है। सिर्फ नाम बदलकर क्रेडिट लेने की मांग है जबकि पहले मोदीजी इसे फेलियर का स्मारक कहते थे। जबकि सरकार का कहना है कि यह विकसित भारत 2047 के विजन से जुड़ा है और गांधीजी के विचारों से कोई विरोध नहीं है। नए कानून की सबसे बड़ी घोषणा है कि ग्रामीण परिवारों को मिलने वाले गारंटीड रोजगार के दिन 100 से बढ़ाकर 125 कर दिए जाएंगे। 25 दिन का अतिरिक्त रोजगार मिलने से उनकी आय में इजाफा होगा, साथ ही रोजगार सृजन के नए तरीके विकसित होंगे। पहली नजर में यह फैसला राहत भरा लगता है, लेकिन इसके साथ एक बड़ा बदलाव भी जुड़ा है। अब इस योजना का पूरा खर्च केंद्र सरकार नहीं उठाएगी। राज्यों को 10 से 40 प्रतिशत तक खर्च अपनी जेब से देना होगा। यानी जहां पहले मनरेगा पूरी तरह केंद्र प्रायोजित योजना थी, अब राज्यों पर आर्थिक बोझ बढ़ने वाला है। जमीनी हकीकत यही है कि गरीब राज्य यह योजना लागू नहीं कर पाएंगे क्योंकि उनके पास वित्तीय बोझ उठाने की क्षमता नहीं होगी और केन्द्र ने पहले ही खुद को यह कहकर निकल लेने का जुगाड़ कर लिया है। 'जी राम जी' बिल में एक और अहम प्रावधान है। बुवाई और कटाई के मौसम के दौरान करीब 60 दिन तक इस योजना के तहत काम नहीं दिया जाएगा। सरकार का तर्क है कि इससे खेती के समय मजदूरों की कमी नहीं होगी और किसान परेशान नहीं होंगे। विपक्ष का कहना है कि इससे गरीब मजदूरों को महीनों तक काम से वंचित रहना पड़ेगा। वहीं , मोदी सरकार द्वारा मनरेगा का नाम बदलने और रोजगार के दिनों की संख्या बढ़ाने का फैसला पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में होने वाले चुनावों को देखते हुए भी अहम माना जा रहा है।

अब नए बिल से सरकार विपक्ष के इस आरोप का जवाब देने की कोशिश करेगी। यह योजना बीजेपी और पश्चिम बंगाल की सत्ताधारी टीएमसी के बीच राजनीतिक विवाद का मुद्दा बनी हुई है, क्योंकि केंद्र ने कथित वित्तीय अनियमितताओं का हवाला देते हुए 2022 से पश्चिम बंगाल को निधि देना रोक रखा था। खैर, सियासत अपनी जगह है, लेकिन हकीकत यह है कि पिछले कुछ वर्षों में, सरकार मांग के अनुरूप 100 दिनों का काम उपलब्ध कराने के अनिवार्य दायित्व के बावजूद, प्रति वर्ष 50-55 दिनों से ज्यादा काम उपलब्ध कराने में लगातार विफल रही है। यह स्थिति तब है जब नौकरियों की मांग लगातार बढ़ी है और ग्रामीण क्षेत्रों का संकट और ज्यादा गहराया है। दूसरी तरफ, मनरेगा के लिए बजट आवंटन में लगातार कटौती की गई है। मनरेगा का उद्देश्य केवल रोजगार प्रदान करना ही नहीं है, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों में सड़क, तालाब निर्माण और वृक्षारोपण जैसी अवसंरचनात्मक परियोजनाएं कराकर स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना भी है। बेशक, 'जी राम जी' के नाम, काम के दिन और ढांचे में बदलाव जरूर बड़ा है, लेकिन असली सवाल यही है कि क्या इससे गांवों में रोजगार की स्थिति सच में सुधरेगी। अनुभव बताता है कि सिर्फ नाम बदलने और कागजी गारंटी बढ़ाने से जमीन पर बदलाव नहीं आता। असली परीक्षा इस बात की होगी कि क्या गरीब मजदूर को नियमित काम, समय पर भुगतान और सम्मानजनक मजदूरी मिल पाती है या नहीं। फिलहाल, संसद की बहस और राजनीतिक घमासान के बीच देश की सबसे बड़ी रोजगार योजना एक नए दौर में प्रवेश करने जा रही है।

उपयोगी सिद्ध होगी केंद्र सरकार की योजना

सार्थकता

विकेश कुमार बडोला

स्वतंत्र स्तंभकार

> ***परिवर्तनगामी मनरेगा द्वारा अपेक्षित जनकल्याणकारी लक्ष्य तो प्राप्त होंगे ही होंगे, साथ ही योजना की कमियों, दोषों तथा भ्रष्टाचार का भी निवारण हो सकेगा।***

देश के अधिसंख्यक नागरिकों, मतदाताओं व लोगों की दृष्टि में अस्तित्वहीन विपक्ष के अति अराजक प्रतिरोध के बाद अंततः 18 दिसंबर 2025 को 'विकसित भारत-जी राम जी विधेयक, 2025' लोकसभा में अधिमतों के साथ पारित हो गया। एक दिन पूर्व सभासदन में इस विधेयक पर व्यापक चर्चा हुई। ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा शीतकालीन सत्र में संसदीय पटल पर रखा गया विधेयक कांग्रेस समेत अन्य दलों के सांसदों को रास नहीं आया। विपक्ष का विरोधी आचरण मात्र विरोध के लिए दिखाई दिया।

विपक्षी सांसदों ने जो बातें उठाईं, उनकी कहीं कोई सार्थक उपयुक्तता नहीं दिखाई दी। उल्लेखनीय है कि पारित विधेयक 25 वर्ष पुराने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) का स्थान लेगा। हल्ला करने, बड़बोला आचरण दिखाने तथा देश के सभ्य नागरिकों की दृष्टि में स्वयं को अधिक से अधिक पतित करते हुए कहने को तो विपक्ष मनरेगा के नाम परिवर्तन को महात्मा गांधी के अपमान से जोड़ रहा है, पर विचार करने वाली बात ये है कि अखिल भारतीय रोजगार गारंटी की योजना का अपेक्षित क्रियान्वयन किसी व्यक्ति के नाम के साथ जुड़े रहने से होगा अथवा वर्तमान सत्ता, शासन-प्रशासन द्वारा लोकतांत्रिक निष्ठा के साथ इसके उपयोगी अद्यतनीकरण से होगा। विधेयक के महत्त्वपूर्ण परिवर्तनों में से एक है रोजगार दिवसों में 100 के स्थान पर 125 दिवसों की वृद्धि। मनरेगा को जी राम जी नाम के साथ अद्यतन करने वाले विधेयक पर सामान्य नागरिकों की पहली प्रतिक्रिया तो यही होगी कि यह इतना गंभीर विषय नहीं था, जो संसद से लेकर सड़क तक विरोध के नाम पर विरोध करके फैलाया व उठाया जाए। कांग्रेस की गठबंधन वाली सरकार के दो पंचवर्षीय कार्यकाल में मनरेगा से जुड़ा भ्रष्टाचार आये दिन लोगों के बीच चर्चा का विषय हुआ करता था। लोग कैसे भूल सकते हैं कि केंद्रीय शासन-प्रशासन से लेकर ग्रामों के प्रधानों तक ने आभासी मनरेगा रोजगार दिखाकर करोड़ों की धनराशि का हेरफेर किया था। अवैध घुसपैठियों को मनरेगा रोजगार के पत्र मिले हुए थे। धरातल पर इनमें से कोई भी व्यक्ति कोई रोजगार या कार्य नहीं करता था, किंतु इनके नाम पर धनाबंटन होता रहा और अवैध तंत्र में ऊपर से नीचे तक परस्पर विभाजित होता रहा। इस समय भारतीय संसद में विपक्ष का अस्तित्व शून्यगति को प्राप्त है। बात यदि जनता के हित की है, तो वो भलीभांति अवगत है कि ग्रामीण विकास मंत्री के नेतृत्व में जी राम जी योजना लोकहित में परिष्कृत की जा रही है। परिवर्तनगामी मनरेगा द्वारा अपेक्षित जनकल्याणकारी लक्ष्य तो प्राप्त होंगे ही होंगे, साथ ही योजना की कमियों, दोषों तथा भ्रष्टाचार का भी निवारण हो सकेगा।

ग्रामीण रोजगार योजना पर बने पक्ष-विपक्ष की सहमति

मुद्दा

योगेश कुमार सोनी

वरिष्ठ पत्रकार

मनरेगा पर एक बार फिर पक्ष-विपक्ष आमने-सामने आ गया। यह देश की एक बड़ी योजना है जो रीढ़ की हड्डी भी मानी जाती है और अब फिर से चर्चाओं में आ गई। मामला यह है कि कांग्रेस की अगुवाई वाली यूपीए सरकार के दौरान मनरेगा कानून आया था। यूपीए सरकार ने 2005 में 'ग्रामीण रोजगार गारंटी कानून' को लागू किया था और 2009 में इसके नाम के साथ 'महात्मा गांधी' जोड़ा गया। यह दुनिया की सबसे बड़ी ग्रामीण रोजगार योजना मानी जाती है।

पिछले दो दशकों से मनरेगा ग्रामीण रोजगार की रीढ़ रही है लेकिन अब मोदी सरकार ने मनरेगा का नाम बदलकर 'विकसित भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी 'वीबी-जी राम जी' बिल कर दिया है। संसद के दोनों सदन से यह बिल पास हो गया है लेकिन इसको विपक्ष के सवालों की बड़ी बौछार हो रही है। विपक्ष का कहना है कि इस अहम कानून में बदलाव करने के लिए जो राज्यों पर बहुत ज्यादा वित्तीय बोझ डालेंगे तो यह योजना निश्चित तौर विफल हो जाएगी, लेकिन इसके लिए पक्ष-विपक्ष को यह समझना चाहिए कि मनरेगा जैसी योजना पर राजनीति नही करनी चाहिए। चूंकि इस योजना से एक बड़ा वर्ग साधा जाता है। मनरेगा के मुख्य लाभों में अकुशल श्रमिकों को न्यूनतम मजदूरी का भुगतान, काम में लिंग-आधारित वेतन अंतर को खत्म करना, ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास आदि शामिल हैं। इन सब सुविधाओं व इसके लाभ लेने वाले वर्ग से यह तो तय हो जाता है कि इसमें कहीं भी राजनीति की जरूरत नहीं है। देश के उस वर्ग को लाभ देना जो जमीनी स्तर पर अपने काम से देश निर्माण में सबसे बड़ी भूमिका निभाता है,यह किसी भी सरकार का धर्म,फर्ज व कर्तव्य माना जाता है। यदि केवल नाम बदलने की बात है तो इसमें विपक्ष को हंगामा करने की जरूरत नहीं है। यदि सत्ताधारी पक्ष को इसमें

> **इस योजना की प्रक्रिया को सरल बनाया जाए। यदि विपक्ष इस योजना को लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहता है तो वह उस तरह के सुझाव दें जिससे जनता को अधिक से अधिक लाभ मिले।**

कुछ बदलाव करने हैं तो वह इस तरह के बदलाव करे जिससे लाभकारियों को फायदा मिले और इसकी प्रक्रिया को सरल बनाया जाए वहीं यदि विपक्ष इस योजना को लेकर अपनी उपस्थिति दर्ज कराना चाहता है तो वह उस तरह के सुझाव दें जिससे जनता को अधिक से अधिक लाभ मिले। राजनीति करने के लिए भारत जैसे देश में इतने मुद्दे हैं कि हर घंटे एक मुद्दे को उठाया या भुनाया जाए तो पक्ष-विपक्ष का पूरा वर्ष बीत जाएगा लेकिन कुछ मुद्दों पर केवल काम किया जाए वह बेहतर ही है। बीती कांग्रेस की सरकार में सैकड़ों योजनाएं लागू की गई थी, जिसमें जनता को लाभ भी मिला लेकिन हमेशा दलालों को बोलबाला रहता था। अब डिजिटल युग आने के बाद प्रक्रियाएं अपडेट व अपग्रेड हुई हैं लेकिन अब भी स्थिति पूर्ण रूप से लाभकारियों के नियंत्रण में नही है चूंकि किसी भी योजना के लिए लागू करने से ज्यादा उसके लिए जागरूक करना होता है।

कांग्रेस की ओर से बयान आया है कि केंद्र सरकार ने मनरेगा का नाम बदलने के साथ ही अब इसका बोझ राज्यों पर डाल दिया है। जो अधिकार पहले पंचायतों के पास थे, उन्हें अब छीनकर केंद्रीयकृत व्यवस्था को सौंपा जा रहा है। यह कदम महात्मा गांधी के आदर्शों का अपमान है और कांग्रेस इसका सख्ती से विरोध करेगी। यह समझना चाहिए कि यदि मौजूदा सरकार किसी भी योजना में बदलाव करती है तो यह तय नहीं है कि वह उसमें जनहित का ख्याल नहीं रखती बल्कि उसको पहले से बेहतर करके लागू करती है। कांग्रेस इस मामले में जरूरत से ज्यादा उपस्थिति दर्ज करवाते हुए खुद अपनी शुरू की हुई योजना पर सवालिया निशान खड़े कर रही है। चूंकि इस योजना को लेकर सबसे ज्यादा विरोध प्रदर्शन उनके ही कालखंड में हुआ था। प्रशासनिक जिम्मेदारी में राज्य सरकार की बड़ी भूमिका है।

इससे तय हो जाता है कि यह केन्द्र व राज्य सरकारों की तालमेल के साथ ही इतनी बड़ी योजना को अंजाम दिया जाता है। इसको लेकर विशेषज्ञों का मानना है कि यह भारत देश की सबसे अहम योजना है जिसके लिए हर रोज बेहतर होना अनिवार्य है व इस पर कोई राजनीति नहीं होनी चाहिए।

'विकसित भारत- जी राम जी विधेयक' से मजबूत होगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था

आर्थिकी

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

प्रसिद्ध अर्थशास्त्री

यकीनन इस समय देश की ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जुड़े हुए दो महत्वपूर्ण परिदृश्य उभरकर दिखाई दे रहे हैं। एक, ग्रामीण भारत में बढ़ती हुई आमदनी और बढ़ती हुई खपत के बीच गरीबी में लगातार कमी आ रही है। दो, हाल ही में 16 दिसंबर को सरकार के द्वारा संसद में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (मनरेगा) को रद्द करने और इसकी जगह 'विकसित भारत-गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण)' यानी वी बी जी राम जी नामक नया ग्रामीण रोजगार कानून लाने संबंधी स्वीकृत किया गया विधेयक कानून बनने के बाद ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देते हुए दिखाई देगा।

गौरतलब है कि देश के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में ग्रामीण भारत का योगदान बढ़ता जा रहा है। भारत ने 2024-25 में 35.77 करोड़ टन अनाज पैदा करके एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड बनाया है। पिछले दस सालों में भारत का खाद्यान्न उत्पादन 10 करोड़ टन बढ़ा है। ये खेती में आत्मनिर्भरता और गांवों के विकास की तरफ देश की लगातार बढ़ती प्रतिद्धता को दिखाता है। हाल ही में 11 दिसंबर को राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) के द्वारा जारी आठवें चरण के ग्रामीण आर्थिक स्थिति एवं भावना सर्वेक्षण (आरईसीएसएस) में बताया गया है कि देश में पिछले एक साल में ग्रामीण परिवारों की आमदनी बढ़ने से खर्च करने की क्षमता और इच्छा दोनों में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है। सर्वे के मुताबिक 80 फीसदी ग्रामीण परिवारों के द्वारा पिछले एक साल में अपनी खपत में वृद्धि की सूचना दी गई है। सर्वे यह भी बताता है कि निवेश और औपचारिक ऋण में भी रिकॉर्ड तेजी दर्ज की गई है जो बढ़ती आय के समानुपातिक मानी जा सकती है। 29.3 फीसदी ग्रामीण परिवारों ने पिछले एक साल में पूंजीगत निवेश (खेती और गैर-खेती दोनों क्षेत्रों में) बढ़ाया है। केवल औपचारिक स्त्रोतों (बैंक, सहकारी संस्थाएं आदि) से कर्ज लेने वाले परिवारों का हिस्सा 58.3 फीसदी हो गया, जो सितंबर 2024 के 48.7 फीसदी था। वस्तुतः ग्रामीण भारत में बढ़ती क्रयशक्ति, वास्तविक आय वृद्धि, जीएसटी सुधार, कम महंगाई और मजबूत सरकारी समर्थन का संयुक्त परिणाम है। गाँवों में भविष्य की आर्थिक स्थिति को लेकर विश्वास बढ़ने, ग्रामीण गरीबी में कमी, छोटे किसानों की साहूकारी कर्ज की निर्भरता में कमी, ग्रामीण खपत में वृद्धि, किसानों का जीवन स्तर

> **केंद्र सरकार को गांवों में साहूकारों और अनौपचारिक ऋणों पर निर्भरता घटाने के लिए बैंक शाखा विस्तार के अलावा नई रणनीति के तहत दूसरे कदम उठाने की भी जरूरत है।**

बढ़ने जैसी विभिन्न अनुकूलताओं से ग्रामीण भारत मजबूती की राह पर आगे बढ़ रहा है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) रिसर्च के द्वारा गरीबी पर जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि गरीबी में कमी शहरी इलाकों की तुलना में ग्रामीण इलाकों में अधिक तेजी से हुई है। जहाँ वर्ष 2011-12 में ग्रामीण गरीबी 25.7 प्रतिशत और शहरी गरीबी 13.7 प्रतिशत थी, वहीं वर्ष 2023-24 में ग्रामीण गरीबी घटकर 4.86 प्रतिशत और शहरी गरीबी घटकर 4.09 प्रतिशत पर आ गई है। इसमें कोई दो मत नहीं हैं कि वर्ष 2019 से शुरू की गई प्रधानमंत्री किसान सम्मान योजना देश के करोड़ों छोटे और सीमांत किसानों को वित्तीय मजबूती देते हुए दिखाई दे रही है। देश के गाँवों में अप्रैल 2020 से शुरु की गई पीएम स्वामित्व योजना के तहत ग्रामीणों को उनकी जमीन का कानूनी हक देकर उनके आर्थिक सशक्तिकरण का नया अध्याय लिखा जा रहा है। अब संसद में स्वीकृत किए गए वी बी जी राम जी विधेयक के कानून बनने के बाद ग्रामीण रोजगार योजना में बड़ा बदलाव आएगा। प्रत्येक परिवार के लिए रोजगार गारंटी कार्य दिवसों को 100 से बढ़ाकर 125 करने और मौजूदा फंडिंग संरचना को बदलने का प्रस्ताव है। केंद्र और राज्यों के बीच फंडिंग की हिस्सेदारी मौजूदा अधिकतम 90:10 अनुपात के मुकाबले 60:40 के अनुपात में होगी। मसौदा विधेयक में एक केंद्र प्रायोजित योजना के रूप में कार्य कर रही मनरेगा को एक केंद्रीय क्षेत्र योजना में बदल दिया गया है। ग्रामीण रोजगार स्वाभाविक रूप से स्थानीय है और राज्यों को अब लागत और जिम्मेदारी साझा करनी होगी। जीराम जी के कानून बनने के बाद भी हमें ग्रामीण भारत के विकास और किसानों की प्रगति के लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा। गाँवों में साहूकारों और अनौपचारिक ऋणों पर निर्भरता घटाने के लिए बैंक शाखा विस्तार के अलावा नई रणनीति के तहत दूसरे कदम उठाने की जरूरत है। सरकार ने किसानों को साहूकारों के चंगुल से बचाने के लिए जो कानून बनाए हैं, उन कानूनों के पर्याप्त परिपालन पर ध्यान देना होगा।

ग्रामीण ऋण लागत कम करने और विश्वास बढ़ाने के लिए तकनीक का लाभ उठाया जाना होगा। औपचारिक ऋणों के लिए बेहतर प्रोत्साहन और डिजिटल उपकरणों से लैस बैंक प्रतिनिधियों को ग्रामीण परिवारों और संस्थानों के बीच समन्वय का माध्यम बनाया जाना होगा। नए दौर की कौशल युक्त शिक्षा तथा ग्रामीण बेरोजगारी जैसी चुनौतियों के निराकरण के लिए अधिक रणनीतिक प्रयास किए जाने होंगे। उम्मीद करें कि सरकार ग्रामीण भारत में बढ़ती हुई आमदनी और बढ़ती खपत के सुकूनदेह परिदृश्य के बीच मनरेगा के बदलाव के बाद जो वी बी जी राम जी कानून लाने जा रही है, उससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सकेगी और विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिलेगी ।

वीडियो संदेश जारी कर सोनिया ने केंद्र पर साधा निशाना

'क्रांतिकारी कदम' मनरेगा पर सरकार ने बुलडोजर चला दिया, नाम भी बदल दिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्र की एनडीए सरकार संसद के शीतकालीन सत्र में मनरेगा की जगह पर 'वीबी-जी राम जी' बिल लेकर आई। इस बिल को संसद के दोनों सदनों में पास कर दिया गया हैं। इसके पास होने पर कांग्रेस संसदीय दल की चेयरपर्सन सोनिया गांधी ने एक वीडियो संदेश जारी किया है। सोनियाने 20 साल पहले लाए गए मनरेगा कानून को क्रांतिकारी कदम बताया। उन्होंने अब नए कानून को लेकर सोनिया गांधी ने कहा कि सरकार ने मनरेगा पर बुलडोजर चला दिया। सोनिया ने कहा कि अब किसको, कितना, कहां और किस तरह रोजगार मिलेगा, यह जमीनी हकीकत से दूर दिल्ली में बैठकर सरकार तय करेगी।

20 साल पहले लाया गया था

सोनिया ने कहा कि 20 साल पहले डॉ. मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री थे, तब संसद में मनरेगा कानून आम राय से पास किया गया था। यह ऐसा क्रांतिकारी कदम था, जिसका फायदा करोड़ों ग्रामीण परिवारों को मिला था।

गरीबों के हितों पर किया हमला

सोनिया ने कहा कि कांग्रेस का मनरेगा को लाने और लागू करने में बड़ा योगदान था, लेकिन यह पार्टी से जुड़ा मामला कभी नहीं था। ये देशहित और जनहित से जुड़ी योजना थी। मोदी सरकार ने इस कानून को कमजोर करके देश के करोड़ों किसानों, श्रमिकों और भूमिहीन ग्रामीण वर्ग के गरीबों के हितों पर हमला किया है। इस हमले का मुकाबला करने के लिए हम सब तैयार हैं।

सरकार ने गरीबों और वंचितों के हितों को नजरअंदाज किया

सोनिया ने कहा कि पिछले 11 साल में मोदी सरकार ने ग्रामीण क्षेत्रों के बेरोजगार, गरीबों और वंचितों के हितों को नजरअंदाज कर मनरेगा को कमजोर करने की हर कोशिश की, जबकि कोविड के वक्त ये गरीब वर्ग के लिए संजीवनी साबित हुआ। लेकिन बहुत अफसोस की बात है कि अभी हाल में सरकार ने मनरेगा पर बुलडोजर चला दिया।

जयराम ने परमाणु विधेयक पर साधा निशाना

हमें सब कुछ मालूम हो गया प्रधानमंत्री ने शांति बिल जबरन क्यों पास कराया?

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कांग्रेस ने शनिवार को आरोप लगाया कि परमाणु विधेयक शांति बिल को संसद में सिर्फ इसलिए जबरन पारित कराया गया ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने एक समय के अच्छे दोस्त के साथ शांति बहाल कर सकें। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने हालांकि किसी का नाम नहीं लिया। जयराम ने कहा कि शांति बिल 'सिविल लायबिलिटी फॉर न्यूक्लियर डैमेज एक्ट' के मुख्य प्रावधानों को खत्म करता है और यह एक चिंता का विषय है। कांग्रेस ने आरोप लगाया कि संयुक्त राज्य अमेरिका के नेशनल डिफेंस ऑथराइजेशन एक्ट 2026 में भी इसे लेकर चिंता जताई गई है।

अच्छे 'दोस्त' के साथ शांति बहाल करने के लिए

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिकी वित्तीय वर्ष 2026 के लिए नेशनल डिफेंस ऑथराइजेशन एक्ट पर हस्ताक्षर किए हैं। यह एक्ट 3,100 पन्नों का है। अब हमें पक्का पता चल गया है कि प्रधानमंत्री ने इस हफ्ते की शुरुआत में संसद में शांति बिल को जल्दबाजी में पास कराया। यह उनके एक समय के अच्छे दोस्त के साथ शांति बहाल करने के लिए था।

अमेरिकी एक्ट में पेज 1,912 पर भारत का जिक्र

अमेरिकी एक्ट के पेज 1,912 पर 'न्यूक्लियर लायबिलिटी नियमों पर संयुक्त राज्य अमेरिका और भारत के बीच संयुक्त मूल्यांकन' शीर्षक के तहत एक सेक्शन है। जिसमें कहा गया है कि 'विदेश सचिव, अन्य संबंधित संघीय विभागों और एजेंसियों के प्रमुखों के परामर्श से, अमेरिकी-भारत रणनीतिक सुरक्षा संवाद के भीतर भारत गणराज्य की सरकार के साथ एक संयुक्त परामर्श तंत्र स्थापित किया जाएगा, जो नियमित आधार पर बैठक करेगा। इसमें कहा गया है कि भारत के घरेलू परमाणु दायित्व नियमों को अंतरराष्ट्रीय मानदंडों के साथ संरेखित करने पर चर्चा की जाएगी।

खबर संक्षेप

सीएम धामी ने थामा रैकेट, फिट रहने को कहा

देहरादून। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को बहुउद्देशीय क्रीड़ा हॉल, परेड ग्राउंड, देहरादून में

उत्तराखंड सचिवालय बैडमिंटन क्लब द्वारा आयोजित 10वीं अंतर्विभागीय बैडमिंटन स्पर्धा का शुभारंभ किया। उन्होंने यहां बैडमिंटन कोर्ट में बैडमिंटन भी खेला। खेल जीवन में अनुशासन के साथ-साथ तनाव को दूर करता है। शरीर को फिट रखता है।

शाह से मिले नायडू प्रोजेक्ट पर की बात

नई दिल्ली। आंध्र प्रदेश के सीएम चंद्रबाबू नायडू ने शुक्रवार को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित

शाह से मुलाकात की और राज्य में चल रहे कई अहम प्रोजेक्ट्स की प्रगति पर चर्चा की। नायडू ने विशाखापत्तनम में सीआईआई पार्टनरशिप समिट में मिले सकारात्मक निवेशक प्रतिक्रिया पर जोर दिया, जहां बड़ी कंपनियों ने दिलचस्पी दिखाई है।

3 भाजपा समर्थकों की ट्रेन हादसे में मौत

नादिया। पीएम मोदी आज पश्चिम बंगाल के दौरे पर हैं। ऐसे में एक दुखद घटना सामने आई है। नादिया

जिले के ताहेरपुर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सभा में शामिल होने जा रहे मुर्शिदाबाद के 3भाजपा समर्थकों की ट्रेन हादसे में मौत हो गई। यह घटना शुक्रवार तड़के ताहेरपुर स्टेशन के पास रेलवे ट्रैक के किनारे हुई। मृतकों में रामप्रसाद घोष सबलदहा, बरंजा के थे।

राजस्थान में 25 ट्रेनें लेट,10 उड़ानें प्रभावित

जयपुर। राजस्थान में शीतलहर और कोहरे का डबल अटैक जारी है। सुबह और रात में कोहरे की

वजह से 25 ट्रेन का टाइम-टेबल प्रभावित हुआ है। शुक्रवार को सिर्फ जयपुर एयरपोर्ट से 7 विमानों ने तय समय से देरी से उड़ान भरी जबकि कुछ का समय बदला गया है। आईएमडी ने न्यूनतम तापमान में औसतन एक से दो डिग्री तक की गिरावट का अलर्ट जारी किया है।

पूर्व अग्निवीरों का कोटा 50 फीसदी

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्रालय ने सीमा सुरभा बल में कांस्टेबल भर्ती के लिए पूर्व अग्निवीरों का कोटा 10 फीसदी से बढ़ाकर 50 फीसदी कर दिया है। यह वृद्धि सीमा सुरक्षा बल, जनरल ड्यूटी कैडर भर्ती नियम 2015 में संशोधन के जरिये की गई है। पूर्व अग्निवीरों के पहले बैच को ऊपरी आयु सीमा में पांच साल तक की, जबकि बाकी पूर्व अग्निवीरों को तीन साल की छूट मिलेगी। अधिसूचना में कहा गया है कि पूर्व अग्निवीरों को शारीरिक मानक परीक्षण और शारीरिक दक्षता परीक्षण से भी छूट दी जाएगी।

भोपाल में हुई शहरी विकास मंत्रियों की क्षेत्रीय बैठक

केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा

आजादी के '100 साल' ध्यान में रख तैयार करें शहरों के विकास की योजना

बैठक में मप्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान, दिल्ली और उत्तरप्रदेश के शहरी विकास मंत्री, राज्य मंत्री, भारत सरकार एवं राज्यों के अधिकारी शामिल थे

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने कहा कि वर्ष @2047 तक भारत की शहरी आबादी अनुमान के मुताबिक कुल आबादी की 50 फीसदी तक हो जाएगी। जब हम इसे ध्यान में रख कर शहरी योजनाओं का क्रियान्वयन करेंगे, तभी विकसित और आत्मनिर्भर भारत बना सकेंगे।

उन्होंने कहा कि शहरी कार्य मंत्रालय ने योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन के लिए देश में क्षेत्रवार राज्यों की बैठक करने का निर्णय लिया है। हर राज्य की भौगोलिक स्थिति और परेशानियां अलग है। खट्टर ने कहा कि राज्यों के विकास के लिए केंद्र सपोर्टिंग सिस्टम के रूप में काम करती है, ठोस प्रयास तो राज्य सरकारों को ही करना होगा। खट्टर शनिवार को भोपाल के कुशाभाऊ इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में शहरी विकास मंत्रियों की क्षेत्रीय बैठक (उत्तरी एवं मध्य राज्य) में बोल रहे थे। बैठक में मप्र, छत्तीसगढ़, राजस्थान, दिल्ली और उत्तरप्रदेश के शहरी विकास मंत्री, राज्य मंत्री, भारत सरकार एवं राज्यों के अधिकारी शामिल रहे।

केंद्र सरकार सपोर्टिंग सिस्टम के रूप में काम कर रही

भोपाल के कुशाभाऊ इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर मे शहरी विकास मंत्रियों की क्षेत्रीय बैठक

विकसित और आत्मनिर्भर भारत बनाने के लिये समन्वय से करें योजना का क्रियान्वयन

अधोसंरचना विकास के कार्यों में बजट का हो सही उपयोग

पीएम आवास की सुरक्षा की गारंटी राज्य सरकारें दें

बैठक में बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) में 9 लाख 46 हजार आवासों में 8 लाख 79 हजार आवास निर्माण किए जा चुके हैं। पूर्ण आवासों के आधार पर मप्र प्रथम सर्वश्रेष्ठ राज्यों में शामिल है। योजना 2.0 में 60 हजार आवासों को स्वीकृति दी जा चुकी है। जिन्हें योजना में मकान बनाए जा चुके हैं, उनकी सुरक्षा की गारंटी राज्य सरकार को देना चाहिए।

जिस कार्य के लिए केंद्र की राशि, उसे वहीं खर्च की जाए

खट्टर ने कहा कि केंद्र सरकार से मिलने वाली राशि का उपयोग उसी कार्य के लिए होना चाहिए, जिस कार्य के लिए राशि दी गई हो। उसे अन्य मदों में खर्च नहीं किया जा सकता। शहरों के विकास के लिए केंद्र सरकार से मिलने वाली बजट राशि का पूरा उपयोग समय पर किया जाए। खट्टर ने कहा कि क्षेत्रीय बैठक में प्रधानमंत्री आवास योजना, अमृत योजना, स्वच्छ भारत मिशन और शहरी परिवहन व्यवस्था पर मुख्य रूप से चर्चा की जा रही है।

मप्र में नगरीय निकायों को बनाया जा रहा आत्मनिर्भर

मप्र के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि प्रदेश के नगरीय निकायों को आर्थिक और तकनीकी रूप से आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। नर्मदा नदी के किनारे बसे शहरों में सीवरेज कार्य को प्राथमिकता दी गई है। राज्य सरकार ने संकल्प लिया है कि नर्मदा नदी में गंदा पानी न मिलाया जाए। उन्होंने बताया कि प्रदेश की नगरीय क्षेत्रों में संपत्तियों की जीआई मैपिंग की गई है। इस कार्य से संपत्ति कर में 150 प्रतिशत तक वृद्धि हुई है। उन्होंने अमृत योजना में अधूरे कामों को पूरा करने के लिये केंद्र से मदद दिए जाने का आग्रह किया।

स्कूलों के नाम में ग्लोबल इंटरनेशनल लगाना बैन

एजेंसी ▶▶ मुंबई

महाराष्ट्र सरकार ने पात्रता के बिना स्कूलों के इंटरनेशनल या ग्लोबल शब्दों के प्रयोग पर रोक लगा दी है। स्कूल अब अपने नाम में 'अंतरराष्ट्रीय' या 'वैश्विक' जैसे शब्दों का प्रयोग नहीं कर सकेंगे। जब तक कि वे विदेशों में परिसर का होना अथवा अंतरराष्ट्रीय पाठ्यक्रम प्रदान करना जैसे कुछ विशिष्ट पात्रता मानदंडों को पूरा न करें।

इस निर्णय का उद्देश्य अभिभावकों के बीच भ्रम को रोकना और शिक्षा क्षेत्र में पारदर्शिता सुनिश्चित करना है।

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

(धारा 82 सीआरपीसी/84 भा.न.स.स.देखिए)

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि **सुरेंद्र** पुत्र राम मूर्ति, निवासी- मकान नंबर 94, के ब्लॉक, जेजे कॉलोनी, बवाना, दिल्ली ने **प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 0000202/22 धारा 420/34 भा.द.स, 147/179 आईआर अधिनियम, थाना हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है की किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह कह कर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **सुरेंद्र** मिल नहीं रहा और मुझे समाधानप्रद रूप से दर्शित कर दिया गया है की उक्त अभियुक्त **सुरेंद्र** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इस लिए इस के द्वारा उद्घोषणा कि जाती है की उक्त अभियुक्त **सुरेंद्र, प्रथम सूचना रिपोर्ट संख्या 0000202/22 धारा 420/34 भा.द.स, 147/179 आईआर अधिनियम, थाना हजरत निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन, दिल्ली** न्यायालय के समक्ष या मेरे समक्ष उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **21.01.2026** को या उससे पहले हाजिर हो।

आदेश से
श्री मनुज कौशल
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी-04 (सेंट्रल)
कोर्ट रूम नंबर 37
तीस हजारी न्यायालय, दिल्ली

DP/17058/RLY/2025

पीएम ने किया गुवाहाटी एयरपोर्ट के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन

असम को ईस्ट पाकिस्तान का हिस्सा बनाने की साजिश हो रही

गुवाहाटी। पीएम नरेंद्र मोदी ने शनिवार को असम में लोकप्रिय गोपीनाथ बोरदोलोई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया।अदाणी समूह द्वारा संचालित गोपीनाथ बरदोलोई इंटरनेशनल एयरपोर्ट का बड़े पैमाने पर विस्तार किया जा रहा है, ताकि गुवाहाटी को पूर्वोत्तर भारत का प्रमुख विमानन केंद्र और दक्षिणपूर्व एशिया का प्रवेश द्वार बनाया जा सक। 5,000 करोड़ की इस परियोजना में 13.1 एमपीपीए क्षमता वाला एक नया प्रकृति-थीम वाला टर्मिनल, उन्नत रनवे और एयरसाइड बुनियादी ढांचा, और नियोजित कार्गो और एमआरओ सुविधाएं शामिल हैं।

कांग्रेस ने दशकों तक पूरे क्षेत्र की उपेक्षा की

प्रधानमंत्री गुवाहाटी में कांग्रेस पर निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की सरकारों के लिए असम और पूर्वोत्तर का विकास उनके एजेंडे में ही नहीं था, बल्कि असम को ईस्ट पाकिस्तान का हिस्सा बनाने की साजिश रची जा रही थी। कांग्रेस ने दशकों तक क्षेत्र की उपेक्षा की।

मेरे लिए असम का विकास प्राथमिकता, बिना पर्ची, बिना खर्ची कार्यक्रम हो गया बंद

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस 6-7 दशकों तक गलतियां करती रही, मोदी एक-एक करके उन गलतियों को सुधार रहा है। मेरे लिए असम का विकास जरूरत भी है, जिम्मेदारी भी है और इसकी जवाबदेही भी है। इसलिए पिछले 11 सालों में असम, पूर्वोत्तर के लिए लाखों-करोड़ो की परियोजनाएं शुरू हुई हैं। असम भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) लागू करने में नंबर एक राज्य बना है। कांग्रेस के समय असम में बिना पर्ची, बिना खर्ची के सरकारी नौकरी मिलना असंभव था, लेकिन आज यहां हजारों युवाओं को बिना पर्ची, बिना खर्ची के नौकरी मिल रही है।

सीतारमण ने स्कूल में लॉन्च की सुविधा

कर्नाटक के स्कूलों में पढ़ाया जाएगा एआई, स्टेम व रोबोटिक्स

छात्रों को आधुनिक तकनीकों की जानकारी मिलेगी

एजेंसी ▶▶ बेंगलुरु

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शनिवार को कर्नाटक में साइएंट एआई लैब (विजयपथ) पहल की शुरुआत की। इसा उद्देश्य सरकारी स्कूलों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), एसटीईएम (स्टेम) और रोबोटिक्स शिक्षा तक आसान और समान पहुंच सुनिश्चित करना है। यह योजना होसपेटे तालुक के एक बालिका सरकारी स्कूल में लॉन्च की गई। वित्त मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इस पहल से जुड़ी तस्वीरें साझा की। पायलट प्रोजेक्ट के तहत सरकारी स्कूलों में पांच अत्याधुनिक एआई, एसटीईएम और रोबोटिक्स लैब स्थापित की जा रही हैं।

लैब्स में मिलेंगी कई सुविधाएं

इन लैब्स में हाई-परफॉर्मेंस कंप्यूटर, एआई के लिए तैयार सॉफ्टवेयर, रोबोटिक्स किट, इंटरनेट ऑफ थिंग्स डिवाइस, सेंसर और सुरक्षित ब्रॉडबैंड कनेक्टिविटी की सुविधा दी जाएगी। छात्र आधुनिक तकनीकों से सीधे जुड़ सकेंगे। सीतारमण ने यह बात कही।

भाटिया ने राहुल की जर्मनी में कॉर्नेलिया से मुलाकात पर जताई आपत्ति

राष्ट्रीय हितों के खिलाफ कर रहे गतिविधियां

विदेश दौरों के दौरान भारत-विरोधी ताकतों से मुलाकात करते हैं राहुल गांधीः भाजपा

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भाजपा ने शनिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी विदेश दौरों के दौरान भारत-विरोधी ताकतों से मुलाकात करते हैं। साथ ही राष्ट्रीय हितों के खिलाफ गतिविधियों में शामिल रहते हैं।

भाजपा प्रवक्ता गौरव भाटिया ने दिल्ली में प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि राहुल गांधी अक्सर संसद सत्र के दौरान विदेश यात्राओं पर चले जाते हैं। उन्होंने उदाहरण के तौर पर राहुल के हालिया जर्मनी दौरे का जिक्र किया। भाटिया ने कहा कि नेता प्रतिपक्ष की प्राथमिक जिम्मेदारी है कि जब संसद सत्र चले तब वह सदन में मौजूद रहे, लेकिन राहुल विदेश चले गए। राहुल संसद के लगभग हर सत्र के दौरान या उससे पहले विदेश क्यों जाते हैं।

राहुल ने जर्मनी में हर्टी स्कूल में प्रो. डॉ. कॉर्नेलिया वोल से मुलाकात की। भाटिया ने दावा किया कि वोल सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी के ट्रस्टियों में से एक हैं, जिसे अमेरिकी निवेशक जॉर्ज सोरोस के ओपन सोसाइटी फाउंडेशन से फंडिंग मिलती है। राहुल गांधी और निवेशक जॉर्ज सोरोस के बीच कथित संबंध हैं। उन्होंने ओपन सोसाइटी फाउंडेशन और सेंट्रल यूरोपियन यूनिवर्सिटी का हवाला देते हुए कहा कि इन संस्थाओं के भारत-विरोधी गतिविधियों से संबंध रहे हैं।

सोरोस भारत विरोधी बयान देते हैं और भारत में अशांति फैलाने तथा देश की अखंडता और संप्रभुता पर हमला करने के लिए धन देते हैं।भाटिया ने कहा कि यह पहली बार नहीं है जब राहुल गांधी इस तरह की भारत-विरोधी गतिविधियों में शामिल पाए गए हैं। जॉर्ज सोरोस भारतीय नहीं हैं, वे विदेशी हैं। लेकिन राहुल गांधी ने तो संविधान की रक्षा की शपथ ली है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी विदेश जाकर उन लोगों से मिलते हैं जो भारत विरोधी हैं।

यह कैसा भारत-विरोधी एजेंडा है, जिसमें देश का नेता प्रतिपक्ष ऐसी ताकतों से मिलकर भारत के खिलाफ साजिश कर रहा है? भाजपा प्रवक्ता ने दावा किया कि राहुल गांधी और जॉर्ज सोरोस के विचार एक जैसे हैं। उन्होंने कहा कि यह समझना जरूरी है कि राहुल गांधी किन लोगों से मिल रहे हैं और उनका एजेंडा क्या है। भाटिया ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी भारत विरोधी लोगों के साथ मिलकर षड्यंत्र कर रहे हैं।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण सूचना

रेलयात्रियों की संख्या में वृद्धि को देखते हुए रेलवे द्वारा निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियाँ संचालित करने का निर्णय लिया गया है, जिनका विवरण निम्नानुसार है:–

02417/02418 प्रयागराज जं. – शकूरबस्ती – प्रयागराज जं. स्पेशल रेलगाड़ी — 06 फेरे

गाड़ी सं. 02417 आगमन	गाड़ी सं. 02417 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 02418 आगमन	गाड़ी सं. 02418 प्रस्थान
--	23:20	प्रयागराज जं.	04:30	--
12:15	--	शकूरबस्ती	--	13:50

चलने के दिन: **02417 प्रयागराज जं.** से (प्रत्येक रविवार एवं शुक्रवार) को दिनांक 21.12.2025 से 28.12.2025 तक और **02418 शकूरबस्ती** से (प्रत्येक सोमवार एवं शनिवार) को दिनांक 22.12.2025 से 29.12.2025 तक। स्थान: प्रथम वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा जं., टुण्डला जं., अलीगढ़ जं. एवं नई दिल्ली स्टेशन।

02275/02276 प्रयागराज जं. – शकूरबस्ती – प्रयागराज जं. स्पेशल रेलगाड़ी — 05 फेरे

गाड़ी सं. 02275 आगमन	गाड़ी सं. 02275 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 02276 आगमन	गाड़ी सं. 02276 प्रस्थान
--	23:20	प्रयागराज जं.	04:30	--
12:15	--	शकूरबस्ती	--	13:50

चलने के दिन: **02275 प्रयागराज जं.** से (प्रत्येक शनिवार एवं गुरूवार) को दिनांक 27.12.2025 तक और **02276 शकूरबस्ती** से (प्रत्येक रविवार एवं शुक्रवार) को दिनांक 21.12.2025 से 28.12.2025 तक।
स्थान: प्रथम वाता., 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव फतेहपुर, गोविंदपुरी, इटावा जं., टुण्डला जं., अलीगढ़ जं. एवं नई दिल्ली स्टेशन।

04694/04693 अमृतसर जं. – मडगाँव जं. – अमृतसर जं. आरक्षित स्पेशल एक्सप्रेस रेलगाड़ी — 06 फेरे

गाड़ी सं. 04694 आगमन	गाड़ी सं. 04694 प्रस्थान	स्टेशन	गाड़ी सं. 04693 आगमन	गाड़ी सं. 04693 प्रस्थान
--	05:10	अमृतसर जं.	04:30	--
23:55	--	मडगाँव जं.	--	08:00

चलने के दिन: **04694 अमृतसर जं.** से (सोमवार, शनिवार एवं गुरूवार) को दिनांक 22.12.2025, 27.12.2025 एवं 01.01.2026 को और **04693 मडगाँव जं.** से (बुधवार, सोमवार एवं शनिवार) को दिनांक 24.12.2025, 29.12.2025 एवं 03.01.2026 को।
स्थान: 3 टियर वाता., 3 टियर वाता. इकोनॉमी, शयनयान एवं सामान्य।
ठहराव ब्यास, जलंधर सिटी, लुधियाना जं., अम्बाला कैंट, पानीपत, दिल्ली सफदरजंग, मथुरा जं., गंगापुर सिटी, सवाई माधोपुर जं., कोटा जं., रतलाम जं., वडोदरा जं., सूरत, वसई रोड, पनवेल, रोहे, मानगाँव, खेड, चिपलून, संगमेश्वर रोड, रत्नागिरी, राजापुर रोड, कणकवली, कुडाल, सावंतवाड़ी रोड, थिविम और करमली स्टेशन।

रेलयात्रियों से अनुरोध है कि किसी भी अन्य सूचना और विस्तृत समय–सारणी की जानकारी के लिए रेलमदद हेल्पलाईन नं. 139 पर सम्पर्क करें अथवा रेलवे की वेबसाइट https://enquiry.indianrail.gov.in अथवा NTES App. देखें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे

हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

3940/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

निवेश लिए अगले साल लें स्मार्ट फैसला, तभी कर पाएंगे कमाई

मल्टी-एसेट में मिलेगा बढ़िया रिटर्न

▶▶ इस साल 2025 में गोल्ड और सिल्वर में रही मजबूत रैली
▶▶ बाजार का सही समय पकड़ने की कोशिश न करें
▶▶ बेहतर है लंबी अवधि और डायवर्सिफाइड निवेश रणनीति अपनाएं
▶▶ जिससे सेंटीमेंट के आधार पर फैसले लेने से बचा जा सकेगा
▶▶ शॉर्ट टर्म रिटर्न के बजाय अनुशासन व लंबी अवधि पर करें फोकस

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

साल 2025 वैश्विक और घरेलू स्तर पर निवेशकों के लिए उतार-चढ़ाव भरा रहा है। टैरिफ, जियो-पॉलिटिकल टेंशन, जीएसटी सुधार और आईपीओ की बढ़ती गतिविधियों के बीच शेयर बाजार लंबे समय तक सीमित दायरे में घूमता रहा। हालांकि साल के दूसरे हिस्से में बाजार में धीरे-धीरे सुधार के संकेत दिखने लगे। इसी दौरान 2 एसेट क्लास सोना और चांदी ने निवेशकों को सबसे ज्यादा अट्रैक्ट किया। जहां सोने ने इस कैलेंडर ईयर में अबतक 63% रिटर्न दिया, वहीं चांदी ने 100% से ज्यादा की तेजी दिखाई, जिससे निवेशकों की दिलचस्पी एक बार फिर वैकल्पिक एसेट्स की ओर बढ़ी। बीते रिटर्न को देखकर निवेश करना अक्सर गलत फैसलों की वजह बनता है। तेजी के बाद निवेश करने का ट्रेंड, जिसे रिटर्न के पीछे भागना" कहा जाता है, लंबे समय में नुकसान भी पहुंचा सकती है। ऐसे माहौल में विशेषज्ञों का मानना है कि बाजार का सही समय पकड़ने की कोशिश करने के बजाय निवेशकों को लंबी अवधि की सोच, अनुशासन और मल्टी-एसेट डायवर्सिफिकेशन पर ध्यान देना चाहिए। अलग-अलग एसेट क्लास में संतुलित निवेश न सिर्फ रिस्क को कम करता है, बल्कि समय के साथ कंपाउंडिंग के जरिए बेहतर रिटर्न देने की क्षमता रखता है।

रिटर्न के पीछे भागना गलत स्ट्रैटेजी

लॉन्ग टर्म रिटर्न चार्ट देखें तो पता चलेगा कि सोने में निवेशकों का इंटरेस्ट तब तेजी से बढ़ता है, जब इसके रिटर्न तेजी से बढ़ने लगते हैं, लेकिन जैसे ही कीमतें गिरती हैं, यह इंटरेस्ट भी कम हो जाता है। यह प्रतिक्रिया पर आधारित तरीका साफ बताता है कि निवेश में अनुशासन और निरंतरता कितनी जरूरी है। बाजार का सही समय पकड़ने की कोशिश करने की बजाय, निवेशकों के लिए बेहतर है कि वे लंबी अवधि और डायवर्सिफाइड निवेश रणनीति अपनाएं, जिससे सेंटीमेंट के आधार पर फैसले लेने से बचा जा सके। इसे अपनाने का एक असरदार तरीका है आउटसोर्स्ड एसेट एलोकेशन, यानी ऐसे फंड्स में निवेश करना जो अलग-अलग एसेट क्लास में अपने आप निवेश को संतुलित करते हैं।

क्यों जरूरी है डायवर्सिफिकेशन

सबसे अच्छा प्रदर्शन करने वाले एसेट क्लास के पीछे भागना, चाहे तेजी के समय शेयर हों या गिरावट के समय सोना, अक्सर गलत समय पर निवेश करने और बाजार के अधिक उतार-चढ़ाव का जोखिम बढ़ा देता है। डायवर्सिफिकेशन इन जोखिम को कम करता है, क्योंकि इसमें पैसा अलग-अलग एसेट्स में लगाया जाता है जो अलग परिस्थितियों में अलग तरह से व्यवहार करते हैं। लेकिन अब यह ट्रेंड फिर से बदल रहा है। जून 2024 से, बाजार ने एक बार फिर तेज ग्रोथ और अच्छी क्वालिटी वाली कंपनियों को बेहतर रिटर्न देना शुरू कर दिया है। इन कंपनियों ने अप्रैल 2023 से मई 2024 के दौरान हुए अपने खराब प्रदर्शन का एक-चौथाई से ज्यादा हिस्सा वापस हासिल कर लिया है। इसलिए निवेशकों को शेयरों में भी अलग-अलग स्टाइल में निवेश करके पोर्टफोलियो को डायवर्सिफाई करना चाहिए।

समझदारी दिखाएं

आज की दुनिया में, जहां बदलाव लगातार हो रहा है, समझदारी से किया गया डायवर्सिफिकेशन एक मजबूत पोर्टफोलियो बनाने के लिए सिर्फ अच्छा नहीं, बल्कि बहुत जरूरी है। निवेशकों को शॉर्ट टर्म रिटर्न के बजाय संतुलन, अनुशासन और लंबी अवधि की रणनीति पर ध्यान देना चाहिए। इसलिए, अलग-अलग एसेट्स में डायवर्सिफाइड मल्टी-एसेट पोर्टफोलियो को जोखिम और रिटर्न के सही संतुलन में मदद करने दें, ताकि समय के साथ कंपाउंडिंग अपना कमाल दिखा सके।

प्रमुख एसेट क्लास और उनका व्यवहार

आज के आपस में जुड़े हुए और उतार-चढ़ाव भरे ग्लोबल वित्तीय माहौल में, सिर्फ एक ही एसेट क्लास पर भरोसा करना निवेशकों के लिए बेवजह का जोखिम पैदा कर सकता है, चाहे उसने हाल ही में कितना भी अच्छा प्रदर्शन क्यों न किया हो। इस समय मुख्य एसेट क्लास किस तरह का व्यवहार कर रहे हैं।

सोना और चांदी

ये कीमती धातुएं पारंपरिक रूप से सुरक्षित निवेश मानी जाती हैं। महंगाई के समय या जब सामान्य करेंसी (फिएट करेंसी) कमजार होती है, तब ये अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। चांदी का इस्तेमाल इंडस्ट्री में भी होता है, इसलिए यह इकोनॉमिक साइकिल से ज्यादा प्रभावित होती है। इससे इसमें उतार-चढ़ाव भी ज्यादा होता है, लेकिन मौके भी मिलते हैं।

शेयर (इक्विटी)

शेयरों में बढ़त की अच्छी संभावना होती है, खासकर उन क्षेत्रों में जो नई तकनीक और इनोवेशन से जुड़े होते हैं, लेकिन ये ब्याज दरों, कंपनियों की कमाई के अनुमान और आर्थिक बदलावों के प्रति काफी संवेदनशील होते हैं। अलग-अलग देशों और इंडस्ट्री में इनका प्रदर्शन काफी अलग हो सकता है।

फिक्स्ड इनकम (बॉन्ड)

बॉन्ड अपेक्षाकृत स्थिरता और फिक्स्ड इनकम देते हैं। हालांकि ब्याज दरें बढ़ने पर बॉन्ड की कीमतों पर दबाव आ सकता है, फिर भी ये जोखिम कम करने और पूंजी को सुरक्षित रखने के लिए बहुत जरूरी होते हैं। खासकर सतर्क निवेशकों या

रिटायरमेंट के करीब लोगों के लिए ये काफी उपयोगी हैं।

रियल एसेट्स और वैकल्पिक निवेश

रियल एस्टेट, इंफ्रास्ट्रक्चर और कमोडिटीज महंगाई से बचाव करने और निवेश में डाइवर्सिफिकेशन लाने में मदद कर सकते हैं। वहीं, प्राइवेट इक्विटी और हेज फंड जैसे वैकल्पिक निवेश रिटर्न बढ़ा सकते हैं, लेकिन इनमें जोखिम अधिक होता है और पैसा जल्दी निकालना आसान नहीं होता।

(डिस्क्लेमर : यह आर्टिकल ब्रोकरेज हाउस की रिपोर्ट के आधार पर जानकारी के उद्देश्य से दिया है। यह फाइनेंशियल एक्सप्रेस के निजी विचार नहीं हैं। किसी कैटेगरी में निवेश की सलाह ब्रोकरेज हाउस के द्वारा दी गई है। बाजार में जोखिम होते हैं, इसलिए निवेश के पहले एक्सपर्ट की सलाह लें।)

विदेश घूमने का है प्लान तो ट्रैवल इंश्योरेंस लेते समय न करें गलतियां

बिजनेस डेस्क

अगर आप भी विदेश में घूमने का प्लान बना रहे हैं तो कुछ सावधानियां बरतें और विदेश जाने से पहले ट्रैवल इंश्योरेंस की बारीकियों को अच्छे से समझ लें, ताकि कवरेज, सब-लिमिट या बीमारी छिपाने जैसी गलती से आपका क्लेम अटके नहीं। वरना आपको इससे भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है। अक्सर विदेश घूमने की प्लानिंग में फ्लाइट, होटल, घूमने-फिरने की जगहें सब कुछ सोच लिया जाता है, लेकिन ज्यादातर लोग इंटरनेशनल ट्रैवल इंश्योरेंस को हल्के में ले लेते हैं, जबकि बाहर कुछ अनहोनी हो जाए तो यही इंश्योरेंस बड़ा सहारा बन सकता है। जानकारों का कहना है कि भारतीय यात्री अक्सर कुछ आम गलतियां कर बैठते हैं, जिनसे बाद में भारी नुकसान हो सकता है। इसलिए कभी भी विदेश घूने के लिए जाएं तो इंटरनेशनल ट्रैवल इंश्योरेंस के बारे में अच्छे से जान लें। इससे आप आसानी से बिना किसी चिंता के विदेश घूम सकेंगे। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे ऐसे ही कुछ नियम जो आपको विदेश जाने के दौरान होने वाली परेशानियां से बचाएंगे और सुरक्षित रखेंगे।

कवरेज की रकम कम रखना सबसे बड़ी भूल

शेंगेन देशों के लिए वीजा लेने के लिए कम से कम 30,000 यूरो का कवर जरूरी होता है, लेकिन ये सिर्फ वीजा की शर्त है, सुरक्षा के लिए नहीं। अमेरिका या यूरोप जैसे देशों में मेडिकल खर्चा बहुत ज्यादा होता है। वहां एक दिन आईसीयू में रहने से ही पूरी कवरेज रकम खत्म हो सकती है और बाकी लाखों रुपये खुद की जेब से देने पड़ सकते हैं। इसलिए सावधानी बरतें और ध्यान रखें।

पहले से मौजूद बीमारियां छिपाना भारी

कई लोग डायबिटीज या हाई ब्लड प्रेशर जैसी पुरानी बीमारियां छिपा देते हैं, ताकि प्रीमियम कम देना पड़े। अगर विदेश में हॉस्पिटल में भर्ती होना पड़े और वो बीमारी छिपाई गई पुरानी बीमारी से जुड़ी हुई निकले, तो क्लेम तुरंत रिजेक्ट हो सकता है। इसलिए जब भी इंटरनेशनल ट्रैवल इंश्योरेंस लें तो अपनी सारी बीमारियों का उल्लेख करें। इससे क्लेम लेने में परेशानी होगी।

सिर्फ मेडिकल कवर पर ध्यान न दें

ट्रैवल इंश्योरेंस में सिर्फ इलाज ही नहीं, फ्लाइट डिले, कैंसिलेशन और सामान खोने जैसी परेशानियों का भी कवर मिलता है। "अगर फ्लाइट छह घंटे से ज्यादा लेट हो जाए तो होटल और खाने का खर्चा क्लेम किया जा सकता है। सामान खोने पर एयरलाइन का लिखित डॉक्यूमेंट जरूर रखें, वरना इंश्योरेंस कंपनी क्लेम नहीं मानेगी।" इसलिए सिर्फ मेडिकल कवर ही नहीं, बाकी चीजों पर ध्यान न दें, ताकि किसी आपात स्थिति में आपको परेशानी का सामना न करना पड़े।

सब-लिमिट को नजरअंदाज करना

कई पॉलिसी में रूम रेंट या सर्जरी जैसे खर्चों पर अलग-अलग कैप यानी सब-लिमिट होती है। "भले ही कुल कवरेज रकम ज्यादा हो, लेकिन सब-लिमिट की वजह से क्लेम में बहुत कटौती हो सकती है।" इसलिए सब लिमिट पर भी ध्यान दें, ताकि बाद में पछताना न पड़े। इससे आप आसानी से क्लेम कर सकेंगे। अपनी ट्रिप के हिसाब से सही इंश्योरेंस चुनें कवरेज रकम और फीचर्स आपकी यात्रा की जगह, मकसद और दिनों के हिसाब से होने चाहिए। जानकारों का कहना है कि आप जिस देश में जा रहे हैं, वहां इलाज का औसत खर्चा एक बार जरूर चेक कर लेना चाहिए। अमेरिका-यूरोप में इलाज का खर्च बहुत महंगा पड़ता है, जबकि साउथ ईस्ट एशिया या मिडिल ईस्ट में थोड़ा कम, लेकिन फिर भी काफी ज्यादा होता है। इसलिए पहले उस देश की स्थिति जरूी देख लें जहां आप घूमने जा रहे हैं।

यात्रा का मकसद

बिजनेस ट्रिप पर जाने वाले लोग फ्लाइट डिले, मिस्ड कनेक्शन और लैपटॉप-डिवाइस कवर को प्राथमिकता दें। घूमने-फिरने वाले लोगों को एडवेंचर स्पोर्ट्स, कार रेंटल या क्रूज कवर की जरूरत पड़ सकती है। "बुजुर्गों को पुरानी बीमारियां पूरी तरह बतानी चाहिए। कैशलेस हॉस्पिटलाइजेशन वाली पॉलिसी लें और कम खर्च वाले देशों में भी ज्यादा कवरेज रखें।" शुरू में आपको थोड़ा ज्यादा पैसा प्रीमियम के तौर पर देना पड़ सकता है, बाद में यह आपके लिए लाभकारी साबित हो सकता है।

एक्सक्लूजन और शर्तें ध्यान से देखें

एडवेंचर स्पोर्ट्स की सीमाएं : ज्यादातर पॉलिसी में सिर्फ लाइसेंस वाले इंस्ट्रक्टर की निगरानी में किए गए मनोरंजन वाले एक्टिविटी का कवर मिलता है। प्रोफेशनल लेवल पर प्राइज मनी वाली एक्टिविटी शामिल नहीं होती। एडवेंचर स्पोर्ट्स की सीमाएं देखकर ही बीमा करवाएं।

डिडक्टिबल और सब-लिमिट

डिडक्टिबल वो फिक्स रकम है जो आपको खुद देनी पड़ती है, उसके बाद इंश्योरेंस शुरू होता है। "लोग अक्सर नहीं जानते कि डिडक्टिबल से कम का क्लेम बिल्कुल नहीं मिलेगा।" विदेश यात्रा का इंश्योरेंस सिर्फ औपचारिकता नहीं है। सही तरीके से समझकर और अपनी जरूरत के मुताबिक लिया गया प्लान भारी-भरकम मेडिकल बिल, ट्रिप में रुकावट और दूसरी परेशानियों से बचा सकता है।

निवेशकों को खूब भाया फ्लेक्सी कैप फंड्स इस साल रहा टॉपर

बिजनेस डेस्क

नेट सेल्स 12 महीनों में सबसे ज्यादा रही

म्यूचुअल फंड का कुल एयूएम बढ़कर 80.8 लाख करोड़ हुआ

फ्लेक्सी कैप की खासियत ये लार्ज, मिड व स्मॉल-कैप शेयरों में निवेश बदलते रहते हैं

एक साल में म्यूचुअल फंड मार्केट में फ्लेक्सी-कैप फंड्स सबसे बड़े विजेता बनकर उभरे हैं। यह दिखाता है कि उतार-चढ़ाव वाले बाजार में निवेशक अब ज्यादा लचीलापन चाहते हैं। फ्रैंकलिन टेम्पलटन म्यूचुअल फंड की लेटेस्ट रिपोर्ट के मुताबिक, बीते 12 महीनों में फ्लेक्सी-कैप फंड्स में सभी इक्विटी कैटेगरी में सबसे ज्यादा निवेश आया है। पिछले 12 महीनों में इन फंड्स में करीब 75,700 करोड़ का नेट निवेश दर्ज किया गया। निवेशकों ने इसमें बढ़-चढ़कर निवेश और अपनी पूंजी बढ़ाई। इस फंड में मिल रहे अच्छे रिटर्न के कारण ही यह इस सबसे लोकप्रिय फंड बनकार उभरा और निवेशकों का धन बढ़ाने का काम किया।

इक्विटी की मजबूती से बूस्ट

फ्लेक्सी-कैप फंड्स के अच्छे प्रदर्शन से कुल इक्विटी-बेस्ड म्यूचुअल फंड्स की हिस्सेदारी बढ़ी है। अब इक्विटी स्कीमें कुल म्यूचुअल फंड एयूएम का करीब 60% हिस्सा रखती हैं, जो बताता है कि रिटेल निवेशक हाई रिटर्न के लिए जोखिम लेने को तैयार हैं। एसआईपी के जरिए इक्विटी फंड्स में लगातार पैसा आ रहा है, जिससे फ्लेक्सी-कैप फंड्स को लंबे समय का स्थिर निवेश मिल रहा। ये पोर्टफोलियो का हिस्सा बनते जा रहे हैं।

म्यूचुअल फंड का एसेट्स बैंक डिपॉजिट का एक तिहाई

घरेलू बचत के तरीके में अब साफ बदलाव दिखाई दे रहा है। म्यूचुअल फंड का कुल एयूएम बढ़कर 80.8 लाख करोड़ रुपये हो गया है, जो अब कुल बैंक डिपॉजिट का करीब 33% है। एक दशक पहले यह आंकड़ा सिर्फ करीब 13% था। यह बढ़ोतरी दिखाती है कि निवेशक पारंपरिक फिक्स्ड डिपॉजिट से धीरे-धीरे हटकर लंबे समय में ज्यादा रिटर्न देने वाले विकल्पों की ओर बढ़ रहे हैं, खासकर फ्लेक्सी-कैप जैसे इक्विटी आधारित फंड्स की तरफ।

निवेशकों की सोच में बदलाव

पिछले 5 सालों में म्यूचुअल फंड की संपत्ति 22% की सालाना दर (सीएजीआर) से बढ़ी है, जो बैंक डिपॉजिट की करीब 11% की बढ़त से डबल है। यह बढ़ता गैप बताता है कि लोगों में वित्तीय जागरूकता बढ़ी है, मेट्रो शहरों के बाहर भी म्यूचुअल फंड की पहुंच मजबूत हुई है और प्रोफेशनल फंड मैनेजमेंट पर भरोसा बढ़ा है। ग्रोथ की संभावना और लचीलापन रखने वाले फ्लेक्सी-कैप फंड्स इस बदलाव के सबसे बड़े बेनेफिशियरीज में शामिल हैं।

फ्लेक्सी-कैप फंड की पॉपुलैरिटी बढ़ी

फ्लेक्सी-कैप फंड्स की बढ़ती लोकप्रियता व घरेलू बचत में म्यूचुअल फंड की बढ़ती हिस्सेदारी यह साफ दिखाती है कि भारत में निवेश की सोच बदल रही है। निवेशक अब बाजार से जुड़े विकल्पों में ज्यादा पैसा नहीं लगा रहे, बल्कि ऐसे फंड भी चुन रहे हैं जो डायवर्सिफिकेशन और लचीलापन दोनों देते हैं। जैसे-जैसे म्यूचुअल फंड बैंक डिपॉजिट पर बढ़त बना रहे हैं, फ्लेक्सी-कैप फंड्स आने वाले समय में लंबी अवधि में संपत्ति बनाने की इस कहानी के केंद्र में बने रह सकते हैं।

क्या है फ्लेक्सी कैप फंड

फ्लेक्सी कैप फंड एक ओपन-एंडेड इक्विटी म्यूचुअल फंड है जो लार्ज, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों में निवेश करता है। इसमें फंड मैनेजर को निवेश का लचीलापन होता है, जिससे वे बाजार की स्थितियों के अनुसार अपने पोर्टफोलियो को एडजस्ट कर सकते हैं।

फ्लेक्सी कैप फंड की विशेषताएं

- **लचीलापन:** फंड मैनेजर को निवेश का लचीलापन होता है, वे बाजार के अनुसार पोर्टफोलियो को एडजस्ट कर सकते हैं।
- **विविधता:** फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करने से लार्ज, मिड व स्मॉल कैप कंपनियों में विविधता मिलती है।
- **जोखिम और रिटर्न का संतुलन:** फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करने से आपको जोखिम और रिटर्न का संतुलन मिलता है।
- **लॉन्ग-टर्म ग्रोथ:** फ्लेक्सी कैप फंड लॉन्ग-टर्म ग्रोथ के लिए उपयुक्त होता है ।

फ्लेक्सी कैप फंड के लाभ

- **पेशेवर मैनेजमेंट:** फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करने से आपको पेशेवर फंड मैनेजर्स की दक्षता और जानकारी का लाभ मिलता है।
- **डायवर्सिफिकेशन:** फ्लेक्सी कैप फंड में निवेश करने से आपको लार्ज, मिड और स्मॉल कैप कंपनियों में विविधता मिलती है।
- **लॉन्ग-टर्म ग्रोथ:** फ्लेक्सी कैप फंड लॉन्ग-टर्म ग्रोथ के लिए उपयुक्त होता है

ईपीएफ-एनपीएस से एफडी तक

2025 में बुजुर्गों को मिला कितना रिटर्न

जानकारी
बिजनेस डेस्क

इस साल भारत के बुजुर्गों के लिए सेवानिवृत्ति पर निवेश से मिले-जुले नतीजे सामने आए हैं। ज्यादातर फिक्स्ड इनकम वाले विकल्पों में रिटर्न स्थिर रहे, जबकि शेयर बाजार से जुड़े निवेश में काफी उतार-चढ़ाव दिखा। यह सब निवेश की मात्रा और सही समय पर निर्भर करता रहा। सबसे ज्यादा इस्तेमाल होने वाले सुरक्षित विकल्पों में रिटर्न अच्छे और स्थिर रहे। पेंशनबाजार के हेड विश्वजीत गोयल के मुताबिक, ईपीएफ ने 2024-25 के लिए 8.25 फीसदी ब्याज दिया। वहीं सीनियर सिटीजन सेविंग्स स्कीम (एससीएसएस) और सुकन्या समृद्धि योजना जैसी सरकारी छोटी बचत योजनाओं में 8.2 फीसदी का रिटर्न मिला। पोस्ट ऑफिस की जमा योजनाएं 6.9 से 7.5 फीसदी तक ब्याज दे रही थीं, जबकि बैंक फिक्स्ड डिपॉजिट में बुजुर्गों को 7 से 7.5 फीसदी के बीच मिला। कुल मिलाकर सुरक्षित विकल्पों में कोई बड़ा बदलाव नहीं आया।

- रिटायरमेंट निवेश का सच: 2025 में बुजुर्गों के रिटायरमेंट निवेश में फिक्स्ड इनकम स्थिर रहे
- वहीं, इक्विटी और एनपीएस में रिटर्न समय और निवेश के हिसाब से बदलते रहे

एक आम रिटायरमेंट के करीब व्यक्ति जिसने एनपीएस में बैलेंस्ड तरीके से पैसा लगाया, उसे कुल 8 से 12 फीसदी रिटर्न हाथ लगा, लेकिन शेयर बाजार इंडेक्स ने बहुत कम दिया। जानकारों के अनुसार, निफ्टी और सेंसेक्स टीआरआई ने वित्त वर्ष 2025 में महज करीब 6 फीसदी रिटर्न दिया।

बाजार से जुड़े निवेश में बड़ा अंतर

मार्केट लिंक्ड विकल्पों की बात अलग थी। विश्वजीत गोयल बताते हैं कि नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के इक्विटी स्कीमों ने एक साल में मिड-20 से लो-30 फीसदी तक रिटर्न दिया। कॉर्पोरेट बॉन्ड स्कीमों में करीब 9 फीसदी और सरकारी बॉन्ड स्कीमों में 4 से 6 फीसदी तक मिला।

निवेशकों की गलतियां

आर्थिक विशेषज्ञों का कहना है कि कई बुजुर्गों ने गलतियां कीं। ज्यादातर लोग बैंक डिपॉजिट में ही ज्यादा पैसा रखे रहे, टैक्स बचत वाले विकल्पों का फायदा नहीं उठाया या गलत एन्युटी प्लान चुन लिया, जिससे पेंशन कम हो गई या जीवनसाथी को कोई सुरक्षा नहीं मिली। सबसे बड़ी समस्या यह रही कि मेडिकल महंगाई 12-15 फीसदी की रफ्तार से बढ़ रही है, जबकि ज्यादातर बुजुर्गों को सिर्फ 7-8 फीसदी रिटर्न मिल रहा है। ऑनलाइन ठगी का खतरा बताया। उदाहरण के तौर पर पुणे के एक रिटायर्ड बैंक मैनेजर ने गारंटीड रिटर्न का लालच देकर चलाए जा रहे ऑनलाइन स्कैम में पूरा 2.2 करोड़ रुपये गंवा दिए।

ये जरूरी बदलाव आपको 2026 के लिए क्या करनी है तैयारी

- आर्थिक विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि अब धीरे-धीरे ऐसा पोर्टफोलियो बनाएं। इसमें नियमित आय भी आए और थोड़ी ग्रोथ भी रहे। मिड और स्मॉल कैप में ज्यादा निवेश कम करें, डेट हिस्से को मजबूत बनाएं और 3 से 5 साल की जरूरत के लिए लिक्विडिटी अलग रखें।
- एससीएसएस, ईपीएफ, शॉर्ट से मीडियम टर्म डेट फंड्स, रीट्स/इनविट्स, लैडर्ड फिक्स्ड डिपॉजिट और थोड़ा सा इक्विटी हिस्सा मिलाकर चलें। साथ ही 6 से 12 महीने का आपातकालीन फंड जरूर रखें।

अनुमान: ब्याज दरें नीचें आएंगी

- विशेषज्ञों की लोगों को सलाह कि वे लंबे समय के ब्याज दरें नीचे आएंगी, इसलिए अभी जो अच्छे स्थिर रिटर्न मिल रहे हैं, उन्हें लॉक कर लेना चाहिए। अनुमान है कि 2026 में बैंक एफडी पर 5.5 से 7.5 फीसदी और जी-सेक पर 6 से 6.5 फीसदी तक मिल सकता है। अगर ब्याज दरें गिरेंगी तो एन्युटी की पेआउट भी कम हो सकती है।
- 2024-25 में कई बड़े नियम बदले। यूनिफाइड पेंशन स्कीम शुरू हुई, एनपीएस वात्सल्य लॉन्च हुआ, एनपीएस/यूपीएस/एपेवाई के चार्जेस बदले गए और इंश्योरेंस टैक्स व जीएसटी में भी बदलाव आए। 2026 की प्लानिंग करते समय इन सब पर नजर रखनी जरूरी है।

सावधानी नहीं बरती तो बिगड़ जाएगा फाइनेंस का पूरा गणित

जवानी के दिनों में लिए गए फाइनेंशियल फैसले ही तय करते हैं बुढ़ापे की जिंदगी

लापरवाही बरती तो बुढ़ापे में इसका खामियाजा भुगतना होगा

बिजनेस डेस्क

जवानी के दिनों में लिए गए फाइनेंशियल फैसले ही बुढ़ापे की जिंदगी तय करते हैं। अगर आपने इस उम्र में गलत डिसीजन लिए या लापरवाही बरती तो बुढ़ापे पर आपको इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इस रिपोर्ट में हम आपको बताएंगे 5 ऐसी गलतियों के बारे में जो आपके बुढ़ापे पर फाइनेंस का पूरा गणित बिगाड़ सकती हैं और आपको भारी आर्थिक परेशानियों का समना करना पड़ सकता है। जवानी में करियर, मस्ती और लाइफस्टाइल पर पूरा फोकस रहता है। इसी भागदौड़ में कई ऐसे फैसले टलते रहते हैं, जो बुढ़ापे को सिक्योर बनाने के लिए बेहद जरूरी होते हैं। उस वक्त लगता है कि अभी बहुत समय है, बाद में देख लेंगे. लेकिन जब उम्र बढ़ती है और जिम्मेदारियां बढ़ जाती हैं, तब उन गलतियों को सुधारने की गुंजाइश बहुत कम रह जाती है।

निवेश में देरी

सबसे बड़ी और सबसे आम गलती है समय रहते निवेश शुरू न करना। कई लोग निवेश को खर्च समझ लेते हैं और सोचते हैं कि जब सैलरी बढ़ेगी तब निवेश करेंगे। कुछ लोग 20 साल और 30 साल की उम्र मौज-मस्ती में निकाल देते हैं, जबकि हकीकत यह है कि निवेश कोई खर्च नहीं, बल्कि आपके भविष्य की सुरक्षा है। छोटी रकम से भी निवेश शुरू किया जा सकता है, जितनी जल्दी निवेश शुरू करेंगे, उतना ज्यादा समय कंपाउंडिंग को मिलेगा और उतना बड़ा फंड तैयार होगा। देर करने पर बुढ़ापे में फंड की कमी साफ महसूस होती है। इसलिए हमेशा निवेश जल्द शुरू कर देना चाहिए, ताकि बाद में पछताना ना पड़े और समय रहते आपके पास अच्छा खासा फंड एकत्र हो सके।

निवेश कोई खर्च नहीं, बल्कि आपके भविष्य की सुरक्षा

घर नहीं सोचा तो बुढ़ापे में परेशानी

आज भी बहुत से लोग किराए के घर में रहते हुए सोचते रहते हैं कि कभी तो अपना घर लेंगे। लेकिन सही समय पर प्लानिंग न करने की वजह से ये सपना अधूरा रह जाता है। जवानी में होम लोन लेना आसान होता है, ईएमआई चुकाने के लिए लंबा समय मिलता है और इनकम बढ़ने की संभावना भी रहती है। 40 साल की उम्र के बाद ये फैसला मुश्किल हो जाता है। जो लोग समय रहते घर की प्लानिंग नहीं करते, वो बुढ़ापे में सबसे ज्यादा पछताते हैं। इसलिए आप अपना बुढ़ापा शान से गुजारना चाहते हैं तो 40 साल की उम्र होने से पहले ही अपने लिए एक मकान जरूर बना लें। इससे आपको बुढ़ापे में परेशानी नहीं झेलनी पड़ेगी।

लाइफस्टाइल के चक्कर में कर्ज का जाल

जरूरत और शौक के फर्क को न समझना भी एक बड़ी गलती है। कई युवा लग्जरी लाइफ जीने के लिए क्रेडिट कार्ड और पर्सनल लोन पर जरूरत से ज्यादा निर्भर हो जाते हैं। लंबे समय तक कर्ज चुकाने से सेविंग नहीं बन पाती। नतीजा यह होता है कि बुढ़ापे तक भी ईएमआई पीछा नहीं छोड़ती। लोन उतना ही लें, जितना आपकी इनकम और सेविंग्स आराम से संभाल सकें। लाइफस्टाइल के चक्कर में कर्ज का जाल एक बड़ा खतरा है, जिससे हमें बचना होगा। हमें अपनी आवश्यकताओं को प्राथमिकता देनी, बजट बनाना, कर्ज लेने से पहले सोचना और कर्ज को जल्दी चुकाने की कोशिश करनी होगी। तभी हम कर्ज के जाल से बच सकते हैं।

इंश्योरेंस से दूरी

कई लोग सोचते हैं कि इंश्योरेंस की अभी क्या जरूरत है, लेकिन यही सोच आगे चलकर भारी पड़ती है। कम उम्र में टर्म और हेल्थ इंश्योरेंस लेने पर प्रीमियम कम होता है और कवर ज्यादा मिलता है। यह मुश्किल समय में आपके और आपके परिवार के लिए मजबूत सुरक्षा कवच बनता है। हेल्थ खर्च और अनहोनी से बचाव के लिए इंश्योरेंस को नजरअंदाज करना बड़ी भूल है। समय रहते इंश्योरेंस कवर ले लेना चाहिए, ताकि आपात स्थिति में मुंह न ताकना पड़े।

रिटायरमेंट प्लानिंग टालना

बच्चे संभाल लेंगे या अभी तो बहुत टाइम है जैसी सोच सबसे खतरनाक होती है। जल्दी रिटायरमेंट प्लानिंग शुरू करेंगे, उतना ही मजबूत फंड तैयार होगा।

एशेज: इंग्लैंड पर हार का खतरा, 435 के लक्ष्य का पीछा करते हुए 207 रन पर गंवाए 6 विकेट

नाथन लियोन ने तीन विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को जीत के करीब पहुंचाया

एजेंसी ▸▸ एडिलेड

इंग्लैंड की एशेज में बने रहने की बेताब कोशिश को शनिवार को उस समय करारा झटका लगा जब नाथन लियोन ने एक के बाद एक तीन विकेट लेकर ऑस्ट्रेलिया को तीसरे टेस्ट क्रिकेट मैच में जीत और श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने के करीब पहुंचा दिया।

इंग्लैंड की टीम जब 435 रन के रिकार्ड लक्ष्य का पीछा करते हुए एशेज में अपनी उम्मीदों को जीवंत रखने की कोशिश कर रही थी तब लियोन ने उप कप्तान हैरी ब्रूक (30) को बोल्ड, कप्तान बेन स्टोक्स (05) को बोल्ड और सलामी बल्लेबाज जैक क्रॉली (85) को स्टंप आउट करके इंग्लैंड के खेमे में खलबली मचा दी। इंग्लैंड ने चौथे दिन का खेल समाप्त होने तक छह विकेट पर 207 रन बनाए हैं और वह अभी लक्ष्य से 228 रन पीछे है।

लियोन ने की शानदारी गेंदबाजी

पहली पारी में 371 रन बनाने वाले ऑस्ट्रेलिया ने अपनी दूसरी पारी में 349 रन बनाए। इंग्लैंड ने अपनी पहली पारी में 286 रन बनाए थे। क्रॉली और ब्रूक ने 68 रन की साझेदारी करके इंग्लैंड का स्कोर तीन विकेट पर 109 रन से 177 रन तक पहुंचाया। ऐसे में लियोन ने गेंद संभाली और अपनी दूसरी ही गेंद पर सफलता हासिल की। उन्होंने इस बीच केवल आठ रन देकर तीन विकेट लिए, जिससे इंग्लैंड का स्कोर छह विकेट पर 194 रन हो गया। आउट होने वाले बल्लेबाजों में स्टोक्स भी शामिल थे। वह टर्न लेती हुई गेंद को समझने में नाकाम रहे, जो उनके ऑफ स्टंप से जा लगी।

इंग्लैंड की दूसरी पारी की शुरुआत खराब

इंग्लैंड की दूसरी पारी की शुरुआत अच्छी नहीं रही और एक समय उसका स्कोर दो विकेट पर 31 रन था। लेकिन इसके बाद जो रूट (39) और क्रॉली ने तीसरे विकेट के लिए 78 रन की साझेदारी की। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने लंच से पहले अपनी दूसरी ही गेंद पर बेन डकेट (04) का विकेट लिया और फिर लंच के बाद ओली पोप (17) को भी पवेलियन भेज दिया, जिनका मार्नस लाबुशेन ने दूसरी स्लिप से बायीं तरफ डाइव लगाते हुए शानदार कैच पकड़ा। कमिंस ने चाय के विश्राम के तुरंत बाद रूट को पवेलियन की राह दिखाई। टेस्ट क्रिकेट में यह 13वीं बार था जब कमिंस ने इंग्लैंड के पूर्व कप्तान को आउट किया। कमिंस ने अभी तक 24 रन देकर तीन जबकि लियोन ने 64 रन देकर तीन विकेट लिए हैं।

हेड और कैरी ने की 162 रन की साझेदारी

स्टोक्स और इंग्लैंड के गेंदबाजी आक्रमण ने सुबह के सत्र में श्रृंखला को जीवित रखने के लिए हरसंभव प्रयास किया। ऑस्ट्रेलिया ने सुबह अपनी दूसरी पारी चार विकेट पर 271 रन से आगे बढ़ाई लेकिन उसने आखिरी छह विकेट 11 ओवरों में 38 रन पर गंवा दिए। सुबह ट्रैविस हेड ने 142 रन और एलेक्स कैरी ने 52 रन से आगे खेलना शुरू किया लेकिन वह लंबे समय तक नहीं टिके रहे। हेड के 170 रन पर आउट होने से उसकी पारी का पतन शुरू हो गया। हेड और कैरी ने पांचवें विकेट के लिए 162 रन की साझेदारी की। इस साझेदारी का अंत जोश टोंग (70 रन देकर चार विकेट) ने हेड को आउट करके किया। क्रॉली ने मिडविकेट पर उनका कैच लपका। स्टोक्स ने कैरी को 72 रन पर आउट कर दिया। कैरी ने लेग स्लिप में कैच दिया। इसके बाद ब्रायडन कार्स (80 रन देकर तीन विकेट) ने कमिंस (06) और लियोन को लगातार गेंदों पर आउट किया। जोफ्रा आर्चर ने स्कॉट बोलैंड का अपनी ही गेंद पर कैच लेकर ऑस्ट्रेलिया की पारी का अंत किया।

खबर संक्षेप

विजय हजारे ट्रॉफी: बंगाल टीम शामिल किए गए शमी

कोलकाता। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को आगामी विजय हजारे ट्रॉफी एकदिवसीय प्रतियोगिता के लिए बंगाल की टीम में शामिल किया गया है। शमी लंबे समय से भारतीय टीम से बाहर चल रहे हैं लेकिन उन्होंने चोट से उबरने के बाद बंगाल की तरफ से घरेलू क्रिकेट में शानदार वापसी की। उन्होंने घरेलू क्रिकेट में वर्तमान सत्र में अभी तक सभी प्रारुप में 36 विकेट लिए हैं। भारतीय घरेलू सत्र की शुरुआत रणजी ट्रॉफी से हुई, जिसमें शमी ने चार मैच में 18.60 के औसत से 20 विकेट लिए। उन्होंने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टी20 टूर्नामेंट में भी अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और सात मैचों में 14.93 के औसत से 16 विकेट हासिल किए। विजय हजारे ट्रॉफी में शमी बंगाल के तेज गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगे। बंगाल की टीम में भारतीय तेज गेंदबाज आकाश दीप और मुकेश कुमार भी शामिल हैं। ट्राफी के लिए बल्लेबाज अभिमन्यु ईश्वरन को कप्तान बनाया गया है।

2026 एटीपी टूर के बाद नहीं खेलेंगे वावरिंका

लुसाने। स्विट्जरलैंड के खिलाड़ी और तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन स्टेन वावरिंका ने कहा है कि 2026 एटीपी टूर पर उनका आखिरी साल होगा। वावरिंका 2002 में पेशेवर खिलाड़ी बने थे और उन्होंने 16 टूर एकल खिताब जीते हैं। उन्होंने 2014 में ऑस्ट्रेलियाई ओपन (राफेल नडाल), 2015 में फ्रेंच ओपन (नोवाक जोकोविच) और 2016 में अमेरिकी ओपन (जोकोविच) के फाइनल में उस समय के नंबर एक रैंकिंग वाले खिलाड़ियों को हराया था। वावरिंका ने सोशल मीडिया पर लिखा, 'आखिरी प्रयास। हर पुस्तक का अंत जरूरी होता है। अब पेशेवर टेनिस खिलाड़ी के रूप में मेरे करियर का अंतिम अध्याय लिखने का समय आ गया है। 2026 टूर पर मेरा आखिरी साल होगा।'

पंड्या सुपरहीरो की तरह उनकी चमक अद्वितीय

अहमदाबाद। दक्षिण अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने पांचवें टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच में हार्दिक पंड्या की शानदार पारी के बाद उन्हें सुपरहीरो करार दिया और कहा कि वह मानसिक रूप से एक अलग स्तर पर काम करते हैं और उनकी चमक अद्वितीय है। स्टेन ने कहा, 'हार्दिक ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने एक खिलाड़ी की छवि से आगे निकल कर एक सेलिब्रिटी का दर्जा हासिल कर लिया है।

सूचना

सभी पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार-पत्र में प्रकाशित विज्ञापनों (डिस्पले/क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों/दावों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें और विज्ञापन के दावों की विश्वसनीयता को परखें। हरिभूमि समूह के मुद्रक, प्रकाशक या सम्पादक की विज्ञापनों के तथ्यों से सम्बन्धित कोई जिम्मेवारी नहीं होगी।

टी20 विश्व कप 2026 के लिए टीम इंडिया का ऐलान

टी-20 के राजा सूर्या से रूठी फॉर्म, निराशाजनक प्रदर्शन से शुभमन को खोनी पड़ी अपनी जगह

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय टी20 टीम के कप्तान सूर्यकुमार यादव ने जब अपने टी20 करियर की शुरुआत की थी, तो अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के दम पर पूरी दुनिया में छा गए थे। साल 2025 सूर्यकुमार यादव के लिए बतौर कप्तान बेहद सफल रहा है, लेकिन एक बल्लेबाज के रूप में उन्होंने निराश किया है।

वहीं शुभमन गिल को भी खराब फॉर्म की वजह से टी20 विश्व कप 2026 में अपनी जगह खोनी पड़ी है। सूर्या और गिल दोनों के लिए टी20 में साल 2025 बेहद निराशजनक रहा है। सूर्यकुमार यादव ने 14 मार्च 2021 को इंग्लैंड के खिलाफ अपने टी20 करियर का आगाज किया था। टी20 फॉर्मेट में शुरुआत के साथ ही सूर्या ने तहलका मचा दिया था। लगातार दमदार प्रदर्शन की वजह से सूर्या 30 अक्टूबर 2022 को आईसीसी की टी20 रैंकिंग में नंबर वन बल्लेबाज बन गए। वह टी20 विश्व कप 2024 जीतने वाली भारतीय टीम का हिस्सा रहे थे।

ईशान का खत्म हुआ वनवास

वर्ल्ड कप स्क्वॉड के लिए टीम इंडिया के स्क्वॉड में अपना नाम देखने के बाद ईशान किशन काफी खुश नजर आए। उन्होंने कहा कि मैं बहुत खुश हूं और टीम के साथ जुड़ने पर काफी उत्साहित हूं। ईशान किशन दो साल बाद भारत की टी20 टीम में वापसी करने में कामयाब रहे हैं। उन्होंने भारत के लिए पिछला टी20 मुकाबला नवंबर, 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था।

भारतीय टीम का शेड्यूल

दिनांक	बनाम	स्थान
7 फरवरी	यूएसए	वानखेड़े स्टेडियम (मुंबई)।
12 फरवरी	नामीबिया	अरुण जेटली स्टेडियम (दिल्ली)।
15 फरवरी	पाकिस्तान	आर. प्रेमदासा स्टेडियम (कोलंबो)।
18 फरवरी	नीदरलैंड्स	नरेंद्र मोदी स्टेडियम (अहमदाबाद)।

सुपर-8 के मैच अहमदाबाद, चेन्नई और कोलकाता।
ग्रुप ए : भारत, अमेरिका, पाकिस्तान, नामीबिया और नीदरलैंड्स

गिल और जितेश बाहर

चीफ सेलेक्टर अगरकर ने किया बड़ा खुलासा

चीफ सेलेक्टर अजीत अगरकर ने शुभमन गिल को बाहर करने की वजह का खुलासा करते हुए कहा कि गिल का हालिया फॉर्म और टीम कॉम्बिनेशन की मजबूरियां इस फैसले के पीछे की वजह रहीं। अजीत अगरकर ने कहा, 'हम जानते हैं कि वह कितने क्वालिटी वाले खिलाड़ी हैं, लेकिन शायद इस समय उनके पास कुछ रन कम हैं। पिछले वर्ल्ड कप में भी चूकना दुर्भाग्यपूर्ण है क्योंकि हम अलग-अलग कॉम्बिनेशन के साथ गए थे। लेकिन यह फैसला किसी भी और चीज से ज्यादा कॉम्बिनेशन की वजह से लिया गया है, जब आप 15 चुनते हैं तो किसी को चूकना पड़ता है और दुर्भाग्य से, इस समय वह गिल हैं।

दूसरी ओर, विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा भी टीम में अपनी जगह बनाने से चूक गए। अगरकर ने इस बात पर जोर दिया कि वह टॉप ऑर्डर में एक ज्यादा विकेटकीपर रखना चाहते थे और इसके लिए उन्हें एक मेन बल्लेबाज का त्याग करना पड़ा। अगरकर ने कहा कि हम कॉम्बिनेशन पर गौर कर रहे हैं। जितेश ने बहुत ज्यादा गलत नहीं किया है। लेकिन वह लोअर ऑर्डर में बल्लेबाजी करते हैं और टॉप ऑर्डर में एक विकेटकीपर बल्लेबाज के विकल्प के चलते उनकी जगह ईशान किशन को मौका दिया गया है।

न्यूजीलैंड सीरीज के लिए टीम इंडिया का सेलेक्शन पटेल बने उपकप्तान

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

टी20 वर्ल्ड कप 2026 के लिए टीम इंडिया के ऐलान के साथ ही न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के लिए भी भारतीय टीम का सेलेक्शन कर दिया गया। टी20 वर्ल्ड कप 2026 और न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टी20 सीरीज के लिए एक ही टीम चुनी गई है। टीम इंडिया की टी20 टीम का उप-कप्तान बदल चुका है। अक्षर पटेल को न्यूजीलैंड सीरीज और टी20 वर्ल्ड कप 2026, दोनों के लिए उप-कप्तान बना दिया गया है। चूंकि टी20 वर्ल्ड कप 2026 और न्यूजीलैंड सीरीज के लिए एक ही टीम है तो शुभमन गिल इस सीरीज से भी बाहर रहेंगे। ईशान किशन ने टीम में उनकी जगह ली है। ईशान किशन को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में कमाल के प्रदर्शन का इनाम मिला है। ईशान किशन ने 33 छक्कों के साथ 500 से ज्यादा रन बनाए हैं। वो टूर्नामेंट में 500 प्लस रन बनाने वाले इकलौते बल्लेबाज रहे। जितेश शर्मा को भी न्यूजीलैंड के खिलाफ टी20 टीम से ड्रॉप कर दिया गया हैं। वहीं रिंकू सिंह की वापसी हुई है। रिंकू सिंह साउथ अफ्रीका के खिलाफ टी20 सीरीज में टीम इंडिया का हिस्सा नहीं थे।

न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम इंडिया

सूर्यकुमार यादव (कप्तान), अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन (विकेटकीपर), ईशान किशन, हार्दिक पंड्या, तिलक वर्मा, अक्षर पटेल (उपकप्तान), शिवम दुबे, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह, रिंकू सिंह।

पाकिस्तान के खिलाफ मुकाबला आज सुबह 10.30 बजे से

रिकॉर्ड 12वीं बार खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

एजेंसी ▸▸ दुबई

भारतीय टीम रविवार को आईसीसी अकादमी में होने वाले अंडर-19 एशिया कप फाइनल में चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान के खिलाफ अपनी श्रेष्ठता साबित करते हुए रिकॉर्ड 12वां खिताब अपनी झोली में डालना चाहेगी। आयुष म्हात्रे की अगुवाई वाली भारतीय टीम ग्रुप ए के सभी मैच जीतकर पाकिस्तान से आगे शीर्ष पर रही। पाकिस्तान को ग्रुप चरण में एकमात्र हार भारत के खिलाफ मिली थी, जिसमें उसे पिछले रविवार को 90 रन से हार मिली। भारत ने शुक्रवार को सेमीफाइनल में भी यही लय बरकरार रखी और श्रीलंका को आठ विकेट से हराया। दूसरी ओर पाकिस्तान ने गत चैंपियन बांग्लादेश को हराकर फाइनल में जगह बनाई। फाइनल तक भारत का सफर हरफनमौला प्रदर्शन पर आधारित रहा है, जिसमें बल्लेबाजों और गेंदबाजों ने मिलकर एक मजबूत इकाई बनाई।

अंडर-19 एशिया कप

बल्लेबाजी में भारत का प्रदर्शन शानदार

बल्लेबाजी में भारत का प्रदर्शन शानदार रहा है और टीम ने दो बार 400 से ज्यादा का स्कोर बनाया है। इस 50 ओवर के टूर्नामेंट में युवा प्रतिभाओं का उदय हुआ है, जिसमें 17 साल के विकेटकीपर-बल्लेबाज अभिज्ञान कुंडू शामिल हैं। युवा प्रतिभा वैभव सूर्यवंशी ने संयुक्त अरब अमीरात के खिलाफ पहले मैच में 95 गेंद में 171 रन बनाकर भारत को छह विकेट पर 433 रन के स्कोर तक पहुंचाया तो कुंडू ने मलेशिया के खिलाफ रिकॉर्ड बुक में अपना नाम दर्ज कराया। इस बाएं हाथ के बल्लेबाज ने 125 गेंद में नाबाद 209 रन बनाए और युवा वनडे में दोहरा शतक बनाने वाले पहले भारतीय बन गए।

कैवेम हॉज का शानदार शतक वेस्टइंडीज ने टाला फॉलोऑन

एजेंसी ▸▸ माउंट माउंगानुई

कैवेम हॉज ने सूत्रधार की भूमिका अच्छी तरह से निभाते हुए अपना दूसरा टेस्ट शतक बनाया, जिससे वेस्टइंडीज की टीम न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे और अंतिम टेस्ट क्रिकेट मैच के तीसरे दिन फॉलोऑन बचाने में सफल रही। तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के समय हॉज 109 रन पर खेल रहे थे।

उनके साथ दूसरे छोर पर एंडरसन फिलिप 12 रन बनाकर खेल रहे हैं। वेस्टइंडीज ने अपनी पहली पारी में छह विकेट पर 381 रन बनाए हैं और वह न्यूजीलैंड से अभी 194 रन पीछे है। न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी आठ विकेट पर 575 रन बनाकर समाप्त घोषित की थी।

वेस्टइंडीज का फॉलोऑन बचाना इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि पहले टेस्ट मैच में शतक बनाने वाले शाई होप बल्लेबाजी करने के लिए नहीं उतर पाए। वह अज्ञात बीमारी के कारण मैदान से बाहर हैं।

श्रीलंका के खिलाफ युवाओं को परखेगी महिला क्रिकेट टीम

विशाखापत्तनम। भारतीय टीम रविवार से श्रीलंका के खिलाफ शुरू हो रही पांच मैचों की टी20 श्रृंखला से अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए ऐसे युवा खिलाड़ियों की तलाश करना चाहेगी, जो टीम को लंबे समय तक स्थिरता प्रदान कर सके। टीम में कप्तान हरमनप्रीत कौर, उपकप्तान स्मृति मंधाना, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा और रेणुका सिंह जैसे परिचित चेहरे मौजूद हैं, लेकिन यह सभी खिलाड़ी 30 की उम्र पार कर चुके हैं या उस ओर बढ़ रहे हैं। भारतीय टीम प्रबंधन की निगाहें ऐसे में युवा बल्लेबाज जी कमलिनी और उभरती हुई बाएं हाथ की स्पिनर वैष्णवी शर्मा के प्रदर्शन पर टिकी रहेंगी। सत्रह साल की कमलिनी ने तमिलनाडु के लिए बीसीसीआई अंडर-23 टी20 ट्रॉफी, इस साल की शुरुआत में अंडर-19 विश्व कप और फिर महिला प्रीमियर लीग में मुंबई इंडियंस के लिए खेलते हुए अपनी परिपक्वता का परिचय दिया है।

अभियुक्त की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 BNSS देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **मुकीम पुत्र अकबर निवासी, एच–1/180, सीलमपुर, वेलकम, दिल्ली** ने **FIR No. 383/2020 U/S 25/54/59/ Arms Act, अन्तर्गत थाना वेलकम, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिखकर लौटा दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मुकीम** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त अभियुक्त **मुकीम** फरार हो गया है (या उक्त वारंट के तामील से बचने के लिये अपने आप को छिपा रहा है)।

अतः इसके द्वारा उदघोषणा की जाती है कि **FIR No. 383/2020 U/S 25/54/59/ Arms Act, अन्तर्गत थाना वेलकम, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **मुकीम** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **25.02.2026** को इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार,
सुश्री दीपाक्षी राणा
न्यायिक दण्डाधिकारी प्रथम श्रेणी–03
कक्ष संख्या 19, प्रथम तल, शाहदरा जिला
कड़कड़डूमा न्यायालय, दिल्ली
DP/16383/NE/2025(Court Matter)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82 Cr.P.C देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया है अभियुक्त नामः **अमित वर्मा, पुत्र राकेश वर्मा, निवासीः मकान नंबर 2/20, सेवा धाम रोड, मंडोली, दिल्ली** ने अपराध किया है (या किए जाने का संदेह है) **FIR No.159/2019 U/S 498A/406/34 IPC** के तहत एक मामला **थाना एम.एस. पार्क, शाहदरा जिला, दिल्ली** में दर्ज किया गया है और उसके बाद जारी गिरफ्तारी वारंट को यह कहते हुए वापस कर दिया गया है कि अभियुक्त **अमित वर्मा** नहीं मिला या मेरी संतुष्टि के लिए दिखाया गया है कि अभियुक्त **अमित वर्मा** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा कि **FIR No.159/2019 U/S 498A/406/34 IPC, थाना एम.एस. पार्क, शाहदरा जिला, दिल्ली** के अभियुक्त **अमित वर्मा** को उक्त परिवाद का जवाब देने के लिए दिनांक **04.02.2026** को या उससे पहले अदालत के समक्ष उपस्थित होना आवश्यक है।

आदेशानुसार,
न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी–03,
द्वितीय मंजिल, शाहदरा जिला,
करकड़डूमा न्यायालय, दिल्ली
DP/16833/SHD/2025
(अदालती मामला)

यादें 2025 : भारतीय निशानेबाजों ने प्रत्येक रंग का हासिल किया पदक

सुरुचि, सम्राट और सिमरनप्रीत ने निशानेबाजी में बिखेरी चमक

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

सुरुचि सिंह, सम्राट राणा और सिमरनप्रीत कौर बराड़ ने वर्ष 2025 में भारतीय निशानेबाजी में अपनी विशेष छाप छोड़ी। इस वर्ष भारतीय निशानेबाजों ने प्रत्येक रंग का पदक हासिल किया और यह साल कई युवाओं के उभरने का गवाह बना।

पिछले कुछ वर्षों में निशानेबाजी का खेल भारत के लिए सबसे अधिक पदक हासिल करने वाले खेलों में से एक के रूप में उभरा है। यह खेल अब छोटे शहरों में लोकप्रिय होता जा रहा है, जिससे भारत को कई शानदार प्रतिभाएं मिली हैं। भारतीय निशानेबाजों के अच्छे प्रदर्शन की शुरुआत ब्यूनस आयर्स में हुई, जहां भारत ने चार स्वर्ण, दो रजत और इतने ही कांस्य पदक जीते।

सुरुचि ने असाधारण प्रतिभा की दिखाई झलक

सुरुचि ने इस सत्र में विश्व कप में शीर्ष स्थान हासिल करके अपनी असाधारण प्रतिभा की झलक दिखाई। झज्जर की इस युवा निशानेबाज ने विश्व कप में चार स्वर्ण पदक जीते थे और दोहा में सत्र की अंतिम प्रतियोगिता विश्व कप फाइनल्स में भी शीर्ष स्थान हासिल किया था। करनाल के रहने वाले 20 वर्षीय सम्राट राणा ने पुरुषों की एयर पिस्टल स्पर्धा में कुछ सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों को हराकर काहिरा में विश्व चैंपियन का खिताब जीता और इस तरह से यह उपलब्धि हासिल करने वाले देश के पहले खिलाड़ी बने।

पाटिल और अनीश का शानदार प्रदर्शन

इस साल एयर राइफल निशानेबाज रुद्रांक्ष पाटिल, 25 मीटर रैपिड फायर विशेषज्ञ अनीश भानवाला, एयर पिस्टल निशानेबाज वरुण तोमर और 25 मीटर पिस्टल निशानेबाज सिमरनप्रीत कौर बराड़ जैसे खिलाड़ियों ने विश्व कप, विश्व चैंपियनशिप, एशियाई चैंपियनशिप और विश्व कप में शानदार प्रदर्शन किया। लेकिन कोई भी सुरुचि और सम्राट की सफलता की बराबरी नहीं कर पाया।

सेना के अधिकारियों ने आईएमए में मनाया अपनी 25 वर्षीय राष्ट्र सेवा का जश्न

हरिभूमि ब्यूरो ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून (आईएमए) के 107वें नियमित कोर्स के अधिकारियों के लिए शनिवार को दिन बेहद खास रहा। क्योंकि इसी के जरिए उन्होंने सेना का हिस्सा बनकर जो राष्ट्र सेवा की उसके 25 वर्ष पूरे हो गए यानी रजत जयंती का मौका था। जिसकी खुशी में कभी वर्ष 2000 में इस कोर्स का हिस्सा रहे 255 सैन्य अधिकारियों ने अपने परिजनों के साथ आईएमए, देहरादून का दौरा किया। सेना ने एक बयान में बताया कि इस कोर्स में 416 पुरुष कैडेट शामिल रहे हैं। ये सभी 24 जून 2000 को भारतीय सेना में कमीशन हुए थे और आज इनकी सेवा के 25 वर्ष पूरे हो गए हैं। इस लंबी अवधि में इस कोर्स ने अपने नाम 47 वीरता पुरस्कार और 176 प्रतिष्ठित सेवा पुरस्कार किए हैं। जो कि 107 कोर्स द्वारा भारतीय सेना में किए गए सराहनीय योगदान को प्रदर्शित करता है। वहीं, इसी कोर्स के ही 10 बहादुर अधिकारियों ने राष्ट्र सेवा के कर्तव्य को निभाते हुए अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान भी दिया है। कोर्स की रजत जयंती का ये कार्यक्रम भारतीय सैन्य अकादमी के सम्मान, साहस और बलिदान के मूल्यों के अलावा अधिकारियों की देशसेवा की प्रतिबद्धता को भी मजबूती के साथ प्रदर्शित करता है।

खबर संक्षेप

यूट्यूबर अनुराग की 10 करोड़ की कारें जब्त

उन्नाव। यूपी के उन्नाव जिले का यूट्यूबर अनुराग द्विवेदी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रडार पर है। जांच एजेंसी ने उनकी लैंबॉर्गिनी, बीएमडब्ल्यू, मर्सिडीज और थार जब्त की है। इन लग्जरी कारों की कीमत 10 करोड़ रुपए बताई जा रही है। 25 साल के अनुराग और उनके घरवालों के सभी बैंक खाते सीज कर दिए हैं। इन खातों से हुई लेन-देन की जांच भी शुरू कर दी है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग निवारण अधिनियम के तहत यह कार्रवाई की है।

कोहरे के चलते दिल्ली एयरपोर्ट पर 129 उड़ानें रद्द

नई दिल्ली। शनिवार को पूरे उत्तर भारत में घना कोहरा छाया रहा, जिसके चलते दृश्यता बेहद कम होने से दिल्ली हवाई अड्डे पर उड़ान सेवाएं बुरी तरह से प्रभावित हुईं। दिल्ली एयरपोर्ट पर 129 उड़ानें रद्द हुईं, जिनमें कई अंतरराष्ट्रीय उड़ानें भी शामिल हैं। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया के अनुसार हवाई अड्डा केट-3 कैटेगरी में संचालित हो रहा है, जिसके तहत विमानों की लैंडिंग और टेक-ऑफ के दौरान विशेष सावधानी बरती जा रही है।

सऊदी और भारत संबंधों को बेहतर करने पर लगातार कर रहे काम

वीजा में छूट पर किया समझौता, श्रम कानूनों में बदलाव से भारतीयों को मिलेगा बड़ा फायदा

एजेंसी ▶▶ रियाद

भारत और सऊदी अरब के संबंधों में एक और नया अध्याय जुड़ गया है। दोनों देशों ने वीजा से जुड़े समझौते पर दस्तखत किए हैं। इस समझौते में कुछ पासपोर्ट धारकों को शॉर्ट-स्टे वीजा की जरूरत से छूट दी गई है। रियाद में विदेश मंत्रालय के दफ्तर में साइन किया गया यह समझौता दोनों देशों के बीच आधिकारिक मेलजोल को आसान करने के लिए किया गया है। इसे सऊदी-भारत वीजा छूट समझौते का नाम दिया गया है।

यह समझौता नौकरशाही की बाधाओं को दूर करने के लिए किया गया है। भारत और सऊदी अरब ने अब आधिकारिक तौर पर कुछ खास पासपोर्ट धारकों को छोटी अवधि के वीजा की आवश्यकता से छूट देने वाले आपसी समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इससे नई दिल्ली और रियाद के बीच राजनयिक संबंध नए मुकाम पर पहुंच गए हैं।

> यह वीजा छूट जिन पासपोर्टों के धारकों के लिए है। इसके तहत दोनों देशों के राजनयिक, विशेष और आधिकारिक पासपोर्ट धारक छोटी अवधि के लिए वीजा के बिना रियाद और नई दिल्ली की यात्रा कर सकेंगे

- आधिकारिक कामों के लिए यात्रा तेज और सुगम होगी
- प्रवासी श्रमिकों से सिर्फ अनुबंधित काम ही करवाया जाएगा

भारतीय राजदूत डॉ. सुहेल खान (बाएं) और सऊदी के उप मंत्री अब्दुल अल-स्मरी

राजनयिक वीजा बगैर कर सकेंगे यात्रा

सऊदी अरब और भारत ने आपसी अल्पकालिक वीजा छूट समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत दोनों देशों के राजनयिक, विशेष और आधिकारिक पासपोर्ट धारक छोटी अवधि के लिए वीजा के बिना रियाद और नई दिल्ली की यात्रा कर सकेंगे। सऊदी अरब विदेश मंत्रालय के प्रोटोकॉल मामलों के उप मंत्री अब्दुल माजीद अल-स्मरी और भारतीय राजदूत डॉ. सुहेल एजाज खान ने डील पर हस्ताक्षर किए। यह वीजा छूट आम पर्यटकों या व्यावसायिक यात्रियों पर लागू नहीं होती है। यह छूट जिन पासपोर्टों के धारकों के लिए है। उनमें- राजनयिक पासपोर्ट, विशेष पासपोर्ट (अक्सर उच्च पदस्थ सरकारी अधिकारियों के लिए) और आधिकारिक पासपोर्ट (सरकारी काम पर जाने वाले

वीजा आवेदन की आवश्यकता नहीं

इन पासपोर्ट को रखने वाले लोग अब एक-दूसरे के देशों में छोटी अवधि के लिए प्रवेश कर सकेंगे। उन्हें पहले से वीजा के लिए आवेदन करने की आवश्यकता नहीं होगी। इससे आधिकारिक कामों और राजनयिक व्यस्तताओं के लिए यात्रा तेज और सुगम हो जाएगी। ऐसे कदम अक्सर घनिष्ठ नीतिगत संवाद को बढ़ावा देते हैं। इससे भविष्य में यात्रा सहयोग का विस्तार हो सकता है।

श्रमिकों को हर साल 30 दिन के वेतन के साथ मिलेगी सालाना छुट्टी

सऊदी अरब ने खेती और पशुपालन से जुड़े मजदूरों के अधिकारों की रक्षा के लिए श्रम कानून में बड़ा बदलाव किया है। इससे सऊदी में रहने वाले हजारों भारतीय कामगारों को फायदा होगा। सऊदी अरब के मानव संसाधन और सामाजिक विकास मंत्री इंजीनियर अहमद अल-राजही ने नये कानून को मंजूरी दे दी है। 30 दिनों की वेतन के साथ सालाना छुट्टी की गारंटी देता है। इसके अलावा अगर कॉन्ट्रैक्ट, छुट्टी लेने से पहले खत्म हो जाता है तो भी उन्हें पूरे पैसे दिए जाएंगे।

अतिरिक्त काम के लिए मूल वेतन का 50 प्रतिशत मिलेगा

अतिरिक्त काम के लिए श्रमिक को मूल वेतन का 50 प्रतिशत अतिरिक्त भुगतान मिलेगा, हालांकि आधिकारिक छुट्टियों पर किया गया काम ओवरटाइम में नहीं गिना जाएगा। नियमों के मुताबिक, नियोक्ता 21 वर्ष से कम उम्र के श्रमिकों को नियुक्त नहीं कर सकते हैं और न ही उनसे अनुबंध में तय काम के अलावा कोई अन्य काम करा सकते हैं। किसी कर्मचारी को दूसरे के लिए या निजी व्यवसाय के लिए काम करने को मजबूर करना भी प्रतिबंधित कर दिया गया है।

मेट्रो के शुभारंभ के साथ भोपाल में विकास की 'नई कहानी' शुरू

झीलों की नगरी की 'मेट्रो' से बढ़ी और शान

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मेट्रो ट्रेन में बैठकर शहर का नजारा देखकर सुंदरता का अहसास हुआ। मेट्रो संचालन के साथ राजधानी में विकास की नई कहानी शुरू हुई है। इसके चलने से सभी यात्रियों, मरीजों को लाभ मिलेगा। शहरी ट्रांसपोर्ट के लिए यह बड़ी सौगात है। यह बात मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शनिवार को एम्स मेट्रो स्टेशन पर पत्रकारों से बातचीत के दौरान कही।

उन्होंने कहा कि मेट्रो भोपाल के विकास में महती भूमिका निभाएगी। इसके पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल खट्टर ने सुभाष नगर मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया और उसमें सवार होकर एम्स मेट्रो स्टेशन पहुंचे। डॉ. यादव ने कहा कि लोगों का उत्साह देखते ही बनता था। लोग बेहद खुश थे। बच्चे, बुजुर्गों ने ट्रेन से शहर को निहारा है तो बहुत अच्छा लगा। उन्होंने मेट्रो के संचालन पर सभी को बधाई और शुभकामनाएं देते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश में डबल इंजन की सरकार का लाभ मिल रहा है।

मेट्रो वाला भोपाल देश का 26वां शहर

केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि भोपाल इंदौर के बाद मेट्रो चलने वाला 26वां शहर है। आगामी दो सालों में 30 किमी के दायरे में मेट्रो का संचालन हो सकेगा। दुनिया में चीन के बाद देश दूसरे नंबर पर होगा। मनोहर लाल ने कहा कि वर्तमान में देश में 1090 किमी मेट्रो ट्रैक है और 900 किमी ट्रैक का काम चल रहा है जब 300 किमी का दायरा बढ़ जाएगा तो देश चीन के बाद दूसरे नंबर पर होगा।

मेट्रो की पायलट जान्हवी बोलीं- अच्छा अनुभव रहा

एम्स मेट्रो स्टेशन पर मेट्रो की पायलट जान्हवी गोस्वामी से 'हरिभूमि' ने मेट्रो चलाने के अनुभव पर सवाल पूछा। उन्होंने कहा कि बहुत अ<None>च्छा। को-पायलट ने कहा कि मेट्रो को चलाने के लिए विशेष ट्रेनिंग ली है।

इमरान खान व बुशरा बीबी को 17 साल की सजा, 1.64 करोड़ जुर्माना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व पीएम और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक इमरान खान और उनकी पत्नी बुशरा बीबी को बड़ा झटका लगा है। संघीय जांच एजेंसी (एफआईए) की विशेष अदालत ने शनिवार को तोशाखाना-2 मामले में दोनों को 17-17 साल की कैद की सजा सुनाई। अदालत ने दोनों पर 1.64 करोड़ पाकिस्तानी रुपए का जुर्माना भी लगाया है। जुर्माना न भरने की स्थिति में उन्हें अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। विशेष न्यायाधीश (सेंट्रल) शाहरुख अर्जुमंद ने रावलपिंडी की अदियाला जेल में सुनवाई के दौरान यह फैसला सुनाया, जहां इमरान खान पहले से ही बंद हैं। अदालत ने इमरान खान को पाकिस्तान दंड संहिता की धारा 34 और धारा 409 के तहत 10 साल की कठोर कैद, जबकि भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 5(2) के तहत 7 साल की सजा सुनाई। इसी तरह बुशरा बीबी को भी उन्हीं धाराओं के तहत कुल 17 साल की सजा सुनाई। यह मामला मई 2021 का है, जब इमरान खान को सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस ने एक आधिकारिक दौरे के दौरान बुल्गारी ब्रांड का महंगा आभूषण सेट उपहार में दिया था।

उपराष्ट्रपति ने कपड़ा और परिधान निर्यात बाजार में बढ़ती प्रतिस्पर्धा पर जताई चिंता

कपड़ा उद्योग को नए बाजार तलाशने और पर्यावरण अनुकूल उत्पादन करने की सलाह

एफटीए वर्तमान की जरूरत, तभी भारत बराबरी में खड़ा हो सकेगा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन ने वैश्विक कपड़ा और परिधान निर्यात बाजार में भारत को बराबरी दिलाने के लिए और अधिक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) करने की जरूरत पर जोर दिया है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश जैसे प्रतिस्पर्धी देशों को एफटीए का बड़ा लाभ मिल रहा है, जबकि भारत को अभी इस मोर्चे पर और तेजी दिखाने की जरूरत है। यह बात उन्होंने शनिवार को अपैरल एक्सपोर्ट्स प्रमोशन काउंसिल (एईपीसी) के पुरस्कार समारोह को संबोधित करते हुए कही। उपराष्ट्रपति ने कहा कि पहले वैश्विक स्तर पर परिधान निर्यात में भारत के सामने बहुत ज्यादा प्रतिस्पर्धी नहीं थे, लेकिन अब बांग्लादेश, लाओस, कंबोडिया, वियतनाम और कई अफ्रीकी देश कड़ी चुनौती दे रहे हैं।

एईपीसी के पुरस्कार समारोह को संबोधित करते उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन

2030 तक कपड़ा उद्योग 350 अरब डॉलर का होगा

100 अरब डॉलर का निर्यात लक्ष्य रखें

उपराष्ट्रपति ने कहा कि एफटीए अब जरूरी हो गया है। हमारे प्रतिस्पर्धी देशों को सबसे बड़ा फायदा इसी का मिल रहा है। उन्होंने बताया कि भारत का लक्ष्य 2030 तक कपड़ा उद्योग का आकार 350 अरब डॉलर तक पहुंचाने का है, जिसमें से 100 अरब डॉलर का योगदान निर्यात से होना चाहिए। इसके लिए उन्होंने परिधान उद्योग से नए बाजार तलाशने, पर्यावरण अनुकूल उत्पादन, जिम्मेदार सोर्सिंग और अपशिष्ट कम करने की रणनीतियां अपनाने का आह्वान किया।

तीन वर्षों में कपड़ा निर्यात होगा दोगुना

उपराष्ट्रपति ने भरोसा जताया कि आने वाले तीन वर्षों में भारत का कपड़ा निर्यात दोगुना हो जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत में कपड़ा उद्योग को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। यह आगे बढ़ेगा और मुझे पूरा विश्वास है कि अगले तीन साल में निर्यात दोगुना होगा। वित्त वर्ष 2024-25 में भारत का कपड़ा और परिधान निर्यात 37.75 अरब डॉलर रहा।

डब्ल्यूएचओ भवन में जेपी नड्डा का दौरा

वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग पर दिया जोर, भारत की प्रतिबद्धता दोहराई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

नई दिल्ली में विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) के दक्षिण-पूर्व एशिया क्षेत्रीय कार्यालय (एसईएआरओ) के नव-उद्घाटित भवन का केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने शुक्रवार को दौरा किया।

नड्डा ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए क्षेत्रीय और वैश्विक स्वास्थ्य सहयोग को मजबूत करने के प्रति भारत की अटूट प्रतिबद्धता दोहराई। उन्होंने कहा कि आज के दौर में सार्वजनिक स्वास्थ्य की चुनौतियां किसी एक देश तक सीमित नहीं हैं। इन समस्याओं से निपटने के लिए सभी देशों को मिलकर, समन्वित और निरंतर प्रयास करने की आवश्यकता है। उन्होंने सामूहिक कार्रवाई को समय की सबसे बड़ी जरूरत बताया।

जेपी नड्डा और डॉ. टेड्रोस

डब्ल्यूएचओ महानिदेशक डॉ. टेड्रोस अधानोम घेब्रेयेसस ने भारत सरकार और पीएम नरेंद्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त किया।

हरिभूमि कम्यूनिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक देवेन्द्र सिंह बाल्यान द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशंस, चुलियाना मोड़, दिल्ली रोड, रोहतक-124517 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सैंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 से प्रकाशित। सम्पादक : डॉ.हिमांशु द्विवेदी। आरएनआई नं 69631/1998, फोन : 011-40451115/16, 40451109